@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 15 सितंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 310 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

माधबी बुच की सफाई के बाद कांग्रेस का नया आरोप: जयराम रमेश

नई दिल्ली, 14 सितंबर। सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच पर हमला बोलते हुए कांग्रेस ने शनिवार को नए आरोप लगाए हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि सेबी प्रमुख ने पद पर रहते हुए लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की जो कि गलत है। इसके अलावा उन्होंने चाइनीज फंड्स में भी निवेश किया है।

खासकर उस वक्त जब भारत चीन के साथ भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने माधबी बुच के खिलाफ नए आरोपों की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि उन्होंने पूर्णकालिक सदस्य के रूप में और बाद में सेबी अध्यक्ष के रूप में 36.9 करोड़ रुपये की लिस्टेड कंपनियों में ट्रेडिंग की है। कांग्रेस का ये हमला सेबी अध्यक्ष के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें माधबी बुच ने कहा था कि उन्होंने सभी जरूरी खुलासे कर दिए हैं और महिंद्रा समूह जैसी कंपनियों के साथ काम करने में दिशा-निर्देशों का पालन किया है, जिन्होंने उनके पति को नौकरी दी थी। इसके साथ ही उन्होंने अनियमितता के आरोपों को झूठा, दुर्भावनापूर्ण बताकर खारिज कर दिया था। माधबी बुच और उनके पति धवल बुच ने एक संयुक्त बयान में कांग्रेस की तरफ से सेबी की पूर्णकालिक सदस्य होने के बावजूद अपने पिछले नियोक्ता आईसीआईसीआई बैंक से भुगतान प्राप्त करने के मुद्दे पर भी चर्चा की। बयान में कहा गया है कि माधबी बुच ने कभी भी अगोरा एडवाइजरी और अगोरा पार्टनर्स से जुड़ी किसी फाइल को नहीं देखा - ये वे सलाहकार कंपनियां हैं जिनमें उनकी 99 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और 2017 में बाजार नियामक संस्था सेबी में शामिल होने के बाद भी वे आय हासिल करती रहीं।

जब तक मोदी है, आरक्षण की व्यवस्था में रत्तीभर भी कमी नहीं आएगी: पीएम

सिम्मी कौर बब्बर

कुरुक्षेत्र (हरियाणा), 14 सितंबर। हरियाणा विधानसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को कुरुक्षेत्र से अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी। प्रधानमंत्री दोपहर बाद गीता की धरा से जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करने पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हेलीकॉप्टर से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहुंचे जहां सीएम नायब सैनी उन्हें रिसीव करने गए। पीएम नरेंद्र मोदी मंच पर पहुंचे तो सीएम नायब सैनी ने पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने जय श्री कृष्ण और राम राम के संबोधन के साथ रैली में संबोधन शुरू किया। उन्होंने हरियाणवी अंदाज में कहा कि मन्नै इस पवित्र धरती पै आणकै घणा आच्छा लाग रया सै।पीएम मोदी ने मंच से कहा कि कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। भाजपा को बदनाम करने के लिए उसको भारत को बदनाम करने में शर्म नहीं आ रही है। इसलिए अब कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहना है। आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है। कांग्रेस को अब झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं आती है। कांग्रेस हर रोज एक नया झूठ बोलती है। कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सबसे बड़ा लक्ष्य है। आज तो हालत ये हो गई है कि कांग्रेस के राज में कर्नाटक में गणपति जी को भी सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। पूरा देश आज गणेश उत्सव मना रहा है... और कांग्रेस विघ्नहर्ता की पूजा में भी विघ्न डाल रही है। पीएम ने कहा कि भारत में सबसे बड़ा दलित, ओबीसी और आदिवासी विरोधी अगर कोई है तो वो कांग्रेस का परिवार है। अभी इन लोगों ने कहा है कि अगर सरकार

में आए तो दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। यही इस परिवार की सच्चाई है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हितैषी भाजपा सरकार नई पेंशन स्कीम लेकर आई है। इसमें कर्मचारियों के लिए निश्चित पेंशन की गारंटी है। इस नई पेंशन स्कीम का व्यापक स्वागत हुआ है, सरकारी कर्मचारियों ने इस पर खुशी जताई है। कांग्रेस ने किसानों के साथ ही हमेशा देश की रक्षा करने वाले जवानों को भी धोखा दिया है। ये भाजपा सरकार ही है, जिसने पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन लागू की। ये लोग एमएसपी को लेकर कितना शोर मचाते हैं, जबकि हमारा हरियाणा देश का वो राज्य है, जो 24 फसलें एमएसपी पर खरीदता है। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि वो लोग कर्नाटक और तेलंगाना में कितनी फसलें एमएसपी पर खरीदते हैं? वहां किसानों को कितना एमएसपी देते हैं? भाजपा की केंद्र सरकार ने किसान का बोझ अपने ऊपर लेने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। कांग्रेस किसानों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है, उन्हें बड़े-बड़े सपने दिखाती है। सच्चाई ये है कि ये झूठ के अलावा कुछ नहीं है। अगर कांग्रेस में दम है, तो वो कर्नाटक और तेलंगाना में अपनी किसान योजनाएं क्यों नहीं लागू करती? कर्नाटक और तेलंगाना में विकास के सारे काम ठप्प हैं। कांग्रेस पार्टी की एक ही नीति है- चुनाव जीतने के लिए जनता का खजाना खाली करो। इसी तरह आप पंजाब की हालत देखिए... क्या कर दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की परेशानी से, जनता की समस्याओं से कांग्रेस को कभी कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी देश में और कोई नहीं है। भाजपा सरकार के आने से पहले यहां आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं था। आज हरियाणा करीब-करीब शत प्रतिशत नल से जल वाला राज्य बन रहा है।

सिद्धारमैया ने दलित की जमीन पर अवैध तरीके से किया निर्माण: एच डी कुमारस्वामी

कौमी संवाददाता

बंगलूरू, 14 सितंबर। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर आरोप लगाया कि उन्होंने उप मुख्यमंत्री रहते हुए एक एक दलित के लिए आवंटित जमीन पर अवैध तरीके से एक घर बनवाया। जद (एस) नेता ने कहा कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) पर 14 जगहों पर जमीन के गलत तरीके से आवंटन के आरोप हैं, जिनकी जांच के लिए राज्यपाल ने मंजूरी दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया ने एक ऐसे दलित के लिए आवंटित जमीन पर अवैध तरीके से घर बनवाया जो शारीरिक रूप से सक्षम नहीं था। कुमारस्वामी ने कहा, सिद्धारमैया ने एक दलित को 24 हजार रुपये का भुगतान करने के बाद हासिल की गई जमीन पर अवैध तरीके निर्माण कार्य किया। उन्होंने जाली

दस्तावेजों के जरिए उस जमीन पर कब्जा किया और वहां एक घर बनवाया। उस व्यक्ति ने देखा कि उसकी जमीन पर किसी और का घर बना हुआ है। उसके पास सभी दस्तावेज हैं, जो आरोपों को सही साबित कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया ने कई अवैध काम किए हैं और इस मुद्दे को उजागर करने से नया विवाद खड़ा हो सकता है। कुमारस्वामी ने यह भी कहा कि सिद्धारमैया का जीवन एक खुली किताब नहीं है, जैसा कि वह दावा करते हैं। वे अब बताएं कि उस जमीन की बाद में बिक्री किसे की गई और अभी उसका मालिक कौन है। सिद्धारमैया 1996 से 1999 और 2004 से 2005 तक कर्नाटक के उप मुख्यंत्री रहे हैं। हालांकि, कुमारस्वामी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह घटना किस अवधि में हुई थी। उधर, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने जानकारी दी कि ठेकेदार चलुवराजू ने मुख्यमंत्री सिद्धारमया से मुलाकात कर भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। चलुवराजू ने आरोप लगाया कि मुनिरत्ना ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। सीएमओ के मुताबिक, चलुवराजू ने आरोप लगाया कि मुनिरत्ना के खिलाफ कोई भी प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा है, जबकि प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद पुलिस इस मामले में निष्क्रियता बरत रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, कर्नाटक भाजपा ने मुनिरत्ना को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उन्हें उन पर लगे आरोपों पर पांच दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। उनके खिलाफ व्यालिकावल थाने में दो प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति से लेकर चीन के राजदूत ने दी सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 14 सितंबर। सीपीआईएम नेता सीताराम येचुरी का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए शुक्रवार को उनके दिल्ली स्थित आवास से पार्टी कार्यालय लाया गया। इसके बाद उन्हें अंतिम विदाई दी गई। उनकी अंतिम यात्रा में भारी भीड़ मौजूद रही। बता दें कि सीताराम येचुरी का 12 सितंबर को इलाज के दौरान दिल्ली एम्स में निधन हो गया था। येचुरी सांस संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन भी सीताराम येचुरी के अंतिम दर्शन के लिए दिल्ली स्थित सीपीआईएम कार्यालय पहुंचे। इसके अलावा पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी भी पहुंचे। कांग्रेस संसदीय समिति की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सीपीआईएम कार्यालय पहुंचकर सीताराम येचुरी को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता जैसे जयराम रमेश, राजीव शुक्ला और अजय माकन आदि भी मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी सीताराम येचुरी के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। येचुरी का पार्थिव शरीर आज सीपीआईएम कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इसके बाद उनके शव को उनकी इच्छा के मुताबिक मेडिकल रिसर्च के लिए एम्स को सौंप दिया गया। सीताराम येचुरी का गुरुवार दोपहर 3ः05 बजे 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। परिवार ने उनके पार्थिव शरीर को शिक्षण और शोध उद्देश्यों के लिए एम्स, नई दिल्ली को दान कर दिया। सीताराम येचुरी को पहले 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें आईसीयू में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

मैं आपकी दीदी बनकर आई हूं, सीएम नहीं: ममता बनर्जी

सौरभ शर्मा

कोलकाता, 14 सितंबर। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने स्वास्थ्य भवन पहुंचीं। इस दौरान डॉक्टरों ने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि वह यहां दीदी के तौर पर डॉक्टरों से मिलने आई हैं। बता दें कि गुरुवार को डॉक्टरों का एक दल बैठक के लिए नबन्ना पहुंचा था, लेकिन यह बैठक नहीं हो पाई थी। ममता बनर्जी ने बताया कि उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से मिलने के लिए दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन वे बैठक स्थल पर नहीं आए। इसके बाद कहा कि वह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। ममता बनर्जी ने प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को आश्वासन दिया कि वह उनकी मांगों पर गौर करेंगी और कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने आगे कहा, मैं यहां आपसे मुख्यमंत्री नहीं बल्कि दीदी के तौर पर मिलने आई हूं। मैं खुद छात्र आंदोलन करके आगे आई हूं, मैंने अपने जीवन में भी बहुत संघर्ष किया है, मैं आपके

संघर्ष को समझती हूं। मुझे मेरे पद की चिंता नहीं है। कल रात भर बारिश हुई आप यहां विरोध पर बैठे थे मैं रात भर परेशान रही। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, आपकी मांगों को आपसे सुनने के बाद मैं उसका अध्ययन करूंगी। मैं अकेले सरकार नहीं चलाती, मैं आपकी मांगों का वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अध्ययन कर समाधान ज़रूर निकालूंगी। जो भी दोषी पाया जाएगा उसे सज़ा ज़रूर मिलेगी। मैं आपसे थोड़ा समय मांग रही हूं। आपके(विरोध कर रहे डॉक्टरों के) खिलाफ राज्य सरकार कोई एक्शन नहीं लेगी। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप काम पर वापस लौटें। अस्पताल के विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा से जुड़े सभी काम शुरू कर दिए गए हैं और आगे भी किए जाएंगे। जब सीपीआईएम सत्ता में थी तब मैं 26 दिनों के लिए भूख हड़ताल पर थी। यह मेरा आखिरी प्रयास है और मैं आपसे वादा करती हूं कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होगा। ममता बनर्जी के संबोधन के बाद डॉक्टरों ने कहा कि वे अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी पांच मांगों को लेकर सरकार से किसी भी चर्चा के लिए तैयार हैं। यह कोई अनुचित मांग नहीं है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी इस मामले के खिलाफ सिलीगुड़ी में विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से हमारे छात्र और बच्चे प्रदर्शन कर रहे हैं।

बदलाव ला सकता था सपा-बसपा गठबंधन, पर हमें धोखा मिला: अखिलेश यादव

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 14 सितंबर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा-बसपा का गठबंधन राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता था, पर हमें धोखा मिला। गठबंधन धर्म निभाने के लिए समाजवादी हमेशा त्याग करने को तैयार हैं। ये बात उन्होंने पार्टी मुख्यालय में हिंदी दिवस पर दानवीर कर्ण पर लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने साहित्यकारों को सम्मानित किया और हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। अखिलेश ने कहा कि दानवीर कर्ण जानता था कि वह युद्ध हारेगा, फिर भी अपने मित्रों का साथ नहीं छोड़ा। यह पूछने पर क्या गठबंधन की राजनीति में भी ऐसी मित्रता संभव है? अखिलेश बोले, राजनीति में अगर विचार, कार्यक्रम और सिद्धांत के लिए त्याग करना पड़ेगा, तो हम तैयार रहेंगे। सपा और बसपा का गठबंधन एक ऐसा सपना था, जो भीमराव आंबेडकर और राममनोहर लोहिया ने देखा था। हमें भरोसा था कि सपा-बसपा का गठबंधन देश की राजनीति को बदलेगा, लेकिन परिस्थितियां कुछ ऐसी रहीं कि गठबंधन नहीं चला। यह बात छोटी है कि किसने-किसका फोन नहीं उठाया।

तब बसपा के एक नेता ने भी कहा था कि उन्हें भी इसी तरह से धोखा मिला था। अखिलेश ने वाराणसी की एक घटना पर कहा कि यूपी पुलिस साजिश में लगी है। वारदातें नहीं रुक रही हैं। फर्जी एनकाउंटर में तार से तार जोड़ने के लिए पुलिस अफसर घंटों साथ बैठते हैं। मंगेश यादव के एनकाउंटर के दो घंटे के भीतर ही मीडिया को प्रेस नोट पहुंचना बहुत कुछ स्पष्ट कर देता है। पुलिस के डर से सब कह देते हैं कि माल की बरामदगी हो गई है। मठाधीश वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि जिन संतों को बुरा लग रहा है, उन्हें बताना चाहिए जब एक नारा चला ... इनको मारो जूते चार। तब वे कहां थे। अखिलेश ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का पार्टी संगठन चुनाव प्रचार के लिए बुलाएगा तो वहां जाएंगे। लेकिन, हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए जाने के सवाल पर कुछ नहीं बोले। राहुल गांधी पर मानहानि का मुकदमा दर्ज होने पर अखिलेश ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे ऊपर भी मानहानि का मुकदमा दर्ज होने वाला है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा नेताओं ने अयोध्या समेत कई जिलों में जमीन कब्जाई है। ये भू माफिया पार्टी है। लखनऊ तक में तालाबों पर कब्जा किया है।

ज्ञानवापी एक ऐतिहासिक मस्जिद: मौलाना शहाबुद्दीन

बरेली, 14 सितंबर। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ज्ञानवापी वाले बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मौलाना ने कहा कि ज्ञानवापी एक ऐतिहासिक मस्जिद है। उसकी तारीख कई सौ साल पुरानी है। शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो बयान दिया है कि ज्ञानवापी को मस्जिद कहना दुर्भाग्यपूर्ण है, यह विश्वनाथ मंदिर है। उनको यह बयान शोभा नहीं देता है। वो एक जिम्मेदार कुर्सी पर बैठे हुए हैं। वो हर एक व्यक्ति के मुख्यमंत्री हैं। चाहे किसी ने वोट दिया या नहीं दिया है। मौलाना ने मुख्यमंत्री योगी की तारीफ करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था के मामले में उन्होंने बेहतर कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी बनती है कि वो हर एक व्यक्ति के लिए काम करें और कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखें ताकि लोग अमन व शांति के साथ अपनी रोजाना की जिंदगी गुजार सके। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि ज्ञानवापी का मामला न्यायालयों के अधीन विचाराधीन है। ऐसी परिस्थितियों में मुख्यमंत्री के इस बयान से कानून की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसलिए मुख्यमंत्री को धार्मिक बयानों से परहेज करना चाहिए। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि जो लोग हिजाब पर प्रतिबंध लगाने की बात कर रहे हैं। वो उनकी ज़हनी दिवालियापन की बातें हैं। हिजाब एक लिबास है जो मुस्लिम महिलाएं अपने आप को ढंकने के लिए पहनती हैं। मौलाना ने कहा कि भारत का संविधान हर पुरुष और महिला को इस बात की इजाजत देता है कि हर शख्स अपनी मर्जी के मुताबिक जो लिबास पहनना चाहे पहने, जो खाना चाहे वो खाए।

अब बापू की शरण में मोमबत्ती जलाकर करेंगे पुरानी पेंशन की मांग

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 14 सितंबर। केंद्र द्वारा एनपीएस में सुधार कर लाई गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को लेकर सरकार कर्मचारियों में आक्रोश कम नहीं हो पा रहा है। विभिन्न सरकारी कर्मचारी संगठन, पुरानी पेंशन यानी ओपीएस बहाली की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पुरानी पेंशन की मांग के लिए लंबे समय से आंदोलन करने वाले कर्मचारी संगठन एनएमओपीएस ने 26 सितंबर को देश के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इससे पहले 15 सितंबर को सरकारी कर्मचारी ओपीएस की मांग को लेकर बापू के समाधि स्थल दिल्ली के राजघाट पर पहुंचेंगे। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के अनुसार, दिल्ली में राजघाट पर हजारों कर्मचारी पहुंचेंगे। ये कर्मचारियों के हितों की लड़ाई है। अब वे अपने हक की लड़ाई के लिए स्वयं आगे आएंगे। कर्मचारी, किसी का इंतजार नहीं करेंगे। वजह, केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हुए यूपीएस लागू करने की बात कही है। एनएमओपीएस एक ऐसा संगठन है, जो केवल ओपीएस के लिए लड़ रहा है। यूपीएस से सरकारी कर्मचारी बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं। यूपीएस का गजट भी नहीं आया है। केंद्र सरकार ने अभी तक यूपीएस की जो खूबियां गिनाई हैं, वे कर्मचारियों को रास नहीं आ रही। पुरानी पेंशन व्यवस्था में यदि कोई कर्मचारी, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेता है तो उसकी पेंशन, सेवानिवृत्ति की तिथि से ही शुरु कर दी जाती थी, लेकिन अब यूपीएस में उसे 60 वर्ष के बाद पेंशन देने की बात कही गई है। इसका मतलब कोई कर्मचारी 45 साल में वीआरएस लेता है तो उसे 15 साल तक पेंशन मिलने का इंतजार करना होगा। महाराष्ट्र में लंबे समय से ओपीएस की लड़ाई लड़ने वाले महाराष्ट्र राज्य जुनी पेन्शन संघटना के राज्य सोशल मीडिया प्रमुख विनायक चौथे के मुताबिक, ओपीएस की लड़ाई जारी रहेगी। इस कड़ी में 15 सितंबर को शिरडी में पुरानी पेंशन राज्य महाअधिवेशन आयोजित किया जाएगा। वहां मौजूद कर्मचारी, ओपीएस लागू कराने के लिए शपथ लेंगे। उस आयोजन में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी बुलाया जाएगा। ओपीएस पर उनकी राय या स्टैंड पूछेंगे। एनएमओपीएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा महाराष्ट्र राज्य जुनी पेन्शन संघटना के अध्यक्ष वितेश खांडेकर

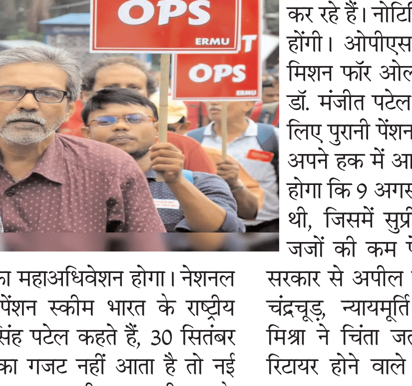

के नेतृत्व में शिरडी का महाअधिवेशन होगा। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल कहते हैं, 30 सितंबर तक अगर यूपीएस का गजट नहीं आता है तो नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर यूपीएस-एनपीएस के विरोध में महा-आंदोलन होगा। केंद्र एवं राज्यों के कई बड़े कर्मचारी संगठनों ने यूपीएस को छलावा करार दिया है। यूपीएस बनाम ओपीएस के इस दंगल में, सरकार के पक्ष में कम तो उसके खिलाफ ज्यादा कर्मचारी संगठन हैं। पीएम की बैठक में शामिल कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के अध्यक्ष रूपक सरकार कह चुके हैं, कि ओपीएस का संघर्ष खत्म नहीं हुआ है। अभी हम यूपीएस का विस्तृत नोटिफिकेशन आने का इंतजार कर रहे हैं। नोटिफिकेशन में बहुत सी बातें क्लीयर होंगी। ओपीएस की मांग जारी रहेगी। नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत के अध्यक्ष डॉ. मंजीत पटेल कहते हैं, अगर न्यायाधीश अपने लिए पुरानी पेंशन की बात करते हैं तो कर्मचारी भी अपने हक में आवाज उठा सकते हैं। आपको याद होगा कि 9 अगस्त 2024 को एक बड़ी खबर आई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने जजों की कम पेंशन का हल निकालने के लिए सरकार से अपील की थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा ने चिंता जताई थी कि जिला अदालतों से रिटायर होने वाले कुछ न्यायिक अधिकारियों को महज 15 हजार रुपये पेंशन मिल रही है। ऐसे में अंदाजा लगा सकते हैं कि वे कैसे अपनी आजीविका चलाते होंगे।

सोनिया गांधी ने येचुरी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 14 सितंबर। सीपीआईएम नेता सीताराम येचुरी का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए उनके दिल्ली स्थित आवास से पार्टी कार्यालय लाया गया है। सीताराम येचुरी का 12 सितंबर को इलाज के दौरान दिल्ली एम्स में निधन हो गया था। वह सांस संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। वामपंथी नेताओं का पार्टी कार्यालय पहुंचना शुरू हो गया है। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन भी सीताराम येचुरी के अंतिम दर्शनों के लिए दिल्ली स्थित सीपीआईएम कार्यालय पहुंचे हैं। कांग्रेस संसदीय समिति की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सीपीआईएम कार्यालय पहुंचकर सीताराम येचुरी को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता जैसे जयराम रमेश, राजीव शुक्ला और अजय माकन आदि भी मौजूद रहे। पूर्व गृह मंत्री पी.चिदंबरम ने भी सीताराम येचुरी के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। येचुरी का पार्थिव शरीर आज यानी शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक सीपीआईएम कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रहेगा। इसके बाद उनके शव को उनकी इच्छा के मुताबिक मेडिकल रिसर्च के लिए एम्स को सौंप दिया जाएगा। सीताराम येचुरी का गुरुवार दोपहर 3ः05 बजे 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। परिवार ने उनके पार्थिव शरीर को शिक्षण और शोध उद्देश्यों के लिए एम्स, नई दिल्ली को दान कर दिया।

सीताराम येचुरी को पहले 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें आईसीयू में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। सीताराम येचुरी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव और पार्टी के संसदीय समूह के नेता थे। उनका जन्म 12 अगस्त 1952 को चेन्नई में एक तेलुगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्हें 2016 में राज्यसभा में सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र के सैन्य सलाहकार पद पर नेपाल भी करेगा दावेदारी, सरकार की सेना को मंजूरी

एजेंसी

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र के सैन्य सलाहकार पद पर नेपाल की तरफ से भी दावेदारी पेश की जाएगी। नेपाल सरकार ने सैन्य सलाहकार पद के लिए नेपाली सेना को अपनी दावेदारी पेश करने की इजाजत दे दी है। इसके बाद मेजर जनरल प्रेमध्वज अधिकारी को उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया है। सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव केसी ने बताया कि सुबह प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और प्रधान सेनापति के बीच हुई बैठक में संयुक्त राष्ट्र के सैन्य सलाहकार पद पर दावेदारी पेश करने का निर्णय लिया गया है। उम्मीदवारी के लिए मेजर जनरल प्रेमध्वज अधिकारी के नाम का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहला मौका है, जब नेपाल संयुक्त राष्ट्र के सैन्य सलाहकार पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करने जा रहा है। इससे पहले भी नेपाल को यह मौका मिला था लेकिन इस पद के लिए कोई भी काबिल उम्मीदवार ना होने के कारण दावेदारी से पीछे हट गया था। इस बार नेपाली सेना में नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही दावेदारी देने का आधिकारिक फैसला लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र सैन्य शांति मिशन में नेपाली सेना के योगदान को देखते हुए सुरक्षा परिषद की तरफ से गत वर्ष ही नेपाल को सैन्य सलाकार पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करने को कहा गया था। उस समय तत्कालीन प्रधान सेनापति जनरल प्रभुराम शर्मा ने नेपाल की दावेदारी से पीछे हटने का फैसला लिया था।

पाकिस्तान में मकान की छत गिरी, परिवार के पांच सदस्यों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में देरबाद आए आंधी-तूफान के दौरान एक मकान की छत भरभरा कर ढह गई। इस हादसे में तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। एआरवाई न्यूज की खबर में बचाव अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह हादसा चारसद्दा जिले के तुरंगजई के खट्ट कोरुना इलाके में हुआ। मृतकों में साजिद, उनकी पत्नी और तीन बच्चे शामिल है। इन बच्चों में आठ वर्षीय मोसा और सात वर्षीय हनीफा भी हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इसी प्रांत के दिजकोट पुलिस स्टेशन की सीमा में एक

जर्जर मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के आठ सदस्य घायल हो गए थे। एक अन्य घटना में टांडो एडम में मोहम्मद रहीम मालोखानी गांव में सरकारी प्राथमिक विद्यालय की छत का प्लास्टर गिरने से आठ बच्चे घायल हो गए थे।

भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी नेता प्रवीण गोरधन नहीं रहे, राष्ट्रपति रामफोसा ने दुख जताया

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी नेता और देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रवीण गोरधन नहीं रहे। कैंसर पीड़ित गोरधन ने आज सुबह यहां एक अस्पताल में 75 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। शोक संतप्त उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह दक्षिण अफ्रीका की राजनीति में नब्बे के दशक से लगभग चार माह पहले तक सक्रिय रहे।

दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख समाचार पत्र द मेल ऐंड गार्जियन के अंग्रेजी संस्करण की खबर के अनुसार, नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय मूल के प्रवीण गोरधन ने रंगभेद-विरोधी आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने चार माह पूर्व सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने शोक संदेश में अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के सदस्य रहे गोरधन की सराहना करते हुए उन्हें

एक उत्कृष्ट राजनीतिज्ञ और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का प्रमुख प्रणेता बताया है। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए गोरधन के निधन पर दुख जताया है। द मेल ऐंड गार्जियन के मुताबिक, गोरधन संक्रमणकालीन कार्यकारी परिषद के सह-अध्यक्ष रहे हैं। इसका गठन रंगभेद नीति के खिलाफ संघर्ष के लिए जेल में बंद नेल्सन मंडेला की रिहाई के बाद किया गया। गोरधन ने 2009 से 2014 तक और इसके बाद 2015 से 2017 तक वित्तमंत्री के रूप में दो कार्यकाल पूरे किए। उन्होंने 2014 से 2015 तक सहकारी शासन और पारंपरिक मामलों के मंत्री के रूप में भी कार्य किया। वह सार्वजनिक उद्यम मंत्री भी रहे। उन्हें परिवार ने इस सप्ताह की शुरुआत में कैंसर के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। गोरधन के अंतिम क्षणों में अस्पताल में उनके परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त मौजूद रहे। उन्होंने एक दशक तक दक्षिण अफ्रीकी राजस्व सेवा के आयुक्त के रूप में भी कार्य किया।

बांग्लादेश में अवामी लीग नेता नायब अली गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के जेनाइदाह-1 निर्वाचन क्षेत्र से अवामी लीग के पूर्व विधायक नायब अली जोर्डर को गिरफ्तार कर लिया गया। रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी-6) ने उन्हें रात करीब 12:00 बजे शहर के अरप्पुर बस स्टैंड इलाके से गिरफ्तार किया। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो ने कहा है कि आरएबी-6 ने एक टेक्स्ट संदेश में उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। आरएबी-6 के एक अधिकारी ने बताया है कि आरएबी की एक टीम ने एक अभियान में नायब अली जोर्डर को उसके घर से गिरफ्तार किया। उन्हें हमले, तोड़फोड़ और आगजनी करने के आरोप में दर्ज दो अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्हें पुलिस को सौंपने की कानूनी प्रक्रिया चल रही है। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पांच अगस्त को इस्तीफा देकर देश छोड़ चुकी हैं। तब से बांग्लादेश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कई पूर्व मंत्रियों, सांसदों और तत्कालीन प्रधानमंत्री के सलाहकारों को गिरफ्तार किया है। नायब अली को शेख हसीना का करीबी माना जाता है।

व्यस्त कार्यक्रम के चलते न्यूयॉर्क में मोदी और ओली की मुलाकात होने की संभावना कम

एजेंसी

काठमांडू। अमेरिका भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री केपी शर्मा की भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात होने की संभावना काफी कम है।हालांकि, नेपाल ने क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर दोनों प्रधानमंत्रियों से इस मुलाकात के लिए काफी प्रयास किए लेकिन इसके बावजूद व्यस्त कार्यक्रमों के चलते बैठक की स्थिति नहीं बन पाई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जा रहे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने का औपचारिक आग्रह किया था। नेपाल के विदेश मंत्रालय, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास, नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास, भारतीय विदेश मंत्रालय और न्यूयॉर्क में रहे नेपाली स्थाई प्रतिनिधि के जरिए भी मोदी से मुलाकात का प्रयास किया जा रहा था। यूएन मुख्यालय में नेपाल के

स्थाई प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा के मुताबिक प्रधानमंत्री ओली और भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बीच मुलाकात की संभावना कम है। थापा ने नेपाल के विदेश मंत्रालय को बताया है कि भारत के प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में बहुत ही कम समय गुजारेंगे, इसलिए अब न्यूयॉर्क में साइडलाइन वार्ता के लिए समय निकाल पाना बहुत ही मुश्किल है।

थापा के मुताबिक भारतीय प्रधानमंत्री क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए सीधे वेलिंगटन जायेंगे और वहां से आकर सिर्फ एक दिन न्यूयॉर्क में रहेंगे। 21 सितंबर को वेलिंगटन में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद भारत के प्रधानमंत्री मोदी 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे। इसी दिन संयुक्त राष्ट्र की ओर से आयोजित फ्यूचर समिट को संबोधित करके वापस भारत चले जायेंगे। न्यूयॉर्क में भारत के स्थाई प्रतिनिधि से सुबह मुलाकात के बाद नेपाल के प्रतिनिधि लोक बहादुर थापा ने कहा कि समय अभाव और कार्य व्यस्तता के कारण ओली और मोदी की मुलाकात की संभावना लगभग नहीं है। उन्होंने कहा कि यूएन महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर करेंगे।

रूस ने ब्रिटेन के छह राजनयिकों को जासूसी के आरोप में निष्कासित किया

मॉस्को। ब्रिटेन के छह राजनयिकों को रूस ने अपने यहां से आज निष्कासित कर दिया। जासूसी और विध्वंसकारी गतिविधियों में लिप्त रहने का आरोप लगाते हुए यह कदम उठाया गया है। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी 'तास' की खबर में देश की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) के हवाले से यह जानकारी दी गई।

तास ने अपनी वेबसाइट में निष्कासित किए गए इन राजनयिकों के फोटो भी समाचार के साथ अपलोड किए हैं। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा के प्रेस कार्यालय ने कहा है कि मॉस्को में यूके दूतावास के छह राजनयिकों की खुफिया और विध्वंसक गतिविधियों में शामिल होने की वजह से मान्यता छीन ली गई है। प्रेस कार्यालय ने कहा है, उसे ऐसे दस्तावेज मिले हैं जो दर्शाते हैं कि इनका मुख्य उद्देश्य रूस को रणनीतिक हार दिलाना है। दस्तावेजों से साफ है कि रूस और कुछ देशों में विध्वंसक गतिविधियों का समन्वय करने वाली मुख्य इकाई ब्रिटेन के विदेश कार्यालय का पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया निदेशालय है।

इसे यूक्रेन में सैन्य अभियान की विशेष सेवा में बदल दिया गया है। ब्रिटेन का यह गैरदोस्ताना कदम है। ब्रिटेन के इन राजनयिकों की गतिविधियां रूस की सुरक्षा के लिए खतरा मानने का पर्याप्त आधार हैं। भविष्य में यूके राजनयिक मिशन के कर्मचारियों की इसी तरह की हरकत सामने आती है तो एफएसबी रूस में ब्रिटेन की व्यावसायिक गतिविधियों को समाप्त करने की मांग करेगा।

यूक्रेन संकट पर सभी पक्षों के साथ मिलकर काम कर रहा है चीन : जियाओदोंग

बीजिंग। चीन के उप विदेश मंत्री चेन जियाओदोंग ने बीजिंग में 11वें जियांगशान सुरक्षा फोरम में कहा कि चीन यूक्रेन संकट पर शांति वार्ता के लिए सभी पक्षों के साथ मिलकर काम कर रहा है। चेन ने कहा, चीन यूक्रेन संकट पर सभी पक्षों के साथ गंभीरता से बातचीत करना जारी रखेगा जिससे शत्रुता को रोकने और शांति वार्ता के लिए मार्ग प्रशस्त करने और एक संबंध का निर्माण करने के लिए आम सहमति बनाई जा सके। जियांगशान सुरक्षा फोरम का आयोजन 12-14 सितंबर को बीजिंग में किया जा रहा है। मंच पर रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप रक्षा मंत्री कर्नल जनरल अलेक्जेंडर फोमिन कर रहे हैं।

लेबनान में हुए इजरायली हमले में 1 मौत, 4 घायलः स्वास्थ्य मंत्रालय

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में एक इजरायली ड्रोन ने एक इमारत पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह जानकारी लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के आपातकालीन संचालन केंद्र ने एक बयान में दी। इसने कहा कि पश्चिमी बेका के दक्षिणी हिस्से में अहमदिया बस्ती में एक इजरायली ड्रोन ने एक इमारत पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अक्टूबर 2023 में इजरायल-फिलिस्तीन में शत्रुता शुरू करने के बाद इजरायल-लेबनानी सीमा पर स्थिति खराब हो गई। इजरायल रक्षा बल और हिजबुल्लाह लड़ाके सीमा के पास के क्षेत्रों में एक-दूसरे के ठिकानों पर लगभग रोजाना हमले कर रहे हैं।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को घेरा, दहशतगर्द दो साथियों को गोली मारकर भागे

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में डेरा गाजी खान-क्वेटा रोड पर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के जवानों से घिरे दो फितना अल-ख्वारिज आतंकवादियों को उनके साथियों ने गोली मार दी। साथियों की जान लेने के बाद भाग गए। सीटीडी के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

खबर के अनुसार, यह दोनों आतंकवादी मौके पर ढेर हो गए। सीटीडी ने आतंकियों के ठिकाने से एक हैंड ग्रेनेड और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। अन्य आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान चल रहा है। यह पहली बार नहीं है जब आतंकियों ने अपने ही किसी साथी की हत्या की हो। इससे पहले अगस्त में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के एक वांछित आतंकवादी को उसके ही साथी ने मार डाला था। सीटीडी ने मुल्क में आतंकवाद पर अंकुश लगाने के सरकार के प्रयासों के मद्देनजर राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी अभियान 'ऑपरेशन आजम-ए-इस्तेहकम' शुरू किया है।

उल्लेखनीय है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में आतंकी घटनाओं में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है।

अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत, जापान और जर्मनी को स्थायी सदस्यता देने का प्रबल पक्षधर

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा है कि भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। अमेरिका इसका लंबे समय से समर्थन कर रहा है। वह उसे फिर दुहरा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार संबंधी तीन प्रस्ताव पेश किए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वेबसाइट में लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड के इस प्रस्ताव का लिखित प्रारूप अपलोड किया गया है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन यहां 22 सितंबर को शुरू होगा। इसका आदर्श वाक्य 'बेहतर कल के लिए बहुपक्षीय समाधान' है। इस पर 24 से 30 सितंबर तक आम बहस होगी। परंपरागत रूप से बहस में पहला वक्ता ब्राजील 24 सितंबर को उच्चस्तरीय सत्र की शुरुआत करेगा। दूसरा वक्ता अमेरिका होगा। मौजूदा राष्ट्रपति बाइडेन संयुक्त राष्ट्र के मंच से सदस्य देशों के नेताओं

को अपने कार्यकाल का आखिरी संबोधन देंगे। वक्ताओं के संबंध में पहले कहा गया था कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 सितंबर को उच्चस्तरीय बहस में वक्तव्य देंगे। बाद में इसमें परिवर्तन किया गया कि उनके स्थान पर भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर 28 सितंबर को प्रस्तावित आम बहस में वक्तव्य दे सकते हैं। इन वैश्विक नेताओं के यहां पहुंचने से कुछ दिन पहले लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि अमेरिका अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यता देने के अलावा दो अफ्रीकी देशों को स्थायी सदस्य बनाने का भी समर्थन करता है। उन्होंने विदेश संबंध परिषद के कार्यक्रम में %बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र सुधार का भविष्य% विषय पर चर्चा के दौरान घोषणा की कि अमेरिका छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के लिए सुरक्षा परिषद में एक नई सीट के सृजन का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि जी-4 में ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान हैं। चारों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए एक-दूसरे के दावों का समर्थन करते हैं। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा, भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। अमेरिका परिषद में उसके शामिल होने का वास्तव में दृढ़ता से समर्थन करता है।मुझे लगता है कि भारत को सदस्यता देने से इनकार करने का कोई आधार नहीं है। मगर कतिपय लोग विभिन्न कारणों से विभिन्न देशों का विरोध करेंगे। हम आगे होने वाली बातचीत के दौरान इसपर भी बात करेंगे।

मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविच की हत्या, पति ने गला घोंटा

एजेंसी

बर्न (स्विट्जरलैंड)। मिस स्विट्जरलैंड की पूर्व फाइनलिस्ट और मॉडल क्रिस्टीना जोक्सिमोविच नहीं रहीं। उनके पति थॉमस ने उन्हें बेरहमी से मौत के घाट के उतार दिया। पहले गला घोंटा। इसके बाद शव के टुकड़े कर उन्हें मिक्सी में डालकर पीस दिया। यह खुलासा स्विट्जरलैंड पुलिस ने कई माह की लंबी जांच के बाद 48 घंटे पहले अदालत में किया। थॉमस जेल की सलाखों के पीछे है। थॉमस और क्रिस्टीना से दो संतान (पुत्रियां) हैं।

न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, 38 वर्षीय क्रिस्टीना जोक्सिमोविक स्विट्जरलैंड के बेसल शहर के पास बिनिंगेन में परिवार (पति और दो पुत्रियों) के साथ रहती थीं। 13 फरवरी को उनकी मौत हो जाने की सूचना

पुलिस को मिली। इसके बाद 41 वर्षीय उनके पति थॉमस से पूछताछ की गई। पहले तो इधर-उधर करता रहा। कड़ाई से पूछताछ में उसने गुनाह कुबूल कर लिया। उसे हिरासत में लेकर जांच शुरू की गई। 11 सितंबर को लुसाने में देश की संघीय अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष के इस हत्याकांड के तौर-तरीके सुनकर लोग सन्न रह गए। अदालत ने जमानत याचिका खारिज करते हुए लिखा कि ऐसा कोई मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति ही कर सकता है। क्रिस्टीना जोक्सिमोविच के बेजान शरीर को आरा, चाकू और बगीचे की कैंची से टुकड़े-टुकड़े किया गया। इसके बाद कुछ टुकड़ों को पीसकर उसमें रासायनिक घोल मिला दिया गया।

उल्लेखनीय है कि जोकसिमोविक मिस नॉर्थवेस्ट स्विट्जरलैंड रह चुकी हैं। उन्होंने 2007 में मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट जगह बनाई थी। इसके बाद उन्होंने कैटवॉक कोच के रूप में करियर शुरू किया। 2013 में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जयशंकर ने जिनेवा में भारत के स्थायी मिशन के नए भवन का किया उद्घाटन

एजेंसी

जिनेवा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और निरस्त्रीकरण सम्मेलन में भारत के स्थायी मिशनों के नए भवन का उद्घाटन किया। साथ ही भवन में हंसा मेहता हॉल का भी उद्घाटन किया।

श्री जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, नए भवन को समर्पित किया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और सीडी में भारत के स्थायी मिशन हैं। साथ ही जिनेवा में हमारा वाणिज्य दूतावास भी है। अत्याधुनिक सुविधा भारत के बढ़ते वैश्विक पदचिह्न और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ गहन जुड़ाव के अनुकूल है। उन्होंने जिनेवा में भारतीय संविधान के निर्माता भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, ÷जिनेवा में भारतीय संविधान के

निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सामाजिक न्याय, समानता और प्रगतिशील आधुनिकता के बारे में बाबासाहेब का दृष्टिकोण दुनिया के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

उत्तरी इराक में आईएस हमले में दो सैन्य अधिकारियों की मौत

एजेंसी

बगदाद। इराक के उत्तरी इलाके में स्थित किरकुक प्रांत में चरमपंथी इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में दो सैन्य अधिकारी मारे गए और अन्य तीन घायल हो गए। स्थानीय सुरक्षा सूत्र ने इस संबंध में जानकारी दी।

किरकुक पुलिस के सलाम अल-ओबैदी ने शिन्हुआ को बताया कि यह हमला सुबह हुआ जब आईएस आतंकवादियों ने डिबिस शहर के पास एक सैन्य गश्ती दल पर गोलीबारी की, जो कि प्रांतीय राजधानी किरकुक के उत्तर-पश्चिम में स्थित है और राजधानी बगदाद से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में है। अल-ओबैदी ने बताया कि हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक सैन्य वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया।

उन्होंने कहा कि इराकी सेना का एक दल घटनास्थल पर पहुंचा और हमलावरों की तलाश के लिए इलाके को घेरकर तलाशी अभियान चलाया है। इराकी सेना ने कहा कि उसने 29 अगस्त को पश्चिमी इराक के अनबर रेगिस्तान में आईएस के ठिकानों को निशाना बनाकर चलाए गए अभियान

में मारे गए 14 आतंकवादियों में कई वरिष्ठ आईएस नेताओं की पहचान की है। इराकी संयुक्त अभियान कमान से संबद्ध मीडिया आउटलेट सिक्योरिटी मीडिया सेल के एक बयान के अनुसार 14 शवों के डीएनए परीक्षण से पता चला है कि इराक में आईएस समूह के शीर्ष नेता के डिप्टी अहमद हामिद ज़्वैन उर्फ अबू सिद्दीक या अबू मुस्लिम और आईएस के लिए हथियार बनाने और विनिर्माण के प्रमुख अबू अली अल-तुनीसी भी पीड़ितों में शामिल थे। बयान में कहा गया है कि मृतकों में दक्षिणी क्षेत्र के नेता और अनबर प्रांत में इसके नेतृत्व श्रृंखला के स्थानीय नेता अबू हम्माम और कई अन्य सैन्य, संचार और वित्तीय अधिकारी भी शामिल हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि आईएस के बचे हुए आतंकवादी शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ इलाकों में घुस आए हैं और सुरक्षा बलों तथा नागरिकों के खिलाफ लगातार छापामार हमले कर रहे हैं।

पाकिस्तान में जहरीला दूध पीने से हुयी थी एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत

खैरपुर। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के खैरपुर में 19 अगस्त को एक ही परिवार के 13 लोगों की मौत जहरीला दूध पीने से हुयी थी। इस बात का खुलासा रासायनिक विश्लेषण से हुआ है। पाकिस्तान अखबार डॉन ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि रासायनिक प्रयोगशाला सुक्कुर (रोहड़ी) की रिपोर्ट में मृतकों के शरीर में नशीले पदार्थों और जहर की मौजूदगी की पुष्टि हुई। रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना खैरपुर के पीर गोथ के पास हैबत खान ब्रोही गांव में घटित हुयी। पुलिस ने कहा, पीड़ितों में गुल बेग ब्रोही, उनकी पत्नी, पांच पुत्र, तीन पुत्रियां और अन्य शामिल थे। रिपोर्टों में कहा गया है कि रासायनिक रिपोर्ट के अनुसार, किए गए परीक्षणों में कीटनाशक और बेंजोडायजेपाइन का पता चला है।डॉन की रिपोर्ट के अनुसार जांच की निगरानी कर रहे खैरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. समीउल्लाह सूमरो ने कहा, हम मेडिकल रिपोर्ट की गहन जांच कर रहे हैं, जिससे पुष्टि हुयी है कि पीड़ितों को जहर दिया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी झारखंड से आवास योजना के अंतर्गत घरों के आवंटन का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को झारखंड के जमशेदपुर से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत दो करोड़ नए घरों के आवंटन का शुभारंभ करेंगे। पीएम आवास योजना के अंतर्गत झारखंड के 20 हजार लाभार्थियों को इस दौरान स्वीकृति पत्र वितरित किए जायेंगे। इसके बाद सोमवार को गुजरात और मंगलवार को ओडिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत क्रमशः 31 हजार और 10 लाख हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित करेंगे। केन्द्रीय ग्रामीण आवास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुसा में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 सितंबर को झारखंड के जमशेदपुर से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2 करोड़ नए घरों के आवंटन का शुभारंभ करेंगे। साथ ही पीएम आवास योजना के अंतर्गत झारखंड के 20 हजार लाभार्थियों को स्वीकृति पत्रों का वितरण भी करेंगे। उन्होंने बताया कि 16 सितंबर को वे गुजरात जाएंगे। वहां प्रधानमंत्री आवास योजना के 31 हजार लाभार्थियों के खाते में लगभग ?93 करोड़ की राशि हस्तांतरित करेंगे और 35 हजार आवासों में गृह प्रवेश भी कराएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने माना- अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी वैधः बांसुरी स्वराज

नई दिल्ली। शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। इस जमानत पर आम आदमी पार्टी ने इसे सत्य की जीत बताया है। आम आदमी पार्टी के इस बयान पर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने हमला बोलते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल एक लापरवाह सरकार के लापरवाह सीएम हैं। इसके लिए सत्यमेव जयते का प्रयोग करना ही उचित नहीं है। बांसुरी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सशर्त जमानत मिली है, वो बरी नहीं हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आज आज सीबीआई मामले में यह पाया गया कि अरविंद केजरीवाल गिरफ्तारी वैध थी। इसका मतलब यह है कि जांच एजेंसी के पास पर्याप्त सबूत और पर्याप्त सामग्री थी, जिससे यह निष्कर्ष निकला कि अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना उचित था। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बांसुरी स्वराज ने कहा कि अगर जमानत की शर्तों को देखा जाए तो अरविंद केजरीवाल को किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर करने और सीएम कार्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में ईडी के आदेश को देखेंगे तो कोर्ट ने संकेत दिया था कि नैतिक आधार पर उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। भले ही आज सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है लेकिन अरविंद केजरीवाल सिर से पैर तक इस शराब घोटाले में लिप्त हैं। इसीलिए उन्हें सीएम कार्यालय में प्रवेश करने या किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया गया है। वह एक लापरवाह सरकार के लापरवाह सीएम हैं।

दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत में भारी बारिश की चेतावनी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी और देश के मध्य, उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भागों के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों के लिए भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गयी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने आज उत्तराखंड में अत्यधिक भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट और उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में बहुत भारी से भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, मौसम में यह बदलाव एक दबाव से प्रभावित है जो मध्य भारत में विकसित हुआ और उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ गया। आईएमडी ने बताया कि मध्य उत्तर प्रदेश पर बने दबाव के उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के भीतर धीरे-धीरे कमजोर होकर एक स्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने की उम्मीद है। आईएमडी ने अगले 24 घंटों के दौरान तटीय बंगलादेश और उससे सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने का अनुमान जताया है विभाग ने कहा, इसके बाद इसके धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 48 घंटों के दौरान तटीय पश्चिम बंगाल और इससे सटे उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर एक दबाव में केंद्रित होने के आसार हैं।

डॉ. स्वाति विजय कुलकर्णी को अल्जीरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डॉ. स्वाति विजय कुलकर्णी को अल्जीरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है।विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की 1995 बैच की अधिकारी डॉ. स्वाति विजय कुलकर्णी को पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अल्जीरिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान में विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हैं। उनके शीघ्र ही कार्यभार संभालने की उम्मीद है।

एक दिन के लिए भी स्वतंत्रता से वंचित करना बहुत ज्यादा: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मुकदमे में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को जमानत देते हुए 'जमानत नियम और जेल अपवाद' के सिद्धांत को दोहराया और कहा 'एक दिन के लिए भी स्वतंत्रता से वंचित करना बहुत ज्यादा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि जमानत देने की विधायी नीति तब विफल हो जाएगी, जब उचित समय पर मुकदमे के निपटारे की कोई संभावना नहीं होगी। इन टिप्पणियों के साथ पीठ ने श्री केजरीवाल को एकमत से जमानत तो दे दी, लेकिन अलग-अलग फैसले लिखे। न्यायमूर्ति भुइयां ने अपने फैसले कहा, '...जब तक दोष साबित न हो जाए, तब तक आरोपी निर्दोष होता है। यह न्यायालय बार-बार इस हितकारी सिद्धांत को दोहराता रहा कि जमानत नियम और जेल अपवाद है। सभी स्तरों पर अदालतों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुकदमे की प्रक्रिया और उसमें शामिल प्रक्रिया स्वयं सजा न बन

जाए। उन्होंने कहा कि एक दिन के लिए भी स्वतंत्रता से वंचित करना बहुत ज्यादा है, जबकि प्रवर्तन निदेशालय मामले के कड़े प्रावधानों में श्री केजरीवाल को जमानत (12 जुलाई को) दी गई थी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने लिखा, ÷देश में जमानत न्यायशास्त्र के विकास के मूल सिद्धांत को दोहराया जाता है कि जमानत का मुद्दा स्वतंत्रता और न्याय से जुड़ा है। जमानत का विकसित न्यायशास्त्र न्यायिक प्रक्रिया के प्रति संवेदनशील समाज का अभिन्न अंग है। मुकदमे के लंबित रहने तक आरोपी व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में रखना व्यक्तिगत स्वतंत्रता से अन्यायपूर्ण वंचना है। उन्होंने अपने फैसले में कहा, अदालतें हमेशा विचाराधीन कैदियों के प्रति लचीले दृष्टिकोण के साथ स्वतंत्रता की पक्षधर रहती हैं, जो कानून के शासन का अभिन्न अंग है। सिवाय इसके कि ऐसे व्यक्ति की रिहाई से सामाजिक आकांक्षाओं को नुकसान पहुंचने, मुकदमे को पटरी से उतारने या आपराधिक न्याय प्रणाली को नुकसान पहुंचाने की आशंका हो। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि प्राथमिकी 17 अगस्त, 2022 को दर्ज की गई थी और तब से एक आरोपपत्र, चार पूरक आरोपपत्र दायर किए गए और चौथा पूरक आरोपपत्र 29 जुलाई, 2024 को दायर किया गया था।उन्होंने कहा कि 17 आरोपियों के नाम दर्ज किए गए, 224 व्यक्तियों की पहचान गवाहों के रूप में की गई और भौतिक और डिजिटल दोनों तरह के दस्तावेज जमा किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन तथ्यों से पता चलता है कि निकट भविष्य में मुकदमे के निपटारे की संभावना नहीं है।खंडपीठ ने सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित करने के संबंध में सीबीआई की दलीलों को अस्वीकार कर दिया। सीबीआई ने दलील दी थी कि श्री केजरीवाल को जमानत दी जाती है तो वह सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

अब पोर्ट ब्लेयर का नाम श्री विजयपुरम होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति दिलाने की सरकार की मुहिम के तहत गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा , देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से प्रेरित होकर आज गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है। 'श्री विजयपुरम' नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है।÷

उन्होंने कहा कि इस द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है। चोल साम्राज्य में नौसेना अड्डे की भूमिका निभाने वाला यह द्वीप आज देश की सुरक्षा और विकास को गति देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह द्वीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा सबसे पहले तिरंगा फहराने से लेकर सेलुलर जेल में वीर सावरकर और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा माँ भारती की स्वाधीनता के लिए संघर्ष का स्थान भी है।

मिशन मौसम से 2026 तक मौसम, जलवायु के पूर्वानुमान उन्नत, अचूक होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) का कहना है कि 2000 के बजट के साथ लागू किए जा रहे मिशन मौसम से देश में मौसम और जलवायु के पूर्वानुमानों की प्रणालियां मजबूत तथा अचूक होंगी । राजधानी में पृथ्वी भवन में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के एक मीडिया कार्यक्रम में पृथ्वी विज्ञान सचिव डॉ. एम रविचद्रंन ने भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्रा और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) के प्रमुख डॉ. वी एस प्रसाद ने इस मिशन के बारे में जानकारी दी। सरकार ने मिशन मौसम के लिए दो वर्ष की अवधि में दो हजार करोड़ रुपये के परिव्यय का निर्णय लिया है। इसका लक्ष्य भारत को 'मौसम के लिए तैयार' और 'जलवायु स्मार्ट' बनाना है। इस मिशन का उद्देश्य देश में

मौसम और जलवायु निगरानी, मेधा, प्रतिमान और भविष्यवाणी में वृद्धि कर बेहतर, अधिक उपयोगी, अचूक और समय से सेवा प्रदान करना है। मंत्रालय का कहना है कि इससे जलवायु परिवर्तन और मौसम संबंधी घटनाओं के तीव्र प्रभावों से लोगों बचाने में मदद मिलेगी और समाज को परिस्थितियों का सामना करने में अधिक समक्षम बनाया जा सकेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव रविचद्रंन के अनुसार मिशन मौसम आकाशीय और सामयिक स्तर पर पूर्वानुमान तथा वायु गुणवत्ता आंकडों को उन्नत करने तथा लंबी अवधि में मौसम प्रबंधन को रणनीतिक बनाने में सहायक होगा।

कोयंबटूर के व्यापारी को लेकर सीतारमण के बयान पर भड़के राहुल-खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तमिलनाडु के व्यापारी के जीएसटी को लेकर सरकार से पूछे गए सवाल पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के भड़कने को उनका अहंकार बताया और कहा कि यदि सरकार से कोई सवाल पूछे तो उसका अपमान करके नहीं बल्कि आदर से जवाब दिया जाना चाहिए लेकिन मोदी सरकार के मंत्रियों को जनता का अपमान करने में सुख का एहसास होता है। श्री खड़गे ने कहा, गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए टैक्स टेरर और श्री मोदी के दोस्तों के लिए टैक्स में कटौती। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोयंबटूर में श्री अन्नपूर्णा रेस्तरां के मालिक, जो एक छोटे व्यवसायी हैं, सत्ता के अहंकार में उनको अपमानित किया है। श्रीमती सीतारमण पहले भी इसी तरह के सार्वजनिक बयान देती रही हैं। एक व्यवसायी ने त्रुटिपूर्ण जीएसटी के

बारे में सवाल पूछा तो पहले वित्त मंत्री ने उनकी हंसी उड़ाई और फिर उन्हें कैमरे पर माफी मांगने के लिए मजबूर किया। एमएसएमई और छोटे व्यवसाय के मालिको को त्रुटिपूर्ण जीएसटी और नोवटबंदी के रूप में बराबर मोदी सरकार के वित्तीय हमलों का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है लेकिन भाजपा केवल मोदी जी के करीबी मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कांग्रेस पहले दिन से कह रही है कि हमें आवश्यक वस्तुओं पर सरल, समान, मध्यम और तर्कसंगत जीएसटी की आवश्यकता है। हमने 2024 के घोषणापत्र में कहा कि कांग्रेस मौजूदा जीएसटी कानूनों को जीएसटी 2.0 से बदलेगी।

गृह मंत्री ने किया सातवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2024 का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां सातवें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2024 का उद्घाटन किया। दो दिन के इस सम्मेलन में उभर रही राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के समाधान पर राज्यों और सशस्त्र बलों के शीर्ष पुलिस अधिकारी मंथन करेंगे।

इस दौरान वार्षिक डीजी और आईजी सम्मेलन दौरान लिए गए निर्णय को जमीन पर उतराने के लिए राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की ओर से बनाए गए डैशबोर्ड लॉन्च किया गया। सम्मेलन से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन गुमनाम शहीदों की याद में बनाए गए शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए

गांधीनगर में चौथे रि-इन्वेस्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 सितंबर को करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्रीय नवीन व नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आयोजित चौथे रि-इन्वेस्ट ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी मीट एंड एक्सपो (रि-इन्वेस्ट) का 16 सिंतबर को उद्घाटन करेंगे। तीन दिवसीय यह कार्यक्रम गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय नवीन व नवीनीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा वित्त एवं ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई उपस्थित रहेंगे। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक इस समिट में 40 से अधिक सत्र, 5 प्लेनरी चर्चाएं और 115 से अधिक बिजनेस टु बिजनेस (बीटुबी)

मीटिंग्स का आयोजन होगा। इनमें 140 देशों के 25,000 प्रतिनिधि व 200 से अधिक वक्ता भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के सहयोगी देश हैं ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, जर्मनी तथा नॉर्वे, जबकि सहयोगी राज्यों में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं तेलंगाना शामिल हैं। यूएसए, यूके, बेल्जियम, यूरोपीय संघ, ओमान, यूएई, सिंगापुर तथा हांगकांग के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी इस समिट में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा; यह कार्यक्रम भारत तथा विश्वभर के अग्रणी वित्तीय संस्थानों, निवेशकों, स्टार्टअप्स एवं रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के महत्वपूर्ण व्यक्तियों को एक मंच पर लाएगा। 17 सितंबर को गुजरात के ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई रि-इन्वेस्ट 2024 समिट में मुख्य वक्तव्य देंगे। वे भारत के रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में गुजरात के नेतृत्व पर बल देंगे और पवन एवं सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार के लिए गुजरात की रणनीतियों की चर्चा करेंगे। देसाई देश के ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लक्ष्यों को समर्थन देने में गुजरात की भूमिका प्रस्तुत करेंगे। अंतिम दिन 18 सितंबर को आयोजित होने वाले सत्रों में वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन हासिल करने का भारत का लक्ष्य तथा रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने पर चर्चा की जाएगी। बायोएनर्जी, बैटरी एनर्जी स्टोरेज तथा हाइड्रोपावर पर भी अलग सत्रों का आयोजन किया गया है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति में समापन सत्र आयोजित होगा, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम व रात्रि भोजन के साथ इस समिट का समापन होगा।

नमो इम्पैक्ट कॉफी टेबिल बुक के अंग्रेजी संस्करण का विमोचन

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की 10 वर्षों की नीतियों पर आधारित नमो इम्पैक्ट कॉफी टेबिल बुक के अंग्रेजी संस्करण का यहां विमोचन किया गया।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित नमो इम्पैक्ट कॉफी टेबल बुक के अंग्रेजी संस्करण के विमोचन अवसर पर केंद्रीय आवास और शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि आज सारी दुनिया नरेंद्र मोदी सरकार की विकास और लोककल्याणकारी नीतियों की प्रशंसा कर रही है तथा इस सरकार के कार्यकाल में देश का लगातार कायाकल्प हो रहा है। विमोचन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में रायपुर से सांसद बृजमोहन अग्रवाल, असम और नागालैंड के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय जॉली, पूर्व विधायक एवं महाराजा अग्रसेन इंजीनियरिंग कॉलेज के संस्थापक डॉक्टर नंद किशोर गर्ग, समाजसेवी विनीत गुप्ता लोहिया, जगदीश गोयल , पुस्तक के लेखक अतुल सिंघल तथा नमो इम्पैक्ट टीम के संपादकीय सदस्य पंकज कुमार मौजूद रहे। पुस्तक की प्रस्तावना सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लिखी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नये भारत की उन्नत तस्वीर कॉफी टेबिल

बुक में प्रदर्शित की गयी है और यह पुस्तक आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम में असम के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य अंत्योदय है। इस पुस्तक में भी देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण की नीतियों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। वरिष्ठ भाजपा नेता विजय जौली ने कहा कि श्री मोदी दुनिया के 154 देशों की यात्रा भारत के राजनेता के तौर पर कर चुके है और यह कॉफी टेबल बुक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोदी सरकार के कार्यकाल की गौरवशाली नीतियों को लेकर जाने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं दुनियाभर में इस सरकार की जनोन्मुख नीतियों का विश्लेषण करने वाली इस बुक को लेकर जायेंगे। गौरतलब है कि लेखक अतुल सिंघल सांसद नरेश बंसल के साथ कॉफी टेबल बुक के हिंदी संस्करण की प्रति पहले ही प्रधानमंत्री को भेंट कर चुके हैं। इस अवसर पर श्री बंसल ने कहा कि कॉफी टेबिल बुक के हिंदी संस्करण को बहुत सफलता मिली है। जिसकी भूरी भूरी प्रशंसा स्वयं प्रधानमंत्री ने की है। लेखक सिंघल ने बताया कि श्री मोदी देश के गरीबों के कल्याण और विकास की जिन योजनाओं पर काम कर रहे हैं, उन सभी प्रमुख योजनाओं को इस कॉफी टेबल बुक में शामिल किया गया है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अहम कदम: प्रतापराव जाधव

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने आयुष भवन में औषधीय गुण वाले अमृतफल आंवला का पौधरोपण अपनी मां के नाम पर किया।

इस मौके पर प्रताप राव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान वैश्विक अभियान का स्वरूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अहम कदम है। उन्होंने देश भर के जन मानस से इस अभियान का हिस्सा बनने का अपील की। प्रताप राव जाधव ने अभियान के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अहम कदम है। इस अभियान के ज़रिए लोगों को मां के प्रति अपना स्नेह जताने का मौका मिला है। यह अभियान माताओं और मातृभूमि के प्रति सम्मान व्यक्त करने का तरीका है। इस अभियान से जुड़कर लोगों को अपनी मां और धरती मां दोनों के लिए कुछ विशेष कर पाने का एहसास होगा।

वरिष्ठ पत्रकार उमेश उपाध्याय को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली । वरिष्ठ पत्रकार उमेश उपाध्याय की सिविक सेंटर के केदारनाथ साहनी सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में राजनीति से लेकर समाजसेवा और मीडिया जगत के लोगों ने पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को सांत्वना दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने उमेश उपाध्याय के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा कि साल 2018 से उनका प्रत्यक्ष तौर पर परिचय हुआ था। उनकी देश-दुनिया के विषयों पर गहरी समझ और पकड़ थी। वे ऐसे इंसान थे, जो कर्मठ होने के साथ लोगों की चिंता भी करते थे। कुछ लोग पद पर पहुंचने के बाद समाज को योगदान नहीं करते लेकिन उमेश उपाध्याय ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने जीवनभर समाज को योगदान दिया। उनकी किताब के बारे में बताते हुए अरुण कुमार ने कहा कि वर्ष 1920 से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक के समय विश्व का भारत के संबंध में क्या नैरेटिव है, इस पर उनकी पुस्तक बहुत गहन जानकारी देती है। उनकी कुछ पुस्तक का कार्य पूरा हो गया लेकिन विमोचन नहीं हुआ है। हमें उनके शेष कार्यों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि उमेश उपाध्याय ऐसे व्यक्ति थे जो पद और प्रतिष्ठा के बिना लालच के कार्य करते थे। जो उचित लगता था उसे बोलने में वह हिचकते नहीं थे। जो उनके संपर्क में आता था, उसे वह अपना बना लेते थे।इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि जो काम उमेश उपाध्याय हाथ में लेते थे, वह उसके लिए पूरा अध्ययन करते थे और फिर उसे पूरी लगन से करते थे। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उमेश उपाध्याय के साथ 1980 के दशक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के तौर मिलने के संस्मरण बताए। उन्होंने कहा कि जेएनयू में एबीवीपी का काम खड़ा करने में उमेश उपाध्याय ने बहुत अहम भूमिका अदा की थी।उन्होंने कहा कि उमेश उपाध्याय का जाना अविश्वनीय है। उमेश उपाध्याय ने सारी जिदंगी एक राष्ट्रभक्त के रूप में जो भी जिम्मेदारी आई, उसे जी भर कर निभाया। संपूर्णता से जीवन कैसे जीते हैं, उनसे सीखा जा सकता है। वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने

कहा कि एबीवीपी में एआरएसडी कालेज में जब उमेश उपाध्याय चुनाव लड़ रहे थे तब से उनका परिचय उनसे था। वह आयु में छोटे थे। दुनिया का सबसे कठिन कार्य अपने से छोटों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के सीएम डा. मोहन यादव, रिलायंस समूह प्रमुख मुकेश अंबानी व नीता अंबानी समेत अन्य लोगों ने शोक संदेश भेजकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

नर्स हत्याकांड मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मौलाना मदनी ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली । जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद दनी ने उत्तराखंड के रुद्रपुर के नर्स हत्याकांड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जो काम सरकार का हुआ करता था, यानी न्याय देना, वह काम अब अदालतें कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आज उत्तराखंड के रुद्रपुर की मुस्लिम नर्स की हत्या के मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। इस पर जमीअत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि यह दुखद है कि तसलीम जहां को न्याय दिलाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। हालांकि, कलकत्ता में हुई घटना बेहद दुखद और

क्रूरतापूर्ण है। इसके विरोध में देशभर में डॉक्टर हड़ताल पर चले गए और मीडिया ने इस मामले पर कई दिनों तक बहस की लेकिन तस्लीम जहां के मामले में हर तरफ से चुप्पी थी और किसी ने भी इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई।

मौलाना मदनी ने सवाल किया कि क्या देश में धर्म के आधार पर न्याय किया जाएगा? उन्होंने कहा कि अगर कानून के अनुसार न्याय मिल गया होता तो शायद जमीअत उलेमा हिंद को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाना पड़ता। मौलाना अरशद मदनी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को समझते हुए उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी किया है।

जिला की छह विधानसभाओं में नामांकन छंटनी के बाद 61 उम्मीदवार

एजेंसी

सोनीपत। जिला में विधानसभा आम चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए जरनल ऑब्जर्वर शिवानंद कपाशी, तपश रॉय तथा प्रकाश बाबूराव खापले व जिला की सभी छः विधानसभाओं के रिटर्निंग अधिकारियों की उपस्थित में उम्मीदवारों के भरे गए नामांकनों की छटनी के 61 उम्मीदवार बचे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि छटनी प्रक्रिया के बाद 28-गन्नौर विधानसभा से 12, 29-राई विधानसभा से 15, 30-खरखौदा विधानसभा से 11, 31-सोनीपत विधानसभा से 13, 32-गोहाना विधानसभा से 14 तथा 33-बरोदा विधानसभा से 07 उम्मीदवार बच गए है। उन्होंने बताया कि अगर छटनी प्रक्रिया के बाद बच्चे उम्मीदवारों में से अगर किसी उम्मीदवार को अपना नामांकन वापिस लेना है तो वह 16 सितंबर को ले सकता हैं। गन्नौर विधानसभा से भरे गए 15 नामांकनों में 12 नामांकनोंको स्वीकार तथा 03 रिजेक्ट हुए हैं। स्वीकार किए गए 12में जननायक जनता पार्टी से अनिल कुमार, इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी से कुलदीप शर्मा, भाजपा से देवेन्द्र कौशिक, बहुजन समाज पार्टी से रामचंद्र, आम आदमी पार्टी से सरोजबाला तथा निर्दलीय उम्मीदवार अंकुर कौशिक, कविता, तकदीर, देवेन्द्र, बृजेश रानी, रामकुमार तथा राममेहर सिंह शामिल हैं।

प्रत्याशियों के खर्च पर रखी जाए कड़ी नजरः श्रवण कुमार बंसल

गुरुग्राम। विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर बादशाहपुर व पटौदी विधानसभा क्षेत्र के लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक श्रवण कुमार बंसल ने बादशाहपुर विधानसभा स्तरीय निर्वाचन व्यय मोनिटरिंग सेल के दलों के साथ बैठक की। संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बादशाहपुर के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंकित चौकसी भी मौजूद रहे। इस दौरान व्यय पर्यवेक्षक श्रवण कुमार बंसल की ओर से एफएसटी, एसएसटी, वीवीटी, वीएसटी व अकाउंटिंग टीम के कार्यों का निरीक्षण कर प्रभावी रूप से कार्य करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान व्यय पर्यवेक्षक ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। जिसमें 40 लाख रुपये की अधिकतम खर्च सीमा लागू करके सभी चुनाव लडने् वाले उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किया गया है। बंसल ने टीमों से उचित आचरण सुनिश्चित करने के लिए जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों से पूरी तरह परिचित होने का आग्रह किया।

तेज गति से विकास कार्य करवाना ही हमारा संकल्पः डॉ. कमल गुप्ता

हिसार। भाजपा उम्मीदवार डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि पिछले दस वर्षों में हमने विकास कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ी। अगले पांच वर्षों में और भी तेज गति से विकास कार्य किए जाएंगे, यह हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्षी दलों की तरह जातिवाद या क्षेत्रवाद के नाम पर वोट नहीं मांगती। सबका साथ-सबका विकास ही पार्टी का मूलमंत्र है।डॉ. कमल गुप्ता अपने जनसंपर्क अभियान के तहत शहर में प्रीतपाल सर्राफ, राजेंद्र गावड़िया, महाबीर प्रसाद महीपाल, राजबीर खटाणा, डॉक्टर विमल जैन, डॉक्टर सुरेंद्र गुप्ता, डॉक्टर इंद्र सैन गुप्ता व अमन बतरा के आवास पर जनसंपर्क कर रहे थे। उन्होंने नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारों में युवा सरकारी नौकरी पाने की जुगाड़ में रहता था। नौकरी पाने के चक्कर में या तो अपनी जमीन बेच देता था या फिर उसे गिरवी रख देते थे। लेकिन भाजपा सरकार में ऐसा नहीं करना पड़ता। नौकरी पाने के लिए उसे पैसा या पर्ची की आवश्यकता नहीं है। तबादलों के लिए अब सफेदपोश दलालों की भी आवश्यकता नहीं है। तबादले ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए ग्रुप सी व डी की भर्तियों में इंटरव्यू प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है।

उपायुक्त ने मतदाता जागरूकता गीतों का किया विमोचन

रेवाड़ी। जिला के गांव खरखड़ा स्थित राजकीय महाविद्यालय में सुव्यवस्थित मतदाता, शिक्षा एवं भागीदारी (स्वीप) के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें साहित्यकार सत्यवीर नाहडिय़ा द्वारा रचित गीत का विमोचन शुक्रवार को उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने किया। इस मौके पर एडीसी अनुपमा अंजलि भी मौजूद रही। विधानसभा आम चुनाव में मतदाताओं का ध्यान अपनी ओर केंद्रित करने के उद्देश्य से तैयार साहित्यकार सत्यवीर नाहडिय़ा द्वारा रचित गीत 'पांच बरस में आवै सै यो वोटां का त्यौहार दिखै.एक बोट तै जीत हुवै और एक तै होजा हार दिखै...' व प्रवक्ता सुधीर यादव द्वारा रचित मतदाता जागरूकता गीत 'आओ सब मतदान करें, जनमत का सम्मान करें..' मनोज कौशिक द्वारा रचित गीतों का विमोचन भी किया। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने कहा कि यह गीत मतदाताओं को जागरूक करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद द्वारा मनाए जा रहे हिंदी सप्ताह के अंतर्गत उपायुक्त ने बाबू बालमुकुंद साहित्य का लोकार्पण भी किया गया।

हरियाणा चुनाव के लिए भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

पीएम मोदी, नड्डा, शाह, राजनाथ और गडकरी सहित 40 नेताओं के नाम

एजेंसी

चंडीगढ़ । भाजपा ने हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान ,पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, हरदीप सिंह पुरी, राव इंद्रजीत सिंह और कृष्णपाल गुर्जर सहित कई केंद्रीय मंत्रियों को इस लिस्ट में शामिल किया गया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को भी

भाजपा ने स्टार प्रचारक बनाया है। पार्टी ने राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, स्मृति ईरानी एवं संजीव बालियान, राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया, हिमाचल प्रदेश के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर, त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब कुमार देब, सतीश पुनिया, सुरेंद्र सिंह नागर, सुधा यादव, किरण चौधरी, मनोज तिवारी, नवीन जिंदल, अशोक तंवर, कुलदीप बिश्नोई, फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद हेमा मालिनी और महिला पहलवान बबीता फोगाट को भी 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया है।

हरियाणा में कांग्रेस बाप-बेटे की पार्टी बनकर रह गई : किरण चौधरी

एजेंसी

भिवानी। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, सियासी तपिश बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, इन सब के बीच कांग्रेस में टिकटों के बंटवारे को लेकर हाहाकार मचा हुआ है, जिस पर भाजपा की राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने प्रतिक्रिया दी।

किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस में एक दूसरे के जूतम-जुत, लट्ठम-लट्ठ हो रहे हैं। तमाम लोगों ने देखा कि आखिरी समय तक इनकी टिकट ही नहीं बंट पाई। कांग्रेस नेताओं ने अपने स्वार्थ की राजनीति की है, जिसके कारण हरियाणा में पार्टी पूरी तरह से खत्म हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने नेताओं को खत्म कर दिया है। अपनी ही नेताओं को खत्म करने वाली पार्टी आगे कैसे बढ़ेगी? हरियाणा में कांग्रेस बाप-बेटे की पार्टी बनकर रह गई है। स्वार्थ की राजनीति करने वाले दूसरे को कैसे बढ़ने देंगे। कई ऐसे लोग हैं, जो सालों से इनके साथ लगे हुए थे, उन्हें टिकट देने का वादा किया गया था, लेकिन उनके साथ धोखा किया

गया। उन्होंने कहा कि मैंने राम किशन फौजी का वह बयान भी सुना कि तू जा और तैयारी कर, तेरा टिकट पक्का है। राम किशन फौजी का कहना है कि उन्होंने बंसीलाल का घर छोड़ा और कांग्रेस में शामिल हुए, मुझे टिकट देने का वादा किया गया लेकिन, पार्टी ने मेरे साथ वादाखिलाफी किया। किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस में क्षेत्रवाद हावी है। भिवानी को पाकिस्तान माना जाता था। कांग्रेस ने भिवानी के विकास को नजरअंदाज किया और सारा ध्यान रोहतक पर केंद्रित किया था। पार्टी में झूठ और स्वार्थ की राजनीति हावी होने की वजह से पार्टी के नेता एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा में नई सरकार के गठन के लिए प्रदेश की सभी 90 सीटों पर 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे।

केजरीवाल को जमानत देना आरोपों से मुक्त होना नहीं, पहले वो जेल में थे, अब वो बेल पर हैं - अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस में बगावत व कई कांग्रेस नेताओं के आजाद नामांकन भरने पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस कोई पार्टी नहीं बल्कि कई धड़ों का ग्रुप है, सभी अपने-अपने धड़ों के लिए पैरवी कर रहे थे जिन्हें टिकट नहीं दिलवा सके उन्हें आजाद खड़ा कर दिया गया।

पूर्व मंत्री अनिल विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने पर पूर्व मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि जमानत देना आरोपों से मुक्त होना नहीं है, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी है लेकिन बंधन अभी भी उनके ऊपर है। फर्क इतना है की पहले वो जेल में थे अब वो बेल पर है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी ने इस्तीफे की बात कही है जिसपर तंज कसते हुए हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा की बयान देना अच्छी बात नहीं है, सारा देश देख रहा है वो प्रदेश को संभालने में पूरी तरह फेल हो गई है, उन्हें ये मानना चाहिए और बयान देने की बजाए त्याग पत्र देना चाहिए। 1984 मामले में आज अहम दिन है और जगदीश टाइटलर पर चार्ज फ्रेम करने को लेकर आज सुनवाई भी है जिसे लेकर हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा की अल्पबत्ता हादसा बहुत बड़ा हुआ था और बहुत लोग मारे गए थे। तब कांग्रेस नेता राजीव गांधी ने उस वक्त कहा था कि जब पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है, ऐसी मानसिकता वाले कांग्रेस के लोग है जिन्होंने बेकसूर सिखों को मारा, अब देखते है कोर्ट क्या फैला लेगी ये देखें वाली बात है। वहीं, गणेश पूजा के लिए प्रधानमंत्री के चीफ जस्टिस के घर जाने के सवाल पर पूर्व मंत्री अनिल विज ने कहा की सवाल घर जाने पर नहीं बल्कि प्रश्न गणेश पूजा पर उठाए जा रहे है, घर तो दूसरे लोग भी जाते है दूसरे प्रधानमंत्री भी पूजा में जाया करते थे लेकिन एक वर्ग राजनीतिज्ञों का लगातार एक धर्म विशेष वालों पर हमला करने का इनका एजेंडा है।

बीजेपी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री कर्ण देव कंबोज कांग्रेस में हुए शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। बीजेपी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री कर्ण देव कंबोज कांग्रेस में शामिल हो गए। उनके साथ करीब 200 बीजेपी के

पदाधिकारियों, सरपंचों, पूर्व सरपचों और ब्लॉक समिति सदस्यों के साथ सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस ज्वाइन की। साथ ही आम आदमी पार्टी के भी दर्जनभर पदाधिकारियों ने भी आज कांग्रेस का का दामन थामा है। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान के नेतृत्व में सभी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। दोनों नेताओं ने कर्ण देव कंबोज, उनके साथियों और आप पार्टी से आए नेताओं का कांग्रेस में स्वागत किया और पूर्ण मान-सम्मान का भरोसा दिलाया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आप सभी लोगों ने सही समय पर सही फैसला लिया है। अपने फैसले व नीतियों से बीजेपी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह पूर्ण रूप से एससी और ओबीसी विरोधी मानसिकता की शिकार है। इसीलिए उसके सबसे बड़े ओबीसी नेता को पार्टी छोड़नी पड़ी। कर्ण देव कंबोज, उनके साथियों व नए सहयोगियों के कांग्रेस में आने से बीजेपी के विरुद्ध चल रही बदलाव की मजबूत होगी। सभी मिलकर एक ऐसी सरकार बनाएंगे जो 36 बिरादरी व हर वर्ग का सम्मान करेगी और विकास के मामले में हरियाणा को देश का नंबर वन राज्य बनाएगी। चौधरी उदयभान ने भी कहा कि कर्ण देव कंबोज जैसे साथियों के कांग्रेस में आने से अबकी बार पूरे हरियाणा के साथ के साथ जीटी रोड बेल्ट में भी बीजेपी का सूपड़ा साफ होना तय हो गया है। कर्ण देव कंबोज ने कहा कि बीजेपी जनता ही नहीं बल्कि खुद के नेता व कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं करती।

भाजपा को प्रदेश से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए जनता तैयार : दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि आज इंडियन नेशनल लोकदल की विचारधारा केवल भाजपा को ताकत देने वाली ही रह गई है, क्योंकि इस चुनाव में भाजपा और इनेलो का गठजोड़ साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी-इनेलो ने उम्मीदवारों का चयन एक-दूसरे को फायदा पहुंचाने के इरादे से किया है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा ने सिरसा में कमजोर उम्मीदवार उतारे है और उसके बदले में इनलो पूरे प्रदेश में भाजपा की मदद कर रही है। दुष्यंत चौटाला उचाना में चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इनेलो पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की विचारधारा को कमजोर में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि इनेलो नेता पहले

कहते थे कि मुख्यमंत्री उम्मीदवार उचाना से होगा, लेकिन इनेलो मैदान छोड़कर भाग गई। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि उन्हें यह भी लग रहा है कि इनेलो 25 सितंबर को जननायक चौधरी देवीलाल के जन्मदिन के अवसर पर सम्मान दिवस रैली उचाना में नहीं करेगी।

पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कांग्रेस की टिकट वितरण के बाद कांग्रेस से जुड़े कई पूर्व मंत्री और विधायक आजाद उम्मीदवार के तौर पर अपना पर्चा भर चुके है, जो कि दर्शाता है कि भाजपा से ज्यादा कांग्रेस में आंतरिक कलह है। दुष्यंत चौटाला ने यह भी कहा कि आज प्रदेश की जनता भाजपा सरकार को हरियाणा से बाहर का रास्ता दिखाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में त्रिकोणीय मुकाबले के पूरे आसार दिख रहे है और इसमें जेजेपी की चाबी विधानसभा का ताला खोलने का काम करेगी। एक अन्य सवाल के जवाब में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कांग्रेस ने पूर्व मंत्री बीरेंद्र सिंह को अपने स्टार प्रचारकों में भी शामिल नहीं किया, इसलिए अब वे अपने बेटे का चुनाव संभाले। उचाना कलां से जेजेपी-एएसपी गठबंधन के प्रत्याशी दुष्यंत चौटाला ने विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से वोट की अपील की। ग्रामीणों द्वारा दुष्यंत चौटाला का जोरदार स्वागत किया गया।

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर टेलीग्राम टास्क के जरिए 11 लाख से ज्यादा ठगे

हिसार। पार्ट टाइम जॉब के नाम पर टेलीग्राम टास्क के जरिए 11 लाख से अधिक की धोखाधड़ी मामले में साइबर थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें राजस्थान के पाली जिले के रोहाट निवासी अर्जुन, अमजीत और नीमका थाना निवासी संजय उर्फ कार्तिक शामिल है। अदालत में पेश किए जाने पर आगामी जांच के लिए उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया। मामले के जांच अधिकारी उप निरीक्षक विकास ने बताया कि पकड़े गए तीनों आरोपी कमीशन पर काम करते हैं। इनमे संजय उर्फ कार्तिक ठगी गई राशि के लिए बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाता था और अर्जुन और अमजीत उस राशि को यूएसडीटी में कन्वर्ट कर आगे भेजते थे। इस संबंध में गत 30 जून को एनसीसीआरपी पोर्टल के माध्यम से साइबर थाना में टेलीग्राम टास्क के जरिए 11 लाख 33 हजार 435 रुपए की ठगी बारे एक शिकायत प्राप्त हुई। इसमें शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि वह प्राइवेट जॉब करती है।

धारूहेड़ा में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्चे

रेवाड़ी। जिले के धारूहेड़ा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस व सीआरपीएफ के जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला। उच्च पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस बल ने आम नागरिकों को भयमुक्त मतदान करने की अपील की । फ्लैग मार्च बस स्टेंड से शुरू होकर कापड़ीवास, भिवाड़ी मोड़, सोहना रोड, भगत सिंह चौक, नंदरामपुर बास रोड, विपुल गार्डन, कमला कलोनी, खरखडा व राजपुरा में निकाला गया। एसपी गौरव राजपुरोहित ने बताया कि 5 अक्टूबर को प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। चुनाव घोषणा उपरांत हरियाणा निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू है। रेवाड़ी में विधानसभा चुना-.2024 को शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष करवाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीमों ने धारूहेड़ा एरिया में फ्लैग मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि मतदाता पूरी निडरता के साथ अपने विवेक व स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चाहे शहर हो या फिर देहात, जहां भी मतदान केन्द्र हैं, वहां पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जा रहें हैं।

5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 1561 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि 5 अक्तूबर को हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटों पर होने वाले आम चुनाव के लिए 1561 प्रत्याशियों ने 1747 नामांकन पत्र भरे, जिनकी समीक्षा की गई है। सोमवार 16 सितम्बर तक नामांकन वापिस लिए जा सकते है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में मतदान 5 अक्टूबर तथा मतगणना 8 अक्टूबर, 2024 को होगी और चुनाव परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिए जाऐंगे। उन्होंने बताया कि सभी राजनीतिक दलों व निर्दलीयों को मिलाकर कुल 1561 उम्मीदवारों ने 1747 नामांकन पत्र भरे हैं। इनमें भिवानी विधानसभा क्षेत्र से सर्वाधिक 31 उम्मीदवारों तथा नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र से सबसे कम 9 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है।

उन्होंने बताया कि कालका व पंचकूला विधानसभा क्षेत्र से 14-14, नारायणगढ़ में 15, अम्बाला कैंट में 16, अम्बाला शहर व मुलाना (आरक्षित) से 15-15, सढ़ौरा (आरक्षित) से 11, जगाधरी व

यमुनानगर से 16-16, रादौर से 13, लाडवा से 24, शाहबाद (आरक्षित) से 17, थानेसर से 14, पेहवा से 17, गुहला (आरक्षित) से 20, कलायत से 23, कैथल से 16 और पुंडरी से 28 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा। इसी प्रकार, नीलोखेड़ी (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से 23, इंद्री से 10, करनाल से 17, घरौंडा से 12, असंध से 22, पानीपत ग्रामीण से 16, पानीपत शहरी से 17, इसराना (आरक्षित) से 13, समालखा से 12, गन्नौर से 15, राई से 18, खरखौदा (आरक्षित) से 15, सोनीपत से 16, गोहाना से 18, बरौदा से 11, जुलाना से 16, सफीदों से 22, जींद से 21, उचाना कलां से 30 और नरवाना (आरक्षित) से 18 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा हैं। पंकज अग्रवाल ने बताया कि टोहाना विधानसभा क्षेत्र से 17, फतेहाबाद से 27, रतिया (आरक्षित) से 18, कालांवाली (आरक्षित) से 12, डबवाली से 20, रानियां से 23, सिरसा से 18, ऐलनाबाद से 14, आदमपुर से 18, उकलाना (आरक्षित) से 11, नारनौंद से 25, हांसी से 23, बरवाला से 14, हिसार से 26, नलवा से 25, लोहारू से 18, बाढड़ा से 19, दादरी से 23, तोशाम से 22 और बवानी खेडा (आरक्षित) से 19 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि महम विधानसभा क्षेत्र से 24, गढी-सांपला- कलोई से 12, रोहतक से 21, कलानौर (आरक्षित) से 15, बहादुरगढ़ से 19, बादली से 10, झज्जर (आरक्षित) से 13, बेरी से 15, अटेली से 14, महेंद्रगढ़ से 21, नारनौल से 17, बावल आरक्षित से 13, कोसली से 23, रेवाड़ी से 17, पटौदी (आरक्षित) से 12, बादशाहपुर से 19, गुडगांव व सोहना से 24-24, नूंह से 11, फिरोजपुर झिरका से 13, पुन्हाना से 11, हथीन से 13, होडल (आरक्षित) से 18, पलवल से 16, पृथला से 19, फरीदाबाद एनआईटी से 16, बडखल से 15, बल्लभगढ़ से 11, फरीदाबाद से 12 तथा तिगांव से 15 उम्मीवारों ने अपने-अपने नामांकन भरे है। पंकज अग्रवाल ने बताया कि जिन उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ने के लिए नामांकन भरा है वे उम्मीदवार 16 सितम्बर, 2024 तक अपना नामांकन वापिस ले सकते है। उसके बाद प्रदेश की 90 विधानसभा क्षेत्रों से लड़ने वाले उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी कर दी जाएगी। और उसी दिन सम्बंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा चुनाव चिन्ह आवंटित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा विधानसभा आम चुनाव-2014 में 1351 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में यह संख्या 961 उम्मीदवारों की थी।

कांग्रेस का प्रत्याशी 5 साल बाद प्रकट हुआ है, जनता कांग्रेस को कोई रिस्पांस देने वाली नहीं : ज्ञानचंद गुप्ता

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं भाजपा प्रत्याशी ज्ञानचंद गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुरूक्षेत्र में होने वाली रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। पीएम मोदी की रैली के अंदर पंचकूला से हजारों कार्यकर्ता कुरूक्षेत्र जाएंगे। गुप्ता ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरूक्षेत्र की पावन धरा से प्रधानमंत्री मोदी विजय का शंखनाद करेंगे और हरियाणा में तीसरी बार मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। गुप्ता ने पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया और अपने चुनावी अभियान के बारे में भी खुलकर बोले। प्रेसवार्ता के दौरान ज्ञानचंद गुप्ता के साथ जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, प्रदेश मीडिया सह प्रमुख नवीन गर्ग, ओम प्रकाश देवीनगर, जिला उपाध्यक्ष उमेश सूद, विधानसभा प्रभारी धर्मपाल राणा, रंजीता मेहता, प्रमोद सिंगला भी उपस्थित रहे। ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर लगातार चुनाव जीत रही है। पंचकूला में दो दिन बड़े कार्यक्रम होंगे जिनके तहत हम सभी लोग घर-घर जाएंगे। रविवार को पार्टी के 5 हजार कार्यकर्ता छोटी-छोटी टोली बनाकर हर बूथ पर जनसंपर्क करेगा और लोगों को मोदी व

हरियाणा भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताई जाएंगी। ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि महाजनसंपर्क अभियान सुबह 8 बजे शुरू होगा और सायं 7 बजे तक चलेगा। उन्होंने कहा कि पंचकूला में 230 बूथ हैं, हर बूथ पर 25 कार्यकर्ता छोटी-छोटी टोलियां बनाकर भाजपा की नीतियों का प्रचार करेंगे और जनता को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। हम हर गली, हर गांव व शहर में जाएंगे और लोगों को बीजेपी से जोड़ेंगे। ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि 16 सितंबर को व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है, इसलिए व्यापारी वर्ग भी भाजपा के साथ है। पत्रकार के एक सवाल पर ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी दोनों ही पार्टियां भ्रष्टाचार की दलदल में धंसी हुई है। हरियाणा में इन दोनों पार्टियों का समझौता टूटने से निश्चित तौर पर कांग्रेस को नुकसान होगा।

भिवानी पहुंचे केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

एजेंसी

भिवानी। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भिवानी के कोट गांव में अपने ओएसडी मीर सिंह की माता के निधन पर शोक व्यक्त करने के बाद पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय साझा की।

अठावले ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह विदेश जाकर विवादास्पद बयान देते हैं। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान को लेकर कहा कि अगर कांग्रेस और राहुल गांधी ने कभी आदिवासियों के आरक्षण में कोई छेड़छाड़ की, तो उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा। अठावले ने कहा कि आरपीआई पार्टी ने हरियाणा में एनडीए के साथ गठबंधन में 10 से 15 सीटों की मांग की थी, लेकिन प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली ने उनसे समर्थन मांगा। इसके बाद, आरपीआई ने अपना कोई कैंडिडेट नहीं उतारा और भाजपा का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा में बीजेपी दो बार सरकार में आई है और तीसरी बार भी वही होगा। अठावले ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के पुनः लागू होने की संभावनाओं पर बात करते हुए कहा कि कांग्रेस को इस मामले में कोई अधिकार नहीं है और उनकी पार्टी की स्थिति मजबूत है। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर में 8 से 10 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, बाकी सीटों पर बीजेपी का समर्थन कर रही है। अठावले ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब उसने धारा 370 हटाने का निर्णय नहीं लिया और अब भी कांग्रेस सत्ता से बाहर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरोपों को गलत बताते हुए अठावले ने कहा कि किसी को जेल में नहीं डाला गया है और जांच एजेंसी अपना काम कर रही है। अठावले ने यह भी कहा कि राहुल गांधी विवादित बयान देने में माहिर हैं और विदेश में जाकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं जो उन्हें शोभा नहीं देतीं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी आदिवासियों के आरक्षण को लेकर कोई भी विवादित बयान देंगे, तो इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा।

खाद्य विभाग, एफसीआई ने खाद्यान्न खरीद प्रणाली और वितरण में सुधार के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता खाद्यान्न की खरीद और वितरण प्रणाली में सुधार के लिए किया गया है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरणमंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि डीएफपीडी और एफसीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य खाद्यान्न खरीद और वितरण की दक्षता और जवाबदेही को बढ़ाना है। मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन एक ऐसी पहल है जो सार्वजनिक वितरण

प्रणाली (पीडीएस) को बेहतर बनाने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि खाद्य सब्सिडी निधि का प्रबंधन उच्चतम स्तर की दक्षता के साथ किया जाए, जिसके लिए एफसीआई संचालन और उसके डिपो के प्रदर्शन में समग्र वृद्धि की जानी है। इस समझौता ज्ञापन में विशिष्ट प्रदर्शन मानक (एफसीआई डिपो के प्रदर्शन मानक सहित) और जवाबदेही उपायों की रूपरेखा दी गई है, जिनका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा संचालन के प्रबंधन में सार्वजनिक निधियों के उपयोग को अनुकूलतम बनाना है। उल्लेखनीय है कि एफसीआई की स्थापना 1965 में संसद के एक अधिनियम के तहत की गई थी, जिसे खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का अधिनियम संख्या 37) कहा जाता है। इसका प्राथमिक कर्तव्य खाद्यान्नों की खरीद, भंडारण, आवाजाही एवं परिवहन, वितरण और बिक्री करना है।

आरआईएनएल को लगातार छठी बार सीआईआई-जीबीसी राष्ट्रीय ऊर्जा लीडर पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने एक बार फिर ऊर्जा दक्षता और संरक्षण में उल्लेखनीय मानक स्थापित किया है। आरआईएनएल को भारतीय उद्योग परिसंघ-ग्रीन बिजनेस सेंटर (सीआईआई-जीबीसी) से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ऊर्जा लीडर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस्पात मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि विशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई आरआईएनएल को लगातार छठे वर्ष प्रतिष्ठित सीआईआई-जीबीसी राष्ट्रीय ऊर्जा लीडर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार भारतीय उद्योग परिसंघ-ग्रीन बिजनेस सेंटर ने दिया है। मंत्रालय के मुताबिक 12 सितंबर की शाम हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में ऊर्जा प्रबंधन विभाग के महाप्रबंधक (ईएमडी-आई/सी) के सुधाकर और उनकी टीम ने ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव मिलिंद देवड़ा से आरआईएनएल की ओर से ये प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए। मंत्रालय ने कहा कि ये लगातार छठा वर्ष है, जब आरआईएनएल को यह सम्मान मिला है, जो टिकाऊ ऊर्जा प्रथाओं के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा आरआईएनएल ने लगातार आठवें वर्ष उत्कृष्ट ऊर्जा कुशल इकाई पुरस्कार भी प्राप्त किया है।

सरकार को एनटीपीसी से लाभांश के रूप में मिले करीब 1610 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने लाभांश के रूप में लगभग 1610 करोड़ रुपये दिए हैं। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड से लाभांश के रूप में करीब 1610 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है किएनटीपीसी लिमिटेड को पहले नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन के नाम से जाना जाता था। यह भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के स्वामित्व में एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) कंपनी है , जो बिजली उत्पादन और अन्य गतिविधियों में लगा हुआ है। इस पीएसयू का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

सीबीआईसी ने जबरन वसूली के आरोपित बेंगलुरु में गिरफ्तार सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलुरु में कुछ केंद्रीय माल एवं सेवा कर सीजीएसटी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों को शहर की पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था।सीबीआईसी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया गया है कि बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों ने कथित जबरन वसूली का सहारा लिया है। इसमें शामिल अधिकारियों को तत?काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सीबीआईसी ने कहा कि वह उन पुलिस अधिकारियों के संपर्क में है, जिन्होंने इन गिरफ्तार अधिकारियों को रिमांड पर लिया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि इस मामले में जांच के परिणाम के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीबीआईसी पारदर्शी और व्यापार अनुकूल कर प्रशासन स्थापित करने के अपने प्रयास में आधिकारिक कदाचार के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति का पालन करता है। इस बीच ईडी ने इन चारों गिरफ्तार जीएसटी अधिकारियों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया है। इन पर ईडी के अधिकारी बनकर यहां व्यवसायी से 1.5 करोड़ रुपये की जबरन वसूली करने का आरोप है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर, कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का रुख है। ब्रेंट क्रूड का भाव 72 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 67 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.35 डॉलर यानी 0.49 फीसदी की उछाल के साथ 72.32 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.37 डॉलर यानी 0.54 फीसदी की बढ़त के साथ 69.34 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 689.23 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आर्थिक मोंचे पर अच्छी खबर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 5.25 अरब डॉलर बढ़कर 689.23 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 2.29 अरब डॉलर बढ़कर 683.99 अरब डॉलर हो गया था।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि 6 सितंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.25 अरब डॉलर बढ़कर 689.23 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.11 अरब डॉलर बढ़कर 604.14 अरब डॉलर हो गईं है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य भी 12.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 61.99 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार 40 लाख डॉलर बढ़कर 18.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास भारत का आरक्षित भंडार 90 लाख डॉलर बढ़कर 4.63 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

एयर एशिया की 27 अक्टूबर से हैदराबाद से बैंकॉक के लिए सीधी उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। बजट एयरलाइंस कंपनी एयर एशिया ने भारत को थाईलैंड से जोड़ने वाली दो नई सीधी उड़ानों की शुरुआत की घोषणा की है। एयरलाइन हैदराबाद से बैंकॉक के लिए 27 अक्टूबर से चार साप्ताहिक उड़ानों का परिचालन शुरू करेगी। इसके अलावा चेन्नई से फुकेत के लिए एक सीधी उड़ान 30 अक्टूबर से शुरू होगी, जिसमें तीन साप्ताहिक उड़ानें होंगी।

एयर एशिया थाइलैंड की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक हैदराबाद से बैंकॉक और चेन्नई से फुकेत के लिए सीधी उड़ानों का संचालन क्रमशः 27 अक्टूबर और 30 अक्टूबर से करेगी। कंपनी ने बताया कि हैदराबाद से बैंकॉक के लिए चार साप्ताहिक उड़ानों का संचालन किया जाएगा जबकि चेन्नई से फुकेत के लिए तीन साप्ताहिक उड़ानें होंगी।

कंपनी ने बताया कि लॉन्च का जश्न मनाने के लिए एयर एशिया हैदराबाद से बैंकॉक के लिए केवल 7,390 रुपये की एकतरफा कीमत

पर प्रमोशनल किराया की पेशकश कर रही है, जो 27 अक्टूबर, 2024 से 29 मार्च 2025 के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए 22 सितंबर, 2024 तक बुकिंग के लिए उपलब्ध है। चेन्नई से फुकेत मार्ग के लिए एक तरफ का शुरुआती किराया 6,990 रुपये है। उल्लेखनीय है कि एयर एशिया मलेशिया की एक बहुराष्ट्रीय कम लागत वाली एयरलाइंस कंपनी है। इसका मुख्यालय मलेशिया के कुआलालंपुर के पास स्थित है। ये बेड़े के आकार और गंतव्यों के हिसाब से मलेशिया की सबसे बड़ी एयरलाइन है। एयर एशिया 25 देशों में फैले 166 से अधिक गंतव्यों के लिए निर्धारित घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करती है।

'भारत की विकास क्षमता 7.5 फीसदी से अधिक है' : शक्तिकांत दास

एजेंसी

सिंगापुर/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत में कम से कम 7.5 फीसदी की वृद्धि की संभावना है। वह सिंगापुर में ब्रेटन वुड्स कमेटी द्वारा आयोजित 'फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024' को संबोधित कर रहे थे। शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। आरबीआई गवर्नर का यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान से थोड़ा ऊपर है। हालांकि, दास ने मुद्रास्फीति में गिरावट के बावजूद फिलहाल ब्याज दरों में कटौती से इनकार किया।

उन्होंने ब्रेटन वुड्स कमेटी के वार्षिक फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि को वृहत

आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मुझे लगता है कि आज भारत की संभावित वृद्धि...लगभग साढ़े सात फीसदी से अधिक है। दास ने दुनिया को बढ़ते वैश्विक कर्ज के बारे में आगाह किया है, जो 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 333 फीसदी के बराबर 315 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया हैआरबीआई गवर्नर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ रही चुनौतियों के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। शक्तिकांत दास ने साझा वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करने की वकालत की। साथ ही उन्होंने सतत आर्थिक विकास और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया। दास ने राष्ट्रों से सभी के लिए एकीकृत भविष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

सेबी चेयरपर्सन ने बयान जारी करके दी सफाई, कहा- हमें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है

एजेंसी

नई दिल्ली। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर एक संयुक्त बयान जारी किया है। इस संयुक्त बयान के जरिये दी गई सफाई में कहा गया है कि हमारे इनकम टैक्स रिटर्न में मौजूद जानकारी से छेड़छाड़ करके हमें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। माधवी पुरी बुच और धवल बुच के इस संयुक्त बयान में कहा गया है कि माधवी ने सेबी ज्वाइन करने के बाद अगोरा एडवाइजरी, अगोरा पार्टनर्स, महिंद्रा ग्रुप, पिडीलाइट, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, अलवरेज एंड मार्सल, सेंबकॉर्प, वी लीजिंग या आईसीआईसीआई बैंक से जुड़ी किसी भी फाइल में किसी भी स्तर पर दखल नहीं दिया है। बयान में कहा गया है कि इस तरह के आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद और

दुर्भावना से प्रेरित हैं। तमाम तथ्यों और कंपनियों के बीच हुए संवाद से साफ है कि आरोप पूरी तरह से झूठ, दुर्भावना से प्रेरित और मानहानि के मकसद से लगाए गए हैं। रेंटल इनकम के आरोपों पर बुच दंपति ने कहा है कि प्रॉपर्टी को सामान्य तरीके से लीज पर दिया गया था। बाद में पता चला कि प्रॉपर्टी लीज पर लेने वाला वॉकहार्ट का सहयोगी है, जिसकी जांच हो रही थी। बयान में स्पष्ट किया गया है की माधवी पुरी बुच ने वॉकहार्ट से संबंधित किसी भी फाइल में दखल नहीं दिया है।

संयुक्त बयान में बुच दंपति ने आईसीआईसीआई बैंक में काम करने के दौरान कहीं और काम करने के आरोप को लेकर भी स्पष्ट किया है कि माधवी ने आईसीआईसीआई बैंक में काम करते समय अवैध तरीके से कहीं भी बाहर काम नहीं किया। 2011 में माधवी ने सिंगापुर जाने के लिए बैंक से लंबी छुट्टी ली थी, जहां उस वक्त उनके पति काम कर रहे थे। सिंगापुर प्रवास के दौरान उन्होंने बैंक की मंजूरी से वहां की प्राइवेट इक्विटी फर्म में काम करना शुरू किया। साल 2013 में जब ये बात तय हो गई कि वे सिंगापुर में ही रहेंगी, तो उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक से रिटायरमेंट ले लिया। बुच दंपति ने अपनी सफाई में कहा है कि इन आरोपों के लिए हमारे इनकम टैक्स रिटर्न को आधार बनाया गया है। दरअसल, फर्जी और अवैध तरीकों का इस्तेमाल कर हमारे इनकम टैक्स रिटर्न के बारे में जानकारी हासिल की गई। ये न सिर्फ हमारी निजता का हनन है, बल्कि इनकम टैक्स एक्ट का भी उल्लंघन है। माधवी पुरी बुच ने कहा है कि उनके खिलाफ जानबूझकर छोटी-छोटी किस्तों में आरोप लगाए जा रहे हैं, ताकि इस मामले को लंबे समय तक जिंदा रखा जा सके। बुच दंपति ने कहा है कि दुर्भावना से प्रेरित इन तमाम आरोपों की सच्चाई को बेनकाब करने में हम सफल रहेंगे।

फोर्ड भारत में फिर से करेगी वापसी, चेन्नई प्लांट से शुरू होगी मैन्युफैक्चरिंग

एजेंसी

नई दिल्ली।अमेरिकी कार निर्माता कंपनी फोर्ड ने भारत में अपनी वापसी का ऐलान किया है। कंपनी ने तीन साल पहले भारतीय बाजार से बाहर जाने की घोषणा की थी लेकिन अब फोर्ड ने एक नई रणनीति के तहत भारत में फिर से कदम रखा है।

फोर्ड ने जारी बयान में कहा कि वह निर्यात के लिए वाहन बनाने हेतु अपने चेन्नई विनिर्माण संयंत्र का उपयोग करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने बताया कि उसने इसकी सूचना तमिलनाडु सरकार को दे दी है। दरअसल, कंपनी ने 2021 में कहा था कि वह भारत में वाहनों का विनिर्माण बंद कर देगी लेकिन अब उसने तमिलनाडु सरकार को एक आशय पत्र (एलओआई) दिया है, जिसमें निर्यात के लिए निर्माण करने हेतु चेन्नई संयंत्र का उपयोग करने के इरादे की पुष्टि की गई है। उल्लेखनीय है कि फोर्ड एक बहुराष्ट्रीय अमेरिकी

वाहन निर्माता कंपनी है, जिसका मुख्यालय डेट्रोइट के उपनगर, मिशिगन के डियरबोर्न में स्थित है। इसको हेनरी फोर्ड ने स्थापित किया था।

कैट ने अमेजन और फ्लिपकार्ट पर ई-कॉमर्स कानून को तत्काल लागू करने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन और फ्लिपकार्ट के खिलाफ भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच के निष्कर्षों का स्वागत किया है। कैट ने भारतीय कानूनों का कथित उल्लंघन करने वाली इन विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एमेरिटस प्रवीन खंडेलवाल ने जारी एक बयान में कहा कि वह जल्द ही इस मुद्दे को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के सामने उठाएंगे। इसके साथ ही ई-कॉमर्स नियमों और ई-कॉमर्स नीति को लागू करने का आग्रह भी करेंगे, ताकि ई-कॉमर्स कंपनियां कानून का उल्लंघन करने की हिम्मत न कर सकें। उन?होंने कहा कि हाल ही गोयल ने ई-कॉमर्स कंपनियों की व्यावसायिक प्रथाओं की आलोचना की थी। चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल

ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि कैट का सहयोगी संगठन दिल्ली व्यापार महासंघ ने 2020 में सीसीआई में इन कंपनियों की व्यावसायिक प्रथाओं की गहन जांच की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। सीसीआई की रिपोर्ट के बाद भारतीय व्यापारियों को न्याय मिला है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से कहा कि सीसीआई की जांच में ई-कॉमर्स दिग?गज अमेजन और फ्ल?िपकार्ट दोनों द्वारा किए गए कई उल्लंघनों को उजागर किया गया है। इनमें भारी छूट, विशेष विक्रेता समझौते, चुनिंदा विक्रेताओं को तरजीह देना और शिकारी मूल्य निर्धारण शामिल हैं, जो देश के खुदरा व?यापार क्षेत्र के लिए हानिकारक हैं। भरतिया ने कहा कि जांच से पता चला है कि ये प्रथाएं मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी विशिष्ट श्रेणियों तक सीमित नहीं थीं बल्कि विभिन्न उत्पाद लाइनों तक फैली हुई थीं।

भरतिया ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा कि कई वर्षों से ये विदेशी वित्त पोषित ई-कॉमर्स दिग्गज शिकारी रणनीतियों और प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यावसायिक प्रथाओं को अपनाकर भारत के खुदरा बाजार को नुकसान पहुंचा रहे हैं और नष्ट कर रहे हैं। कारोबारी नेता ने कहा कि वर्तमान में मोटी जेबों वाली विदेशी कंपनियों की इन प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं के कारण 90 मिलियन भारतीय खुदरा विक्रेता गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

चुनिंदा शेयरों में बिकवाली से गिरा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। जोरदार मजबूती के बाद आज घरेलू शेयर बाजार उतार चढ़ाव भरे कारोबार के बाद चुनिंदा शेयरों में हुई बिकवाली की वजह से लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण निवेशकों की संपत्ति में एक दिन में ही 1.33 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, एनर्जी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, यूटिलिटी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स और निफ्टी में दबाव होने के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप

इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 468.69 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.33 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,477 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,481 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 109 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,455 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,551 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 904 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 128.84 अंक की मजबूती के साथ 83,091.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 309.49 अंक टूट कर 82,653.22 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार भी हुआ। दिन भर हुई खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 71.77 अंक की कमजोरी के साथ 82,890.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

चीन ने PwC पर की बड़ी कार्रवाई, छह माह का लगाया प्रतिबंध; दिवालिया एवरग्रैंड के ऑडिट से जुड़ा मामला

नई दिल्ली। चीनी अधिकारियों ने छह माह के लिए एक अकाउंटिंग फर्म पीडब्ल्यूसी (प्राइसवॉटरहाउस कूपर्स) पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही 400 मिलियन युआन यानी 56.4 मिलियन डॉलर का जुर्माना भी भरने को कहा है। दरअसल, फर्म को दिवालिया हुए प्रॉपर्टी डेवलपर एवरग्रैंड ग्रुप के ऑडिट में शामिल होने का दोषी पाया गया है।

छह महीने तक नहीं कर सकेगी किसी पर हस्ताक्षर

बीजिंग में काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय लेखा फर्मों के लिए यह अब तक की सबसे बड़ी सजा है। पीडब्ल्यूसी छह महीने के लिए देश में किसी भी वित्तीय परिणाम पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेगी। यह फर्म पहले से ही नुकसान में चल रही थी। लगातार ग्राहकों को खो रही है।

यह सजा भी दी गई

चीन के वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि वह पीडब्ल्यूसी पर 116 मिलियन युआन (16.35 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगा रही है। साथ ही अवैध लाभ को जब्त करने के साथ-साथ छह महीने के लिए कारोबार पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। इसके अलावा पीडब्ल्यूसी की ग्वांगझोउ शाखा को रद्द करने के साथ-साथ एक प्रशासनिक चेतावनी भी दे जा रही है।

एक और आयोग ने लगाया जुर्माना

एक अलग नियामक, चीन प्रतिभूति नियामक आयोग ने भी एवरग्रैंड के ऑडिट में उचित परिश्रम करने में कथित रूप से विफल रहने के लिए पीडब्ल्यूसी पर कुल 325 मिलियन युआन (45.8 मिलियन डॉलर) का जुर्माना और जब्ती लगाई।

क्या कहा था चीन के सुरक्षा नियामक?

दुनिया के सबसे अधिक कर्जदार डेवलपर एवरग्रैंड के जनवरी में दिवालिया होने के बाद ऑडिटर बीजिंग की जांच के दायरे में आया। चीन के सुरक्षा नियामक ने मार्च में कहा था कि एवरग्रैंड ने 2019 और 2020 में अपने मुख्य भूमि चीन के राजस्व को लगभग 80 बिलियन डॉलर बढ़ा दिया था। मई में, अधिकारियों ने कंपनी पर 577 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया था। पीडब्ल्यूसी ने 2023 तक 14 वर्षों तक एवरग्रैंड के खातों का ऑडिट किया और उसे सही ठहराता रहा। चीनी सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स संस्थान के अनुसार, पीडब्ल्यूसी चीन में संचालित चार बड़ी अकाउंटिंग फर्मों में सबसे बड़ी रही है, जिसने 2022 में लगभग आठ बिलियन युआन (1.1 बिलियन डॉलर) का राजस्व अर्जित किया था, जो प्रतिस्पर्धियों डेलॉइट, केपीएमजी और ईवाई से अधिक था। चीन लंबे समय से चल रहे संपत्ति बाजार में मंदी के दौरान डेवलपर्स द्वारा अत्यधिक उधार लेने पर नकेल कस रहा है, जिससे निर्माण, निर्माण सामग्री और घरेलू उपकरणों सहित अर्थव्यवस्था के कई अन्य हिस्से प्रभावित हुए हैं।

त्वचा की रंगत निखारने के साथ ही जवां बनाएगा केसर वाला दूध, 8 वजहों से करें डाइट में शामिल

शायद ही कोई ऐसा हो जो अपनी खूबसूरती निखारना नहीं चाहता। खासकर लड़कियां अपनी सुंदरता के लिए कई तरह के उपाय करती हैं। महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स से लेकर घरेलू उपायों तक महिलाएं अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए काफी कुछ ट्राई करती हैं। अगर आप भी नेचुरली अपनी सुंदरता बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में केसर वाला दूध (Saffron Milk Benefits For Skin) जरूर शामिल करें।

अपनी खूबसूरती निखारने के लिए लोग कई सारे जतन करते हैं। खासकर लड़कियां अक्सर अपने लुक को लेकर काफी सजग रहती हैं और इसलिए वह कई सारे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और विभिन्न घरेलू उपाय अपनाती हैं। हालांकि, केमिकल युक्त महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स कई बार मन मुताबिक नतीजे नहीं दे पाते और इनसे कई लोगों को एलर्जी या अन्य समस्याएं भी होने लगती हैं। ऐसे में आप अपनी त्वचा को अंदर से निखार कर नेचुरली खूबसूरत बना सकते हैं। इसके लिए आपको बस रोजाना केसर दूध (Saffron Milk Benefits For Skin) पीना होगा।

केसर दूध एक पारंपरिक इंडियन ड्रिंक है, जो दूध में केसर मिला कर बनाया जाता है। केसर (Kesar Benefits For Skin) क्रोकस सैटिवस के फूल से मिलने वाला एक बेहद मूल्यवान मसाला है और यह अपने रंग और खास स्वाद के लिए जाना जाता है। ऐसे में सीमित मात्रा में इसे दूध में मिलाकर पीने से सेहत और स्किन दोनों को भी लाभ मिलता है। आइए जानते हैं केसर दूध के शानदार फायदे-

हेल्दी स्किन

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर केसर आपकी स्किन को हेल्दी बनाने में मदद करता है। यह त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने और स्वस्थ, चमकदार और स्किन की रंगत को बढ़ावा देने में मदद करता है।

एंटी-एजिंग गुण

केसर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं, जो समय से पहले बूढ़ा होने के लिए जिम्मेदार होते हैं। साथ ही यह फाइन लाइन्स और झुर्रियों को कम करने में मदद कर सकता है।

रंग निखारे

अगर आप अपना रंग निखारना चाहते हैं, तो दूध वाला केसर पीने से आपको काफी फायदा हो सकता है। केसर में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को आराम देने और रेडनेस को कम करने में मदद कर सकते हैं, जिससे त्वचा चमकदार हो जाती है। ऐसे में यह दूध त्वचा का रंग समान करता है और रंगत भी निखरती है।

पिगमेंटेशन कम करे

अगर आप त्वचा पर मौजूद काले दाग-धब्बों से परेशान हैं, तो केसर वाला दूध आपके लिए लाभकारी साबित होता। नियमित रूप से इसे पीने हाइपरपिग्मेंटेशन, काले धब्बे और दाग-धब्बों को कम करने में मदद मिलेगी।

नेचुरल एक्सफोलिएंट

केसर में मौजूद नेचुरल एसिड एक एक्सफोलिएंट के रूप में काम करता है, जो डेड स्किन सेल्स को हटाने और एक त्वचा की रंगत को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

त्वचा की लोच में सुधार करे

केसर ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा दे सकता है, जिससे त्वचा की लोच में सुधार होता है और यह ज्यादा हेल्दी और यंग दिखाई देती है। ऐसे में रोजाना केसर वाला दूध पीना आपके लिए गुणकारी हो सकता है।

ड्राई स्किन से राहत दिलाए

अगर आप अपनी ड्राई स्किन से परेशान रहते हैं, तो केसर दूध इससे छुटकारा पाने का एक बढ़िया उपाय है। इसमें मौजूद मॉइस्चराइजिंग गुण ड्राई स्किन को कम करने में मदद करते हैं, जिससे स्किन सॉफ्ट महसूस होती है।

डार्क सर्कल्स कम करे

इन दिनों कई लोग आंखों के नीचे होने वाले काले घेरों से परेशान रहते हैं। ऐसे में केसर वाले दूध को आंखों के नीचे लगाने से काले घेरों को कम करने में मदद मिल सकती है, क्योंकि इसमें त्वचा की रंगत निखारने वाले गुण होते हैं।

जाति का प्रश्न : हिन्दू दक्षिणपंथियों का बदलता नैरेटिव

हिन्दू राष्ट्रवादी, आनुपातिक प्रतिनिधित्व और जाति जनगणना के पूरी तरह खिलाफ हैं। आनुपातिक प्रतिनिधित्व की शुरुआत गांधीजी और डॉ आंबेडकर के बीच हस्ताक्षरित पूना पैक्ट से हुई थी और बाद में इसे संविधान का हिस्सा बनाया गया। इसके विरोध में अहमदाबाद में 1980 और फिर 1985 में दंगे हुए। सन् 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने के बाद, राममंदिर आन्दोलन अचानक अत्यंत आक्रामक हो गया।पिछले आम चुनाव (अप्रैल-मई 2024) में जाति जनगणना एक महत्वपूर्ण मुद्दा थी। इंडिया गठबंधन ने जाति जनगणना की आवश्यकता पर जोर दिया जबकि भाजपा ने इसकी खिलाफत की। जाति जनगणना के संबंध में विपक्षी पार्टियों की सोच एकदम साफ़ और स्पष्ट है।

जाति के मुद्दे ने हिन्दू दक्षिणपंथी राजनीति को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उच्च जातियां, निम्न जातियों का शोषण करती आई हैं यह अहसास जोतीराव फुले और भीमराव आंबेडकर जैसे लोगों को था। इस मुद्दे से जनता का ध्यान हटाने के लिए उच्च जातियों के संगठनों ने भारत के अतीत का महिमामंडन करना शुरू कर दिया। हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा और मनुस्मृति के मूल्य इन ताकतों के एजेंडा के मूल में थे। पिछले कुछ दशकों से आरएसएस ने इस नैरेटिव को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है कि सभी जातियां बराबर हैं। संघ से जुड़े लेखकों ने विभिन्न जातियों पर कई किताबें लिखीं जिनमें यह कहा गया कि अतीत में सभी जातियों का दर्जा बराबर था।आरएसएस नेताओं का यह दावा है कि अछूत जातियां विदेशी आक्रान्ताओं के अत्याचारों के कारण अस्तित्व में आईं और उसके पहले तक हिन्दू धर्म में उनका कोई स्थान नहीं था। संघ के कम से कम तीन नेताओं ने दलित, आदिवासी और कई अन्य समूहों के जन्म के लिए मध्यकाल में %मुस्लिम आक्रमण% को ज़िम्मेदार बताया है. संघ के एक शीर्ष नेता भैयाजी जोशी के अनुसार, हिन्दू धर्मग्रंथों में कहीं भी शूद्रों को अछूत नहीं बताया गया है। मध्यकाल में %इस्लामिक अत्याचारों% के कारण अछूत दलितों की एक नयी श्रेणी उभरी। जोशी के लिखा है- %हिन्दुओं के स्वाभिमान को तोड़ने के लिए अरबी विदेशी हमलावरों, मुस्लिम राजाओं और गौमांस भक्षण करने वालों ने चंद्रवंशी क्षत्रियों को गायों को काटने, उनकी खाल उतारने और उनके कंकाल को किसी सूनी जगह फेंकने जैसे घिनौने काम करने पर मजबूर किया। इस तरह विदेशी हमलावरों ने %चर्म-कर्म% करने के लिए एक नयी जाति बनाई और यह काम स्वाभिमानी हिन्दू कैदियों को सज़ा के स्वरुप दिया जाता था।%

इस सारे दुष्प्रचार का उद्देश्य है जाति को ऐसी सकारात्मक संस्था बताना, जो हिन्दू राष्ट्र की रक्षा करती आई है। जाति जनगणना की मांग के जोर पकड़ने की पृष्ठभूमि में आरएसएस के मुखपत्र पाञ्चजन्य ने 5 अगस्त (2024) के अपने अंक में हितेश सरकार का एक लेख प्रकाशित किया जिसका शीर्षक है- %ऐ नेताजी- कौन जात हो%। लेख में यह दावा किया गया है कि विदेशी आक्रान्ता जाति की दीवारों को तोड़ नहीं सके और इसी कारण वे हिन्दुओं का धर्मपरिवर्तन नहीं करवा सके। जाति, हिन्दू समाज का एक मुख्य आधार है और उसी के कारण विदेशी हमलों के बाद भी देश सुरक्षित और मज़बूत बना रहा। इस लेख में बम्बई के पूर्व बिशप लुई जॉर्ज मिल्ने की पुस्तक %मिशन टू हिन्दूस- ए कॉन्ट्रिब्यूशन टू द स्टडी ऑफ़ मिशनरी मेथडस% से एक उद्धरण दिया गया है। उद्धरण यह है- %...तो फिर वह (जाति), सामाजिक ढांचे का आवश्यक हिस्सा है। मगर फिर भी, व्यावहारिक दृष्टिकोण से वह लाखों लोगों के लिए धर्म है...वह किसी व्यक्ति की प्रकृति और धर्म के बीच कड़ी का काम करती है।%

लेखक के अनुसार, मिशनरीज़ को जो चीज़ उस समय खल रही थी वही आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को खल रही है क्योंकि कांग्रेस, ईस्ट इंडिया कंपनी और लार्ड ए.ओ. ह्यूम की उत्तराधिकारी है। इसमें यह भी कहा गया है कि चूँकि आक्रान्ता, जाति के किले को नहीं तोड़ सके इसलिए उन्होंने (मुसलमानों) ने इज्ज़तदार जातियों को हाथ से मैला साफ़ करने के काम में लगाया और यह भी कि उस काल से पहले हाथ से मैला साफ़ करने की प्रथा का कहीं वर्णन नहीं मिलता। लेख में कहा गया है कि मिशनरी समाज के पिछड़ेपन के लिए जाति प्रथा को दोषी मानती हैं और कांग्रेस को भी जाति एक काँटा नज़र आती है।

यह लेख झूठ का पुलिंदा है। पहली बात तो यह कि दूसरी शताब्दी ईस्वी में लिखी गयी %मनुस्मृति% में जाति प्रथा की व्याख्या और उसकी जबरदस्त वकालत की गयी है। यह पुस्तक देश में विदेशी आक्रांताओं के आने के सैकड़ों साल पहले लिखी गयी थी। कई अन्य पवित्र हिन्दू ग्रंथों में भी कहा गया है कि निम्न जातियों के लोगों को उच्च जातियों से दूर रहना चाहिए। यही सोच अछूत प्रथा और हाथ से मैला साफ़ करने की प्रथा- दोनों की जननी है। पवित्रता और प्रदूषण से सम्बंधित सारे नियम और आचरण ओर पुनर्जन्म का सिद्धांत भी इसी सोच पर आधारित है। नारद संहिता और वाजसनेयी संहिता भी यही कहती हैं। नारद संहिता में अछूतों के लिए जो कर्तव्य निर्धारित किये गए हैं। मानव मल साफ़ करना उनमें से एक है। वाजसनेयी संहिता कहती है कि चांडाल गुलाम हैं जो मनुष्यों का मैला साफ़ करते हैं।

डॉ आंबेडकर का मानना था कि जाति प्रथा को ब्राह्मणवाद ने समाज पर लादा है। आरएसएस के मुखपत्र में प्रकाशित लेख जहाँ जाति प्रथा की तारीफों के पुल बांधता है वहीं क्रान्तिकारी दलित चिन्तक और कार्यकर्ता उसे हिन्दू समाज की सबसे बड़ी बुराईयों में से एक मानते हैं। इसी कारण डॉ आंबेडकर ने जाति के विनाश की बात कही थी।

हिन्दू राष्ट्रवादी, आनुपातिक प्रतिनिधित्व और जाति जनगणना के पूरी तरह खिलाफ हैं। आनुपातिक प्रतिनिधित्व की शुरुआत गांधीजी और डॉ आंबेडकर के बीच हस्ताक्षरित पूना पैक्ट से हुई थी और बाद में इसे संविधान का हिस्सा बनाया गया। इसके विरोध में अहमदाबाद में 1980 और फिर 1985 में दंगे हुए। सन् 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने के बाद, राममंदिर आन्दोलन अचानक अत्यंत आक्रामक हो गया।

जहां तक कांग्रेस के ईस्ट इंडिया कंपनी और ह्यूम की विरासत की उत्तराधिकारी होने के आरोप का सवाल है। यह सफेद झूठ है। इस तरह के झूठ केवल वे ही लोग फैला सकते हैं जो स्वाधीनता आन्दोलन से दूर रहे और आज भी भारत को एक बहुवादी और विविधताओं का सम्मान करने वाले देश के रूप में नहीं देखता चाहते।

तिलक से लेकर गांधी तक के नेतृत्व में कांग्रेस ब्रिटिश शासन के खिलाफ थी। ह्यूम इसी कांग्रेस का हिस्सा थे। ऐसा आरोप लगाया जाता है कि ह्यूम ने कांग्रेस की परिकल्पना एक सेफ्टी वाल्व के रूप में की थी। मगर गहराई से अध्ययन करने पर कांग्रेस के गठन की प्रक्रिया और उद्देश्य साफ़ हो जाते हैं। देश में उभरते हुए राष्ट्रवादी संगठनों जैसे मद्रास महाजन सभा (संस्थापक पनापक्कम आनंदचेरलू), बॉम्बे एसोसिएशन (संस्थापक जगन्नाथ शंकर शेठ) और पूना सार्वजनिक सभा (संस्थापक एम.जी. रानाडे) को स्वतंत्रता की अपनी मांग को उठाने के लिए एक राजनैतिक मंच की ज़रूरत थी। उन्होंने कांग्रेस के आव्हान को स्वीकार किया और उसे एक ऐसा राष्ट्रीय मंच बनाया जो नए उभरते भारत की आकांक्षाओं को उठा सके। इसकी शुरूआती मांगो में शामिल था आईसीएस की परीक्षा के लिए भारत में केंद्र बनाना। कांग्रेस ने ज़मींदारों पर नियंत्रण लगाने की मांग भी उठाई ताकि उनकी अधीनता में काम कर रहे श्रमिक आजाद हो सकें और यह भी कहा कि देश के औद्योगीकरण के लिए अधिक सुविधाएं मुहैय्या करवाई जानी चाहिए।

आगे चलकर इसी कांग्रेस ने %पूर्ण स्वराज्य% और %अंग्रेजों भारत छोड़ो% के नारे भी बुलंद किये। जिस कांग्रेस पर पाञ्चजन्य निशाना साध रहा है, उसी ने राष्ट्रीय आन्दोलन का नेतृत्व किया और साथ ही सामाजिक न्याय, जिसके आंबेडकर पुरजोर समर्थक थे, के मुद्दे को भी उठाया।आंबेडकर, जो भारतीय संविधान के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते थे और आरएसएस, जो हिन्दू राष्ट्रवाद की वकालत करती थी, के बीच के अंतर को भुलाया नहीं जा सकता। आंबेडकर ने मनुस्मृति का दहन किया था जबकि आरएसएस इस पवित्र पुस्तक में प्रतिपादित जातिगत असमानता के मूल्यों का समर्थक है। आंबेडकर ने भारत के संविधान का मसविदा तैयार किया था और आरएसएस ने इसी संविधान का खुलकर विरोध किया था। और आज भी परोक्ष रूप से कर रहा है।

संपादकीय

सीताराम येचुरी : एक महत्वपूर्ण आवाज खामोश हो गई

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी नहीं रहे। 72 बरस की आयु में उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली और इस तरह देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली एक बुलंद आवाज़ शांत हो गई। हालांकि पचास बरसों से सुदीर्घ राजनैतिक जीवन में सीताराम येचुरी जिन मूल्यों के साथ काम करते रहे, उनकी गूंज बरसों-बरस बनी रहेगी, ऐसी उम्मीद है।

सीताराम येचुरी भारतीय राजनीति के उन चंद महत्वपूर्ण नामों में से एक थे, जिन्होंने संसद से सड़क तक जनता के हितों की रक्षा और संवैधानिक मूल्यों के लिए राजनीति की। श्री येचुरी के लिए राजनीति दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने का जरिया थी। सीताराम येचुरी एक बेहतरीन वक्ता थे और लगभग सभी दलों के साथ, वैचारिक मतभेदों के बावजूद उनके सौहाद्रपूर्ण संबंध थे। संसद में उनके भाषणों को गौर से सुना जाता था। 1974 में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी एसएफआई से उनके राजनैतिक जीवन की शुरुआत हुई, 1975 में वे सीपीएम के सदस्य बन गए। दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से स्नातक करने के बाद वे आगे की पढ़ाई के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में दाखिल हुए और यहां प्रकाश करात के साथ मिलकर वामपंथ का मजबूत गढ़ बनाने का काम उन्होंने किया। 1978 में श्री येचुरी एसएफआई के संयुक्त सचिव बने और 1979 में एसएफआई के अध्यक्ष बने। वे पहले अध्यक्ष थे, जो केरल या बंगाल के बाहर से थे।

सीताराम येचुरी जब जेएनयू से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की पढ़ाई कर रहे थे, तभी इंदिरा गांधी सरकार ने 1975 में आपातकाल लगाया और उन्हें कई अन्य नेताओं के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था। इस वजह से उनकी पीएचडी अधूरी रह गई। जेल से बाहर आने के बाद सीताराम येचुरी जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए। 1992 में उन्हें पोलित ब्यूरो का सदस्य चुना गया। श्री येचुरी 32 वर्षों तक सीपीएम के पोलित ब्यूरो के सदस्य रहे। 2015 में वे पार्टी के महासचिव बने और इसके बाद 2018 फिर 2022 में इसी पद के लिए फिर से चुने गए। सीताराम येचुरी 2005 से 2017 तक राज्यसभा सांसद भी रहे।

अपने सुदीर्घ राजनैतिक जीवन में सीताराम येचुरी ने आपातकाल से लेकर गठबंधन सरकारों के दौर देखे। 1996 में जब संयुक्त मोर्चा सरकार बनी, तब वे उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने साझा न्यूनतम कार्यक्रम का मसौदा तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। दरअसल श्री येचुरी ने पार्टी के दिवंगत नेता हरकिशन सिंह सुरजीत के मार्गदर्शन में काम सीखा था, जिन्होंने गठबंधन युग की सरकार में प्रमुख भूमिका निभाई थी। उनके निर्देशन में सबसे पहले वी पी सिंह की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार और 1996-97 की संयुक्त मोर्चा सरकार बनी, दोनों ही सरकारों को माकपा ने बाहर से समर्थन दिया था। सीताराम येचुरी ने अपने कौशल को तब और निखारा जब वामपंथी दलों ने 2004 में पहली यूपीए सरकार का समर्थन किया और अक्सर नीति-निर्माण में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर दबाव डाला।आपातकाल में जेल जाने से लेकर कांग्रेस को सरकार बनाने तक सभी तरह के राजनैतिक उतार-चढ़ाव के साक्षी सीताराम येचुरी रहे हैं। इस देश के लोगों को वह तस्वीर याद है, जब जेएनयू की चांसलर पद से इंदिरा गांधी के हटने की मांग लेकर जेएनयू के छात्र उन्हीं के आवास के बाहर पहुंचे थे। तब इंदिरा गांधी के सामने ही उनके इस्तीफे की मांग और विरोध का ज्ञापन सीताराम येचुरी ने पढ़ा था। तब इंदिरा गांधी को तानाशाह बताया जा रहा था कि लेकिन असल में वहां भारतीय लोकतंत्र की मजबूती प्रदर्शित हो रही थी। अब ऐसी तस्वीर की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सीताराम येचुरी ने घोषित आपातकाल और अघोषित आपातकाल के फर्क को करीब से महसूस किया है। जब देश में 2014 के बाद भाजपा के बहुमत वाली सरकार के दौरान एक नये तरह की राजनीति शुरु हुई, जिसमें जनता की आवाज के लिए कोई जगह दिखाई नहीं देती है, उस पीड़ा को सीताराम येचुरी ने संसद के अपने भाषणों में व्यक्त किया। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने का फैसला हो, या नोटबंदी का आकस्मिक ऐलान हो या राम मंदिर के उद्घाटन में धर्मनिरपेक्षता की राह पर डटे रहने की प्रतिबद्धता हो, सीताराम येचुरी ने बिना किसी लाग-लपेट के भाजपा सरकार को आईना दिखाने का काम किया।

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर नियंत्रण हटाना एक बड़ा छलावा

भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी हैं, जो पूरी तरह से गलत प्रतीत होती है। सिद्धांत रूप में, यदि कच्चे तेल की अन्तरराष्ट्रीय कीमतें गिरती हैं, जैसा कि 2022 की तीसरी तिमाही से काफी हद तक चलन रहा है, तो खुदरा तेल की कीमतें भी कम होनी चाहिए, और यदि अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में भी खुदरा मूल्य बढ़ना चाहिए। हालांकि, व्यवहार में ऐसा नहीं हो रहा है।

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर से नियंत्रण हटाना स्थानीय खुदरा बाजार की कीमतों को वैश्विक मूल्य प्रवृत्तियों से जोड़ने के किसी ईमानदार उद्देश्य से ज़्यादा आम जनता और सीधे-साधे उपभोक्ताओं को धोखा देना है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि जब भी वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो खुदरा तेल की कीमतें अक्सर तेज़ी से बढ़ जाती हैं, परन्तु जब वैश्विक बाजार में कीमतें घटती हैं तब भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतें तेजी से नहीं घटतीं।सबसे पहले 2010 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेट्रोल की खुदरा कीमतों पर और उसके बाद 2015 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा डीजल की कीमतों पर से नियंत्रण हटाया गया। देश लगभग 87 प्रतिशत आयातित खनिज तेल पर निर्भर है। आयात की कीमतों में गिरावट आने पर भी खुदरा तेल की कीमतें शायद ही कभी कम होती हैं, यहां तक कि काफी लंबे समय तक भी नहीं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व और शुल्क का सबसे बड़ा स्रोत हैं। यहीं पर समस्या है।

बहुत ही सावधानी से पेट्रोलियम को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से बाहर रखा गया है। जून 2022 के मध्य से, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की मासिक औसत कीमत में काफी गिरावट आई है - अपने चरम पर 116 डॉलर प्रति बैरल से अब 76.8 डॉलर प्रति बैरल तक। वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें चालू वर्ष के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। दुर्भाग्य से, सरकार की तथाकथित खुदरा मूल्य नियंत्रण नीति बाजार की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है। न तो सरकार और न ही तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की गिरती आयात लागत को ध्यान में रखते हुए खुदरा तेल की कीमतों को नीचे समायोजित करने का कोई प्रयास किया है।इसके बजाय, तेल कंपनियां उच्च लाभ कमा रही हैं। सरकार का कर राजस्व भी अप्रभावित रहा है। व्यवहार में, बहुप्रचारित तेल मूल्य नियंत्रण एक बड़ा दिखावा प्रतीत होता है। अक्सर तेल और रसोई गैस की खुदरा कीमतें वैश्विक कीमतों या कच्चे तेल की आयात लागत के साथ उनके अपेक्षित प्राकृतिक जुड़ाव की तुलना में केंद्र और राज्यों में चुनावों से अधिक जुड़ी होती हैं।

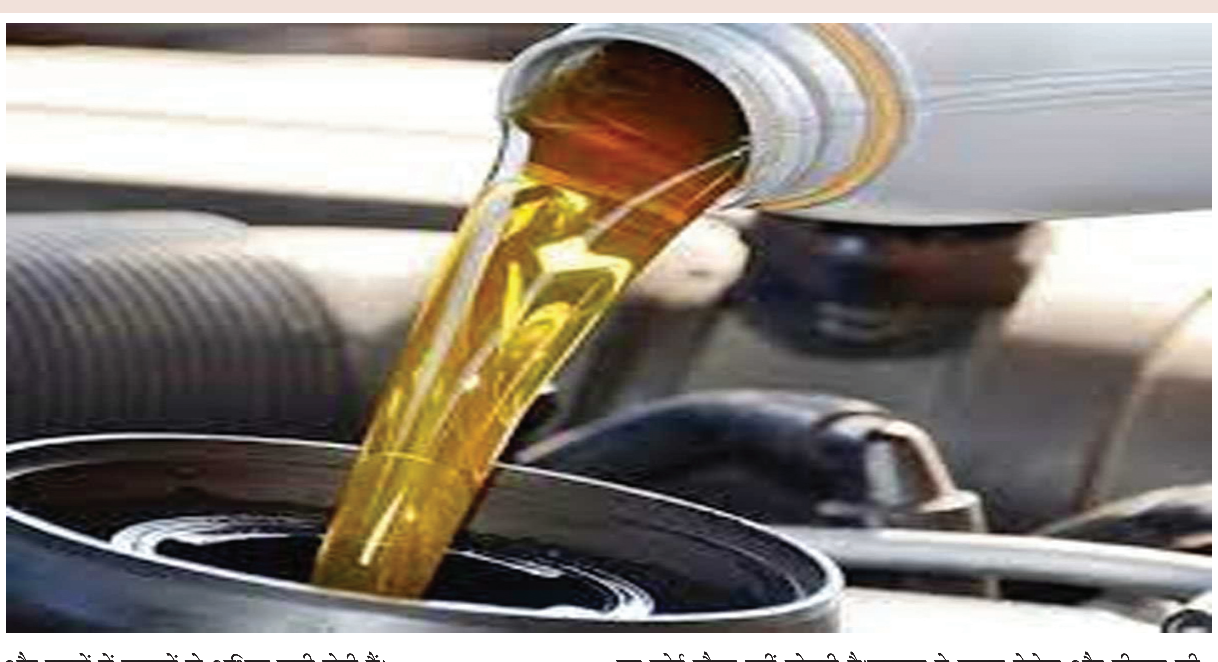

आधिकारिक तौर पर, सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र के तेल विपणन संगठन पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं। उदाहरण के लिए, 2013 से 2018 के बीच पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल (भारतीय बास्केट) की कीमत लें। जनवरी 2013 में यह 110 अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि मार्च 2018 में कीमत घटकर 64 अमेरिकी डॉलर रह गई। इस बीच, जनवरी 2016 में कीमत घटकर 28 डॉलर रह गई थी। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि इन पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई थी, भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमत वास्तव में आठ प्रतिशत और डीजल की खुदरा कीमत में 33 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई।

यह तथाकथित तेल मूल्य विनियंत्रण के युग में अकल्पनीय है, जिसमें घरेलू खुदरा कीमतों को कच्चे तेल के थोक आयात लागतों से जोड़ा जाता है, जबकि सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि होने पर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ती है।सरकार ने खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतों को विनियंत्रण करने के पीछे के उद्देश्य के बारे में लोगों को पूरी तरह से गुमराह किया है। यह धारणा बनाई गई है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी हैं, जो पूरी तरह से गलत प्रतीत होती है। सिद्धांत रूप में, यदि कच्चे तेल की अन्तरराष्ट्रीय कीमतें गिरती हैं, जैसा कि 2022 की तीसरी तिमाही से काफी हद तक चलन रहा है, तो खुदरा तेल की कीमतें भी कम होनी चाहिए, और यदि अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में भी खुदरा मूल्य बढ़ना चाहिए। हालांकि, व्यवहार में ऐसा नहीं हो रहा है।सबसे बड़े लाभार्थी सरकार द्वारा नियंत्रित तेल कंपनियां हैं, जो मोटा मुनाफा कमा रही हैं, और फिर सरकार है जिसका कर राजस्व बरकरार है। सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। यह पूरी तरह से एक राजनीतिक निर्णय था। इसका वैश्विक पेट्रोलियम कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के रुझान से कोई लेना-देना नहीं था। खुदरा उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

दरअसल, सरकार के तेल मूल्य नियंत्रण तंत्र ने खुदरा तेल कीमतों को नियंत्रित करने में उसके हाथ को और मजबूत किया है। इससे उपभोक्ताओं से ज्यादा सरकार को फायदा होता है। जब वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो खुदरा तेल की कीमतें बढ़ जाती हैं और उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करना पड़ता है। जब वैश्विक कीमतें गिरती हैं, तो सरकार ईंधन पर कर और शुल्क जोड़ती है। उपभोक्ता और ईंधन खुदरा विक्रेता नुकसान में हैं।

कोविड महामारी के दौरान, जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें गिर गयीं, तो भारतीय उपभोक्ताओं को लाभ नहीं हुआ क्योंकि राज्य के स्वामित्व वाले तेल खुदरा विक्रेताओं ने 82 दिनों तक कीमतों में संशोधन करना बंद कर दिया था। जब कच्चे तेल की कीमतों में आंशिक रूप से सुधार हुआ, तो सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों पर कर बढ़ा दिये।भले ही सरकार और तेल कंपनियां, ज्यादातर सरकारी स्वामित्व वाली, अच्छी कमाई कर रही हों, फिर भी उपभोक्ताओं को ईंधन की ऊंची कीमतें चुकानी पड़ रही हैं। तेल सह गैस क्षेत्र कुछ हद तक केंद्र और राज्य सरकारों दोनों के लिए दुधारू गाय की तरह है। यह कई तरीकों से सरकार के कर राजस्व में योगदान देता है। इनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क, पेट्रोलियम उत्पादों पर सीमा शुल्क, कच्चे तेल पर रॉयल्टी, कॉर्पोरेट सह आयकर, पेट्रोलियम उत्पादों पर सेवा कर, कच्चे तेल पर उपकर और अधिभार शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में तेल और गैस क्षेत्र ने सरकार के खजाने में 3.41 ट्रिलियन रुपये का योगदान दिया। इसमें राष्ट्रीय सरकार के लिए 1.85 ट्रिलियन रुपये और राज्यों के लिए 1.56 लाख करोड़ रुपये शामिल थे। पिछले एक दशक में भारतीय राज्यों के लिए पेट्रोलियम उत्पादों से कुल कर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2014-15 में, राज्यों ने पेट्रोलियम करों से 1.37 लाख करोड़ रुपये एकत्र किये, जो 2023-24 में बढ़कर 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गये। वे बताते हैं कि केंद्र और राज्य सरकारें दोनों उच्च तेल कीमतों को क्यों पसंद करती हैं।

मनोवैज्ञानिक रूप से, भारतीय तेल उपभोक्ता वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से स्थानीय खुदरा कीमतों को जुड़ा हुआ न देखें तो ही अच्छा है। वे इस तथ्य को जानें कि खुदरा तेल बाजार को विनियमन की आड़ में सरकार द्वारा दृढ़ता से विनियमित किया जाना जारी रहेगा। खुदरा तेल की कीमतें तय करने का फैसला राजनीतिक भी हैं क्योंकि केंद्र और राज्यों में सभी सत्तारूढ़ दल कीमतों को विनियमित करने के मामले में एकजुट रहते हैं। इससे स्पष्ट है कि वे हमेशा से पेट्रोलियम को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने के पक्ष में क्यों रहे हैं।

मिल सकती है फूलों से कोमल काया

तेज रसायनयुक्त उत्पाद आपकी त्वचा पर रूखापन और खिंचाव पैदा करते हैं। कृत्रिम खुशबूदार उत्पाद भी आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते है। इसलिए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल के लिए अधिक से अधिक प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करे, साथ ही यहा दिए जा रहे टिप्स पर भी ध्यान रखें।

साफ रखें अपनी त्वचा

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉली कपूर कहती है कि आपकी त्वचा साफ रहे इसके लिए आवश्यक है त्वचा को साफ रखना। अत्यधिक रसायनयुक्त क्रीम या प्रसाधनों के इस्तेमाल से बचें। हफ्ते में एक बार गुनगुने पानी से स्नान त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। घरेलू फेसपैक से त्वचा को दें नया निखार। इसके लिए दो चम्मच गेहूं के आटे में एक चम्मच बादाम रोगन, एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बना लें और उसे चेहरे पर दस मिनट तक लगाएं। फिर हलके हाथों से मलकर छुड़ाएं। ऐसा हफ्ते में दो बार करे। इससे आपकी त्वचा कातिमय हो जाएगी और उसे बाहरी व आंतरिक नमी भी मिलेगी।

तनाव से रहे दूर

तनाव कई प्रकार के होते है। शारीरिक तनाव तब होता है, जब आप अत्यधिक कार्य करती है और कुछ समय बाद आपका शरीर थक जाता है। इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पड़ता है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी नमी खत्म होने लगती है और त्वचा रूखी और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शरीर को आवश्यकतानुसार आराम करने का भी मौका दें। जब आप तनाव में होती है तो उसका असर भी आपकी त्वचा पर पड़ता है। जो स्त्रियां अधिक तनाव में रहती है उनकी त्वचा उम्र से पहले झुर्रियों युक्त, रूखी, बेजान हो जाती है। जहां तक हो छोटे-छोटे, अनावश्यक तनावों को मन में पाले न रहे। उनसे जितनी जल्दी हो मुक्ति पाने का प्रयास करे। आप अगर खुश रहेंगी तो आपका चेहरा भी खिला-खिला नजर आएगा।

बचें मानसिक तनाव से

यह तो सभी को पता है कि चिंता चिता के समान होती है। लेकिन इस बात की जानकारी कम ही लोगों को होगी कि अत्यधिक चिंता करने से आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने वाली ग्रंथियों का संतुलन भी बिगड़ जाता है, जिसका परिणाम तुरंत आपकी त्वचा पर दिखता है जैसे-झुर्रियां, रूखापन और लकीरे। मानसिक तनाव से बचने के लिए जरूरी है कि आप चीजों को सकारात्मक रूप से लें। अधिक तनाव आपके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

करे भावनाओं पर नियंत्रण

वैवाहिक मतभेद या किसी अपने से अलग होने का गम, प्यार में धोखा खाने से आप भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त हो जाती है। इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ दिखाई देता है। आप खुद ही महसूस करे कि कई बार गुस्से या शर्म से आपका चेहरा लाल हो जाता है। देखिए कि कैसे भावनाओं का सीधा असर आपके चेहरे पर पड़ता है। बहुत अधिक तनावग्रस्त होने पर आपकी त्वचा कई बार फटने लगती है या फिर जो स्त्रियां हमेशा तनाव में रहती है उनके माथे और आंखों के आसपास लकीरें बन जाती है। इन लकीरों का उम्र से कोई वास्ता नहीं होता है। ऐसे तनाव से बचने के लिए मेडिटेशन या ध्यान एक अच्छा उपाय है। इसे अपनी आदत बनाएं। सिर्फ एक दिन-दो दिन योग या मेडिटेशन करने भर से ही तनाव कम नहीं होता। सुबह उठकर टहलें। हरे-भरे, रंगीन फूलों से लदे पेड़ आपमें जीने की नई ललक और ऊर्जा भर देंगे और आपका मन हलका हो जाएगा।

वरदान है पानी

खूब पानी पिएं। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्त और वंदना लूथरा का कहना है कि पानी त्वचा के लिए वरदान है। पानी में कुछ मसालों का प्रयोग करके उसे और भी फायदेमंद बनाया जा सकता है। जिसका एक आसान तरीका यह है कि पानी उबालें और उसे एक जार में डाल दें। अब उसमें काली मिर्च पाउडर, गुलाब की 5-6 पंखुड़ियां और एक चुटकी इलायची पाउडर डालकर जार ढंक दें। फिर इसे थोड़ा-थोड़ा दिन में कई बार पिएं। ठंडाई का भी सेवन करे।

मालिश दे युवा त्वचा

तेल मालिश से त्वचा स्वस्थ और लंबे समय तक युवा रहती है। बेहतर परिणाम के लिए नहाने से पूर्व रोजाना हर्बल तेल से अपनी त्वचा की मालिश करे। अपने मनपसंद बॉडी ऑयल से नहाने के 45 मिनट पूर्व तेल मालिश करें। फिर पानी में रोज एसेंशियल ऑयल डालकर नहाएं।

सीखें खुश रहना

जब आप अच्छी-अच्छी बातें सोचती है और खुश रहती है तो आपके चेहरे पर एक अलग चमक और रौनक आ जाती है। खुश रहने से त्वचा में एकत्रित नमी का संतुलन बना रहने के साथ ही रक्तसंचार भी सुचारु रूप से होता है। खुलकर हंसना एक अच्छी एक्सरसाइज भी है। आप खुद ही आजमाकर देख लीजिए।

अपने लिए निकालें समय

अपने व्यस्त जीवन में अपने लिए समय निकालना भी बेहद जरूरी है। हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा निकालें जो सिर्फआपके नाम हो। इस दिन आप अपने हाथों, पैरों और त्वचा की संपूर्ण सफाई के लिए कुछ घरेलू पैक बनाएं। सौंदर्य विशेषज्ञा सुपर्णा त्रिखा कहती है कि अगर आपके पास ज्यादा समय न हो तो कोई एक गूदेदार मौसमी फल को मैश करके त्वचा पर हलके हाथों से कुछ देर स्क्रब करे। फिर ऐसे ही छोड़ दें। फिर ठंडे पानी धोकर पोंछ लें। इसी प्रकार हाथों और पैरों का सौंदर्य बढ़ाने के लिए हलके गर्म पानी में कुछ बूंदें ग्लिसरीन और आधा चम्मच पिसी फिटकरी मिलाकर अपने हाथों और पैरों को उसमें डुबोएं।

फिर नीबू के छिलके से कोहनियों को अच्छी तरह साफ करे। साफ पानी से धोकर सुखा लें। फिर बॉडी क्रीम लगाएं। अगर आप हफ्ते में एक बार भी ऐसा करती है तो त्वचा के लिए जरूरी पोषण आसानी से मिल जाएगा। ऐसे ही कुछ आसान तरीके अपनाकर आप अपनी त्वचा ही नहीं, बल्कि तन और मन को स्वस्थ रख सकती है।

त्वचा को ताजगी देने वाले नायाब फेसपैक

चेहरे की चमक और सौंदर्य अधिक समय तक कायम रहे, इसके लिए उसकी कुदरती देखभाल बहुत जरूरी है। फिर कुदरत ने हमें ऐसे अनमोल उपहार भी तो दिए है जिनके उपयोग से न सिर्फ रंगत में निखार आता है, बल्कि त्वचा कोमल, साफ-सुथरी और चमकदार हो जाती है। अगर शुरू से ही आप नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करे तो आपकी त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ और खूबसूरत बनी रह सकती है। उसमें कसाव और लचीलापन भी बरकरार रह सकता है। प्रकृति ने हमें तमाम ऐसी चीजें उपहार में दी है जिनके सही उपयोग से हमारी त्वचा लंबे समय तक युवा, आकर्षक और तरोताजा बनी रह सकती है। इस बार सखी कुछ ऐसे ही चुनिंदा प्रकृतिप्रदत्त फेसपैक सौंदर्य बढ़ाने के लिए लाई है, जिन्हे अपनाकर आप वाकई लाजवाब और सुंदर नजर आएंगी, वह भी कुदरती तौर पर।

क्यूकम्बर पैक

1.1/2 छिला हुआ खीरा
2. 1 टी स्पून मिल्क पाउडर
3.1 टी स्पून नारियल पानी
4. 2 टेबल स्पून खरबूजे का गूदा

सभी को मिक्सी में डालकर खूब अच्छी तरह पेस्ट बना लें। चेहरे और गर्दन में लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर हलका-सा मलकर छुड़ाएं। यह पैक आपको दिनभर के लिए तरोताजा कर देगा और ठंडक भरा एहसास देगा।

1.1/2 कसा हुआ खीरा
2. 1 टी स्पून शहद
3. 2 टेबल स्पून दूध
4.1 बूंद पिपरमिंट ऑयल
5. 1 टी स्पून ठंडा पानी

सभी सामग्री को एकसाथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ठंडे पानी चेहरा साफ कर लें। फिर चेहरे पर मॉयस्चराइजर लगाएं। त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए हर मौसम में मॉयस्चराइजर लगाना जरूरी होता है। यह पैक त्वचा को मुलायम बनाता है और उसे पोषण देने के साथ ही ताजगी प्रदान करता है। गर्मियों में यह फेसपैक हर प्रकार की त्वचा के लिए आदर्श है।

त्वचा की रंगत बनाए रखने के लिए

1. 1/2 कप लैनोलिन
2.1 कप ताजा कटा हुआ लैटयूज
3. 2 बूंद आपका मनपसंद परफ्यूम

लैनोलिन को शीशे के ग्लास में डालें और एक पैन में खूब गर्म पानी भरकर ग्लास को रखें ताकि लैनोलिन पूरी तरह से पिघल जाए। फिर उसमें कटे हुए लैंटयूज के पत्ते डालकर चलाएं और गर्म रखें। पानी से ग्लास हटाकर ठंडा करे फिर लकड़ी के चम्मच से खूब अच्छी तरह फेंटे। जब ठंडा हो जाए तब चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद चेहरा धो लें। लैटयूज एक बेहतर स्किन रिफाइनर है। यह त्वचा को पोषण भी देता है और कांतिमय भी बनाए रखता है।

1.1 टुकड़ा पका पपीता

पपीते को मसल कर चेहरे पर लगाएं। आंखों का हिस्सा छोड़कर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ताजे पानी से चेहरा साफ करे। ऐसा हफ्ते में दो बार करे। यह त्वचा को ताजगी प्रदान करेगा और लंबे समय तक युवा बनाए रखेगा।

1. 1/2 कप ताजा स्ट्रॉबेरी 2.1 टेबल स्पून ओटमील

स्ट्राबेरी को मसलकर पेस्ट बना लें फिर उसमें ओटमील मिलाएं। आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें। चेहरे की रंगत बढ़ाने के लिए स्त्रियां बरसों से स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल करती रही है।

एंटी रिंकल क्रीम

1. 50 ग्राम शुद्ध शहद
2. 25 ग्राम व्हाइट वैक्स
3. 50 ग्राम क्रशड व्हाइट लिली
4. 50 ग्राम प्याज का रस सभी सामग्री को किसी नॉन मेटैलिक कंटेनर में डालकर धीमी आंच पर पकाएं। अच्छी तरह चलाएं जब तक कि वैक्स पिघल न जाए। ठंडा करें और अच्छी तरह मिलाएं। चेहरे और गर्दन पर नीचे से ऊपर की दिशा में हाथ को घुमाते हुए लगाएं।

एंटी रिंकल फेशियल मास्क ,

1. 4 अंडों सफेदी
2. 8 ग्राम आमंड ऑयल
3. 25 मिली. गुलाबजल
4.12 ग्राम चंदन पाउडर

अंडे की सफेदी को फेंटकर एक नॉन मेटैलिक पैन में डालें और फिर उसमें गुलाबजल मिलाकर 1/2 मिनट के लिए उबालें फिर उसमें आमंड ऑयल, चंदन पाउडर मिलाकर खूब अच्छी तरह ब्लेंड करे और बोतल में भर लें। जरूरत भर निकालकर चेहरे पर मास्क की तरह लगाएं और सूखने पर ऊपर से नीचे की दिशा में निकालें। ताजे पानी से साफकरके मॉयस्चराइजर लगाएं।

त्वचा में कसाव लाने के लिए

1.1 अंडे की सफेदी
2. 1 टेबल स्पून शहद

अंडे की सफेदी को खूब अच्छी तरह फेंटकर उसमें शहद मिलाएं। फिर आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। दस मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। फिर इसका चमत्कार देखें, त्वचा कसाव के साथ-साथ प्राकृतिक चमक आ जाएगी। दूर से ही आपकी त्वचा स्वस्थ नजर आएगी।

1. 2 टेबल स्पून मिल्क
2.1 नींबू का रस
3.1 टेबल स्पून ब्रैंडी

सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। कॉटन वूल की सहायता चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

1.1/2 कप पाउडर मिल्क
2.1 टेबल स्पून गर्म पानी
3. 3/4 टेबल स्पून दूध

सभी सामग्री मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे शेविंग ब्रश से चेहरे व गर्दन पर हलके हाथों से तब तक मलते हुए लगाएं जब तक कि त्वचा गुलाबी न नज़र आने लगे। हलके गर्म पानी से चेहरा साफ़ करे। दोबारा लगाएं और 5-10 मिनट बाद फिर से गुनगुने पानी से धोकर ठंडे पानी से धोएं।

1. 3 टेबल स्पून दरदरी बार्ली
2. 1 टी स्पून शहद
3.1 अंडे की सफेदी

सभी सामग्री को एकसाथ अच्छी तरह मिलाएं। फिर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। बार्ली त्वचा को ठंडक प्रदान करती है और शहद त्वचा में कसाव लाता और धूप से त्वचा को सुरक्षा प्रदान करने में मदद करता है।

क्लींजिंग मास्क

1. 2 टेबल स्पून ओटमील
2.बटर मिल्क या खीरा का जूस सभी सामग्री मिलाकर आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

जानकारी

कान दर्द से बचने के घरेलू नुस्खे

कान दर्द के घरेलू उपाय

कान में होने वाला दर्द बहुत असहनीय होता है। इसके पीछे कई कारण होते हैं जैसे कान पर चोट लग जाना या किसी प्रकार की समस्या आदि। इनसे बचने के लिए घर पर ही कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो कान दर्द से निजात

दिलाती हैं। आइए जानें कान दर्द के घरेलू नुस्खों के बारे में

मेथी
पांच ग्राम मेथी के बीज एक बड़ा चम्मच तिल के तेल में गरम करें। इसे छानकर शीशी में भर लें। हर रोज सुबह-शाम दो बूंद इसे कान में डालें। इसे कान पीप का उम्दा इलाज माना गया है।

यूकेलीप्टस का तेल
एक कटोरे में उबाला हुआ पानी लें,इसमें यूकेलीप्टस के तेल की कुछ बूंदें और एक चम्मच विक्स मिला दें अब एक तौलिए से अपने सिर को अच्छी तरह से ढक लें और नाक से सांस के माध्यम से वाष्प को जितना हो सके अंदर खींचें,यह अंदर के दबाव को कम कर कर्णस्राव को बाहर निकालने में मदद करता है।

नमक से सिंकाई
चार या पांच चम्मच नमक को सौसपेन में तबतक धीमी आंच पर भुनें जब तक की यह भूरे रंग का न हो जाए ,अब इस गर्म किए हुए भुने नमक को एक साफ कपड़े पर अच्छी तरह से लपेट लें और इसे कान के प्रभावित हिस्से में दो से पांच मिनट तक रखें , आप सूजन और दर्द में आराम महसूस करेंगे।

विटामिन सी का सेवन
अपने भोजन में अधिक से अधिक विटामिन-सी युक्त पदार्थो जैसे अमरूद ,नींबू ,संतरे ,पपीते अदि फलों का प्रयोग करें ये कान में होने वाले दर्द को कम करने में उपयोगी होते हैं।

सिरका
सफेद सिरके (वेनेगर) एवं रबिंग एल्कोहल के मिश्रण को दो बूंद ड्रॉपर की मदद कान में डालकर कान को कुछ समय(लगभग एक घंटे) तक रूई से बंद कर देने और इसी क्रम को बार-बार दुहराने से संक्रमण ठीक होता है।

अदरक
कान में दर्द की समस्या को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर कान में दर्द हो रहा है तो अदरक का रस निकालकर दो बूंद कान में टपका देने से भी दर्द और सूजन में काफी आराम मिलता है।

लहसुन
लहसुन की दो कलियों को अच्छी तरह से पीस लें अब इसमें एक चुटकी नमक मिलाकर ऊनी कपड़े से बनाई गई पुल्टीस को दर्द वाले हिस्से के ऊपर रखें ,इससे दर्द में आराम मिलेगा।

प्याज का रस
प्याज का रस निकाल लें,अब रुई के फाये या किसी वूलेन कपड़े के टुकड़े को इस रस में डुबाएं। अब इसे कान के ऊपर निचोड़ दें ,इससे कान में उत्पन्न सूजन,दर्द ,लालिमा एवं संक्रमण को कम करने में मदद मिलती है।

सरसों का तेल
दो या तीन बूँद सरसों का तेल संक्रमण युक्त कर्णविदना में लाभ देता है। एक साफ सुथरे तौलिये को गर्म पानी में डुबाएं और इसे संक्रमण युक्त कान के हिस्से के ऊपर दबाते हुए लगभग 20 मिनट तक रखें यह कर्णविदना से तुरंत आराम देता है।

तुलसी की पत्तियां
तुलसी के पत्तों का रस गुनगुना कर दो-दो बूंद सुबह-शाम डालने से कान के दर्द में राहत मिलती है। अगर अक्सर कान में दर्द होता है तो यह नुस्खा बहुत ही असरकारी साबित हो सकता है आपके लिए। तुलसी के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं जो दर्द में आराम दिलाते हैं।

थायराइड के मरीज को कभी नहीं करना चाहिए इन 5 चीजों का सेवन

थायरॉइड एक किस्म का हारमोन है। हमारे थायरॉइड ग्लैंड्स शरीर से आयोडीन लेकर इन्हें बनाते हैं। ये हारमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। जब ग्लैंड्स किसी वजह से ज्यादा हारमोन बनाने लगते हैं, तो उसे हम कहते हैं कि थायरॉइड बढ़ गया है। थायरॉइड का बढ़ा होना बड़ी दिक्कत देता है। महिलाएं इसकी सबसे ज्यादा शिकार होती हैं। इससे वजन बढ़ने के साथ ही बेचैनी, ठीक से नींद न आना, पीरियड का टाइम पर न आना, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी परेशानियां होने लगती हैं।

इसके इलाज के लिए डॉक्टर से मिलें और वक्त पर दवा लें। यह इतनी बड़ी बीमारी भी नहीं है कि काबू न आ पाए। इसके अलावा आपको इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी चीजें न खाएं, जिससे थायरॉइड से पैदा होने वाली परेशानियां और बढ़ जाएं। आइये आपको बताते हैं कि थायरॉइड में किन चीजों से परहेज जरूरी है।

कैफीन
कैफीन वैसे तो सीधे थायरॉइड नहीं बढ़ाता, लेकिन ये उन परेशानियों को बढ़ा देता है, जो थायरॉइड की वजह से पैदा होती हैं, जैसे बेचैनी और नींद में खलल। इसलिए आप कॉफी से थोड़ा दूर ही रहें तो ठीक है।

आयोडीन वाला खाना
हमने शुरू में ही बता दिया था कि थायरॉइड ग्लैंड्स हमारे शरीर से आयोडीन लेकर थायरॉइड हारमोन को पैदा करते हैं। ऐसे में जो लोग इसके ज्यादा होने से परेशान हैं, उन्हें ऐसे खाने से परहेज करना चाहिए, जिनमें खूब आयोडीन हो। सी फूड और आयोडीन वाले नमक को अवॉइड करें।

एल्कोहल
एल्कोहल यानी शराब, बीयर आदि शरीर में एनर्जी लेवल को प्रभावित करते हैं। इससे थायरॉइड से ग्रसित लोगों की नींद में दिक्कत की शिकायत और बढ़ जाती है। इसके अलावा इससे ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। शराब तो किसी के लिए अच्छी नहीं होती। इसकी वजह से मोटापा भी बढ़ता है।

वनस्पति घी
भारत में आमतौर पर हम इसे डालडा घी बोलते हैं। इस घी को दरअसल वनस्पति तेल को हाइड्रोजन में से गुजारकर बनाया जाता है। इस घी का इस्तेमाल खाने-पीने की दुकानों में जमकर होता है। इससे अच्छे कॉलेस्ट्रॉल खत्म होते हैं और बुरे बढ़ते हैं। बढ़े थायरॉइड से जो परेशानियां पैदा होती हैं, ये उन्हें और बढ़ा देता है।

रेड मीट
रेड मीट में कॉलेस्ट्रॉल और सेचुरेटेड फैट बहुत होता है। इससे वेट तेजी से बढ़ता है। थायरॉइड वालों का वेट तो वैसे ही आगे की ओर भागता है। इसके अलावा रेड मीट खाने से थायरॉइड के रोगियों को बदन में जलन की शिकायत होने लगती है। आप चिकन वगैरा ले सकते हैं, चिकन की चेस्ट में अच्छा प्रोटीन होता है और उससे फैट बढ़ने की दिक्कत नहीं होती।

योग से दूर करें थायराइड
थायराइड की समस्या थॉयरॉक्सिन हार्मोन के असंतुलन के कारण होती है। इस हार्मोन की वजह से पूरे शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिसमें ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन, वजन असंतुलन, रक्तचाप आदि लक्षण शामिल हैं। योग से शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कायाकल्प प्राचीन पद्धति का तरीका है। योग के विभिन्न आसन थायराइड पर नियंत्रण पाने के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए आपको नियमित योगाभ्यास की जरूरत होती है। आइए जानें कौन-कौन से आसन करके थायराइड के रोग को योग द्वारा भगाया जा सकता है।

विपरीत करणी आसन
सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं फिर अपने दोनों हाथों और दोनों पैर आपस में जोड़ें। अब दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पहले 30 डिग्री, फिर 60 डिग्री और 90 डिग्री तक आकर पैरों को रोक लें। अब दोनों हाथों को नितंबों पर रखकर पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों कुहनियों को जमीन पर ही रखें। अब पैरों को सीधा रखें और हथेलियों के सहारे कमर को ऊपर उठाने का प्रयास करें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस हाथों के सहारे कमर को नीचे लाएं। फिर पैरों को 90 डिग्री के कोण पर लाएं और इस स्थिति में थोड़ी देर रुकें। **यह योग उन लोगों को नहीं करनी चाहिए जिन्हें हाई ब्लडप्रेशर या हर्ट से संबंधित, स्पोंडलाइटिस और स्लिप-डिस्क की शिकायत है।**

मत्स्यासन व हलासन
मत्स्यासन में पीठ के बल सीधा जमीन पर लेट जाएं फिर अपने पैरों को आपस में जोड़ लें। अब दोनों हाथों को गर्दन की पास रखें और हथेलियों का सहारा लेते हुए गर्दन को उठाने का प्रयास करें। अब दोनों हाथों को जांघ पर रखें। वापस आते समय दोनों हथेलियों के सहारे गर्दन को दोबारा उसी स्थिति में वापस ले आएं। हलासन में पीठ के बल लेट कर अपने पैरों को मिला लें। अब धीरे-धीरे दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं और पैरों को 30, 60 और 90 डिग्री के कोण पर लाकर रोकें। अब दोनों हाथों पर जोर देकर पैरों को सिर की ओर थोड़ा सा झुकाएं। जब पैर जमीन को स्पर्श करने लगे, तो दोनों हथेलियों को क्रॉस करके बांधे और सिर पर रखें।

ब्रहममुद्रा व नाड़ीशोधन प्राणायाम
ब्रहममुद्रा आसन के लिए वज्रासन में या अपनी कमर सीधी करके बैठें और गर्दन को 10-15 बार ऊपर-नीचे, और फिर दाएं-बाएं करें। और इतनी ही बार क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। नाड़ीशोधन प्राणायाम में कमर और गर्दन सीधी करके बैठें और फिर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लेकर दूसरे नाक से निकालें। यही क्रिया फिर दूसरी नाक से भी करें। इस कम से कम 10 बार दुहराएं।

उष्ट्रासन व धनुरासन
घुटनों पर खड़े हो जाएं। फिर पीठ को पीछे की ओर झुकाते हुए दोनों हाथों से एड़ियों को पकड़कर गर्दन पीछे की ओर झुकाएं और पेट को आगे की तरफ उठाएं। चूंकि इस आसन में शरीर ऊंट की आकृति जैसा हो जाता है। इसलिए इसे उष्ट्रासन कहा जाता है। इस स्थिति में 10-15 बार सांस धीरे-धीरे लें और छोड़ें। धनुरासन में पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़ लें। (इस आसन में शरीर धनुष के सामान हो जाता है।) फिर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 बार धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लें और छोड़ें।

(यह सब आसन थायराइड को दूर करने के लिए है पर आप इस बात का ध्यान रखें कि इन आसनों को किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।)

सुझाव

घरेलू नुस्खों से कैसे करें इम्पेटिगो का उपचार

इम्पेटिगो एक बेहद ही संक्रामक त्वचा संकमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। हल्के मामलों का इलाज साफ-सफाई का ध्यान रखकर या घरेलू उपचार के साथ किया जा सकता है। आइए इम्पेटिगो के घरेलू उपायों के बारे में जानकारी लेते हैं।

घरेलू उपायों से करें इम्पेटिगो का इलाज

इम्पेटिगो बेहद ही संक्रामक त्वचा संकमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। आमतौर पर यह समस्या दो प्रकार के बैक्टीरिया यानी स्ट्रेप्टोकोकस प्योगेनेस और स्टेफाइलोकोकस के कारण होती है। बैक्टीरिया त्वचा को कट के माध्यम से संक्रमित करती है, अन्यथा स्वस्थ त्वचा में खुजली या एक्जिमा जैसे अन्य अंतर्निहित समस्याएं के कारण ऐसा होता है। हालांकि यह समस्या किसी को भी हो सकती है, लेकिन छोटे बच्चों और शिशुओं में यह बहुत ही आम है। अन्य जोखिम कारकों में स्वच्छता की कमी, गर्म मौसम और अन्य प्रकार के त्वचा संक्रमण, सूजन, डायबिटीज, कमजोर इम्यूनिटी शामिल है। इम्पेटिगो के लक्षण प्रकार पर निर्भर करते हैं। हालांकि आम लक्षणों में लाल चकत्ते, तरल पदार्थ से भरे छाले, खुजली, प्रभावित हिस्से पर खरोंच, त्वचा पर घाव और सूजन लिम्फ नोड्स शामिल है। इम्पेटिगो का इलाज हालत की गंभीरता पर निर्भर करता है।

इस्तेमाल का तरीका
- 2 कप गुनगुने पानी में एक चम्मच सफेद सिरका मिला लें।
- फिर कपड़े के उपयोग से मिश्रण को संक्रमित त्वचा को धो लें ।
- फिर त्वचा को ड्राई करके, ओवर-द-काउंटर एंटीबायोटिक क्रीम लगाये।
- हल्के से गॉज की मदद से संक्रमित हिस्से को कवर करें।
- इस उपाय को संक्रमण दूर होने तक दिन में 2 या 3 बार करें।

सफेद सिरका का प्रयोग ओरल

त्वचा की चिकित्सा के लिए संक्रमित हिस्से को साफ रखने के लिए बहुत जरूरी होता है। इसे साफ करने के लिए आप पानी या एंटीबायोटिक वॉश का उपयोग कर सकते हैं। आप सफेद सिरके के इस्तेमाल से खुद का एंटीबायोटिक मिश्रण तैयार कर सकते हैं। यह संक्रमण को फैलने से रोकने के साथ संक्रमित हिस्से को सूखने में मदद करता है।

टी ट्री तेलः टी ट्री ऑयल इस बैक्टीरिया के संक्रमण को फैलने से रोकता हैं। यह तेल मजबूत एंटी-माइक्रोबील और एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों से भरपूर होता है जो संक्रमण से लड़ने और लक्षणों से राहत देने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका : टी ट्री ऑयल ऑयल की कुछ बूंदों को एक चम्मच ऑलिव ऑयल में मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लें। इसे 20 से 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से साफ कर लें। कुछ दिनों तक इस उपाय को नियमित रूप से 2 से 3 बार करें। वैकल्पिक रूप से, गुनगुने पानी के एक छोटे से टब में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदे मिलाये। इस मिश्रण से प्रभावित हिस्से को दिन में कई बार धोने में प्रयोग करें।

अंगूर बीज का सत्तः अंगूर बीज का सत्त इम्पेटिगो के इलाज में कारगर है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण एक गैर विषैले कीटाणुनाशक के रूप में काम करता है।

इस्तेमाल का तरीका : अंगूर के बीज के सत्त में कुछ बूंदे 2 बड़े चम्मच पानी में मिलाएं। फिर इसे कॉटन बॉल की मदद से संक्रमित त्वचा पर दिन में 2 या 3 बार लगाएं। हो सकता है कि शुरुआत में आपको खुजली हो लेकिन इससे संक्रमण जल्द ही ठीक हो जायेगा।

प्रभावी उपाय लहसुनः लहसुन में मौजूद प्राकृतिक एंटीबायोटिक गुण बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते है। साथ ही यह खुजली और दर्द से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका : 2 चम्मच तिल के तेल में लहसुन की 2 से 3 कली कुचलकर जला लें। फिर इसे तेल को ठंडा होने दें। कुछ दिनों के लिए इसे नियमित रूप से प्रभावित त्वचा पर दिन में दो बार लगाएं। आप चाहे तो इसमें कच्चे लहसुन की कुछ कली को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगे। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2587

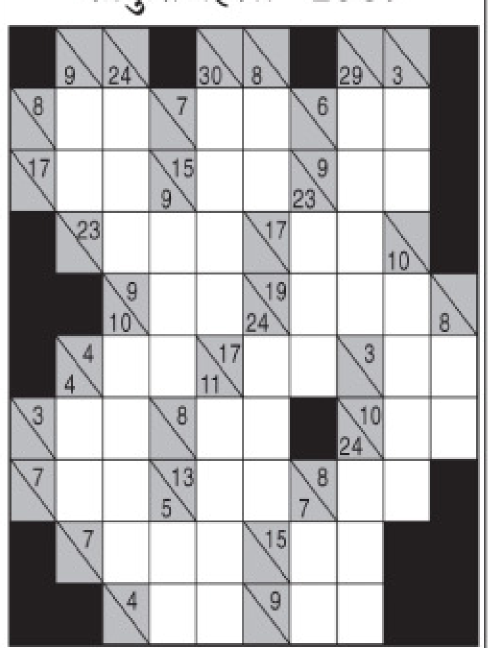

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2586 का हल

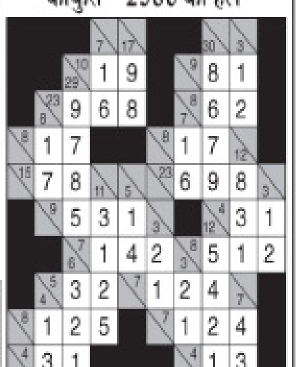

लॉफिंग ज़ोन

सड़क पर एक आदमी बेहोश होकर गिर गया, तो चारों ओर भीड़ लग गई. एक साहब चिल्लाए, अरे इसके मुंह मे थोड़ी-सी ब्रांडी डाल दो.

उन्होंने अपनी बात दो-तीन बार दोहराई, लेकिन शोरगुल में आवाज दब गई. थोड़ी देर बाद बेहोश होकर गिरने वाला आदमी उठा और यह कहकर फिर गिर गया कि अरे कोई उसकी बात भी सुन लो जो ब्रांडी पिलाने की बात कह रहा था.

☺ ☺ ☺

एक नेता को फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में आमंत्रित किया गया. बाद में विजेता टीम को पुरस्कार देने के बाद उन्होंने अपने छोटे से भाषण में कहा- 'बड़े अफसोस की बात है कि इतने बड़े देश में इतनी सारी टीम होते हुए भी फाइनल में एक ही टीम पहुंच सकी. हम खेल के स्तर मे सुधार की कोशिश करेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा टीम फाइनल में पहुंच सके.

☺ ☺ ☺

फिल्म की शूटिंग चल रही थी. जंगल का दृश्य था. निर्देशक ने अभिनेता से कहा- देखो, यह चीता पलटकर तुम्हारी ओर झपटेगा, तुम्हें तुरंत जीप से कूदकर उससे भिड़ जाना है. समझ गए न?

'हां, मै तो समझ गया', अभिनेता ने मुस्कराते हुए कहा- पर क्या चीता समझ गया है कि उसे क्या करना है?

फिल्म वर्ग पहेली- 2587

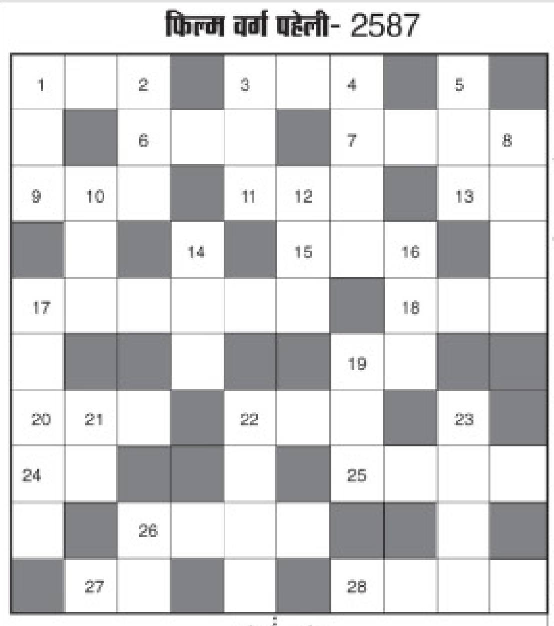

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2586

सूडोकु -2587

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2586 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 2587

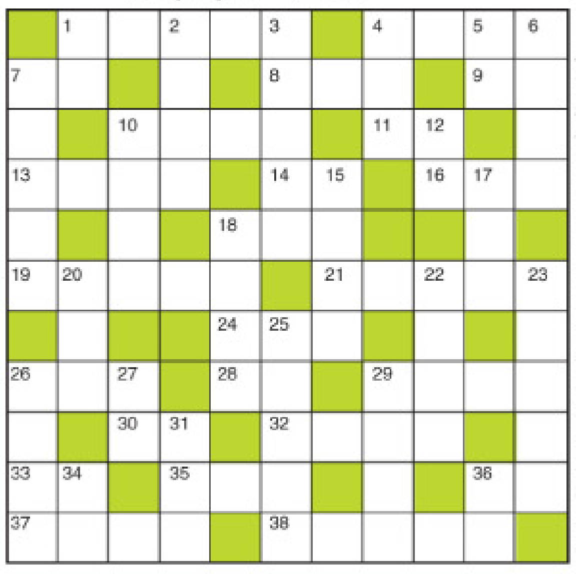

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, दो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -2586 का हल

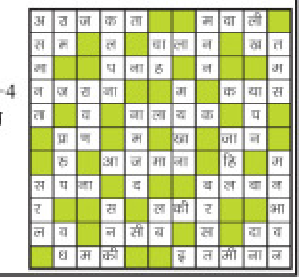

झारखंड की 45 लाख महिलाओं को मईयां सम्मान की दूसरी किस्त ट्रांसफर

एजेंसी

बोकारो। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य की 45 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में मइयां सम्मान योजना की दूसरी किस्त के रूप में 322 करोड़ की राशि ट्रांसफर की। इस मौके पर बोकारो जिले के ललपनिया स्थित आदिवासियों के सबसे बड़े तीर्थस्थल लुगुबुरु घंटाबाड़ी में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। महिलाओं से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि वह भाई के रूप में उनके हित में काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि माताएं-बहनें उन्हें याद रखेंगी। मुख्यमंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे विरोधी नहीं चाहते कि मैं महिलाओं, बहन-बेटियों, गरीब-गुरबों, किसानों-मजदूरों, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के लिए काम करूं। इसलिए 2019 में सरकार बनाने के साथ ही इसे गिराने की साजिशें शुरू हो गईं। लेकिन, जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। हम हर वर्ग के लिए योजनाएं बनाकर उन्हें धरातल पर उतारने के प्रति कृतसंकल्प हैं। सोरेन ने कहा कि हम गरीबों का बिजली बिल और किसानों का लोन माफ कर रहे हैं, लेकिन, केंद्र की सरकार पूंजीपतियों के लाखों-करोड़ों रुपए माफ कर रही है। उसे गरीबों का खयाल नहीं है। अगले दो-तीन महीनों में होने वाले चुनाव को देखते हुए पूरे राज्य में राजनीतिक गिद्ध मंडराने लगे हैं। कोई असम से आ रहा है तो कोई छत्तीसगढ़ से।

भामाशाह डेटा सेंटर में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने की समीक्षा बैठक

जयपुर। राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने हाल ही में भामाशाह डेटा सेंटर में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने और नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं उपलब्ध कराना था। कर्नल राठौड़ ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 2024-25 के परिवर्तित बजट में दी गई घोषणाओं का समयबद्ध और त्वरित कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर दिया कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए आधुनिकतम तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। बैठक में आईस्टार्ट परियोजना पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें कर्नल राठौड़ ने संभागीय स्तर पर इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों में सभी आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध होने चाहिए ताकि नए स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिल सके। इसके साथ ही, उन्होंने एग्रीटेक और मेडिटेक क्षेत्रों में एक प्रमुख अनुसंधान केंद्र की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया, जो इन क्षेत्रों में नवाचार और विकास को बढ़ावा देगा।

अरविंद केजरीवाल की जमानत पर बोली भाजपा, जेल वाला मुख्यमंत्री अब बेल वाला हो गया

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में सशर्त जमानत दे दी है। इस मामले पर अब भाजपा की प्रतिक्रिया आई है। भाजपा ने कहा कि जेल वाला मुख्यमंत्री अब बेल वाला मुख्यमंत्री बन गया है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पार्टी नेता गौरव भाटिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पर दो केस चल रहे हैं। सीबीआई केस में आज सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर आया है। दूसरा केस ईडी का है। ईडी वाले मामले में 12 जुलाई को मिली जमानत में कंडीशन बी में लिखा गया है कि केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री के दफ्तर में नहीं जा सकते हैं। ये कैसा मुख्यमंत्री है जो खुद मुख्यमंत्री के दफ्तर नहीं जाता। मुख्यमंत्री का जो चरित्र होता है, उसे दागदार कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक कंडीशन और है कि अगर कोई संवैधानिक पद पर मुख्यमंत्री है और उस पर इस तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक पद पर जो व्यक्ति बैठा है, उसमें इतनी नैतिकता, इतनी शर्म बची होगी कि वह संविधान की दृष्टि से दिल्ली की जनता के हित के लिए इस्तीफा देगा। कट्टर बेईमान अरविंद केजरीवाल से नैतिकता की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इस आदेश के आने के बाद भी उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया।

स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होने से 29 की मौत, मुख्यमंत्री बनर्जी ने की आर्थिक मदद की घोषणा

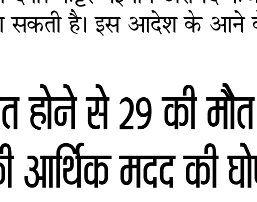

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म व हत्या के विरोध में धरना दे रहे जूनियर डॉक्टरों पर राज्य सरकार ने दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होने से 29 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के आश्रित को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की। मुख्यमंत्री ममता ने एक्स पोस्ट में कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होने से 29 लोगों की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य को बेशकीमती जानों का नुकसान हुआ है। यह दुखद घटना लंबे समय से चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के कारण हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार मृतकों के परिजनों की मदद के लिए दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी।

स्वामी विवेकानंद ने सनातन संस्कृति का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया : चंपत राय

एजेंसी

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महामंत्री चंपत राय और योगगुरु स्वामी रामदेव ने पतंजलि योगपीठ में दो दिवसीय युवा धर्म संसद का शुभारंभ किया। युवा धर्म संसद के पहले दिन वक्ताओं ने युवाओं काआह्वान किया कि वह राष्ट्र भावना को सर्वोपरि रखते हुए जीवन में आगे बढ़ें।

शिकागो धर्म सम्मेलन में दिए गए स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक उद्बोधन को लक्ष्य कर सेवाज्ञ संस्थानम् की ओर से आयोजित युवा धर्म संसद में देश के 24 राज्यों के युवा भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महामंत्री तथा विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय ने

स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म सम्मेलन में दिए गए भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि उस वक्त स्वामी विवेकानंद ने सनातन संस्कृति का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया था। उन्होंने सहष्णुता को लेकर स्वामी विवेकानंद द्वारा की गई व्याख्या की चर्चा की और कहा कि सभी को स्वामी विवेकानंद की शक्ति प्राप्त है, बस उसे पहचानने की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वो राष्ट्रहित के लिए सदैव अग्रणी भूमिका में बने रहे।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश का युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सनातन धर्म को विश्व में पहचान मिल रही है। सनातन संस्कृति की योग विद्या को पूरी दुनिया अपना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को हमें मिलकर कामयाब करना है। आने वाले 25 साल की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर है, वह हमारी युवा शक्ति ही है। युवा शक्ति को संगठित होकर राष्ट्र के लिए समर्पित होना होगा। युवा देश की तरक्की और उन्नति के लिए सही दिशा में काम करे तो वह दिन दूर नहीं जब भारत फिर से विश्वगुरू बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नींव को मजबूत करने के लिए यह युवा धर्म संसद मील का पत्थर साबित होगी। उत्तराखंड सरकार युवाओं को प्रोत्साहन देकर स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वह जिस क्षेत्र में भी जाए, राष्ट्र भावना को सर्वोपरि रखें। अपने संकल्प में कोई विकल्प न रखें। हमें रोजगार देने वाले युवा बनना है और इसके लिए मिलकर प्रयास करना होगा। युवा धर्म संसद की अध्यक्षता कर रहे योगगुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि युवाओं को सदैव उत्साह से लबरेज रहना चाहिए। युवाओं को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाना चाहिए। युवाओं में शौर्य, वीरता और पराक्रम के साथ विनम्रता भी होनी चाहिए। स्वामी रामदेव ने सनातन धर्म के चारों वर्णों के बारे में बताते हुए कहा कि जब तक राम और कृष्ण के वंश के लोग जिंदा है तब तक विधर्मी अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह अपने धार्मिक ग्रंथों के बारे में जानकारी जरूर रखें। मुस्लिम समाज के 50 प्रतिशत लोगों को कुरान की जानकारी होती है, लेकिन हिन्दू समाज को हमारी गीता में कितने अध्याय है इसकी भी ठीक से जानकारी नहीं होती। गीता के प्रमुख श्लोक हमें कंठस्थ होने चाहिए।

भारत को कोई सुई भी चुभेगी,तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगाः धनखड़

एजेंसी

अजमेर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्र को स्वहित और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में राष्ट्रवाद से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और शत्रुओं को प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए। श्री धनखड़ ने राजस्थान के अजमेर में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी हालत में दुश्मन के हित को प्रोत्साहन नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा, ÷ दुखद विषय है, चिंता का विषय है, चिंतन का विषय है, मंथन का विषय है कि अपने में से कुछ भटके हुए लोग संविधान की शपथ के बावजूद भारत मां को पीड़ा दे रहे हैं। राष्ट्रवाद के साथ समझौता कर रहे हैं। राष्ट्र की परिकल्पना को समझ नहीं पा रहे हैं। पता नहीं कौन से स्वार्थ को ऊपर रख कर भारत मां को लहुलुहान करना चाहते हैं। हमारे भारत को कोई सुई भी चुभेगी, तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगा।उप

राष्ट्रपति ने कहा कि हर भारतीय देश के बाहर कदम रखता है तो वह भारतीय राष्ट्रवाद का राजदूत है। भारतीय संस्कृति का राजदूत है। इसको पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रतिपक्ष के नेता के रूप में प्रमाणित किया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री दूसरे दल के थे, कांग्रेस पार्टी के थे, नरसिम्हा राव जी थे, भारत का नेतृत्व विदेश में एक महत्वपूर्ण संवेदनशील मुद्दे पर, कश्मीर से जुड़े मुद्दे पर अटल बिहारी वाजपेयी ने किया वह प्रतिपक्ष के नेता थे। श्री धनखड़ ने कहा कि देश के अंदर या बाहर ऐसा काम नहीं करना चाहिए तो देश के साथ उपयुक्त आचरण नहीं है।भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा नहीं देता है, राष्ट्रवाद को कुंठित करता है। उन्होंने कहा, ÷ हमारे सपने पूरे करो, दुश्मनों के सपने पूरे करने में क्यों लगे हुए हो। इतिहास ने उनको कभी माफ नहीं किया है जिन्होंने देश के साथ ऐसा आचरण किया है। उन्होंने कहा कि मूल अधिकारों के साथ-साथ मूल कर्तव्यों पर भी बात करना अति आवश्यक है।भारतीय संविधान के चौथे भाग में नीति निर्देशक सिद्धांत हैं। इसमें भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र में उपदेश देने का चित्र हैं। उन्होंने कहा, वह उपदेश है, एकाग्रता से, बिना भटके हुए, बिना रिश्तों को देखे हुए लक्ष्य प्राप्ति करो। और हमारे लक्ष्य क्या हैं? हमारा राष्ट्रवाद। हमारा लक्ष्य है, हमारा भारत। श्री धनखड़ ने कहा कि पिछले 10 साल में पारदर्शी और उत्तरदायित्वपूर्ण शासन व्यवस्था मिली है और कोई कानून से ऊपर नहीं है। लेकिन कुछ लोगो को इससे छटपटाहट है और परेशानी है।

गांधीनगर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डूबने से 8 लोगों की मौत, 2 लापता

एजेंसी

गांधीनगर। जिले की देहगाम तहसील के वासणा सोगठी गांव के पास मेश्वो नदी में गणपति विसर्जन के दौरान 10 लोग डूब गए। इनमें 8 लोगों का शव बरामद किया गया है। बाकी 2 लोगों की तलाश जारी है। स्थानीय प्रशासन ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि 8 शवों को पोस्टमार्टम के लिए निकटवर्ती अस्पताल में ले जाया गया है। पिछले 6 दिन के दौरान गणपति विसर्जन के दौरान डूबने की यह चौथी घटना है, जिसमें अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार को पाटण में 4, नडियाद में 2 और जूनागढ़ में एक युवक की मौत हो गयी थी।

वासणा सोगठी गांव के समीप मेश्वो नदी में गणपति प्रतिमा का विसर्जन करने लोग गए थे। इसी दौरान 10 लोग पानी में डूबने लगा। घटना की जानकारी होने पर स्थानीय तैराकों समेत फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई। एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गयी है।

सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (वीएलएसआरएसएएम) के एक के बाद एक सफल उड़ान परीक्षण किए हैं। लगातार दूसरा परीक्षण किया गया। इससे एक दिन पहले भी 12 सितंबर को भी चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया था।

एक बार फिर ओडिशा के चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) व भारतीय नौसेना ने मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

किए गए परीक्षण में मिसाइल ने बहुत कम ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए समुद्र में खतरे का अनुकरण किया और इस दौरान एक उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य को रोक दिया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इससे लक्ष्यों को बेअसर करने की इस मिसाइल की सटीकता और क्षमता का प्रदर्शन हुआ है। यह दर्शाते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षणों के लिए

परीक्षण 12 सितंबर, 2024 को हुए पहले परीक्षण के बाद किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 12 सितंबर को किए गए पहले परीक्षण में वीएलएसआरएसएएम मिसाइल ने कम ऊंचाई वाले एक अन्य लक्ष्य को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया था। ये लगातार परीक्षण हथियार प्रणाली की विश्वसनीयता को प्रदर्शित करते हैं। साथ ही साथ इस हथियार प्रणाली के विभिन्न घटकों में किए गए हालिया अपग्रेडशन को भी डीआरडीओ, भारतीय नौसेना एवं सभी संबद्ध टीमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस यह मिसाइल सशस्त्र बलों की तकनीकी क्षमता को और अधिक संवर्द्धित करेगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने भी वीएलएसआरएसएएम प्रणाली के उड़ान परीक्षणों में शामिल टीमों को बधाई दी है।

बेंगलुरु-तिरुपति राजमार्ग पर भीषण हादसा, आठ की मौत, कई घायल

एजेंसी

चित्तूर। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के पालमानेर में बेंगलुरु-तिरुपति राजमार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। यह हादसा मोगिली घाट के पास हुआ, जहां दो लॉरी एक बस से टकरा गई। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए हैं।

पुलिस का कहना है कि मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। यात्री बस बेंगलुरु से तिरुपति की ओर जा रही थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल की टीम मौके पर पहुंची।

आनन-फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए तमिलनाडु के वेल्लोर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे के बाद, बेंगलुरु-तिरुपति राजमार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है, और वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लिया और पीड़ितों को उपलब्ध कराए जा रहे राहत उपायों और चिकित्सा सहायता के बारे में

जानकारी ली। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया है और मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ी रहेगी और आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि इस हादसे से वह बहुत आहत हैं। ऐसी घटनाओं को भविष्य में रोकने के लिए उन्होंने परिवहन विभाग को कड़े सुरक्षा उपाय करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है। परिवहन मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मृतकों के परिवारों को सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से पार

ऋषिकेश। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में हो रही मूसलाधार बारिश का असर मैदानी भागों में दिखाई दे रहा है।

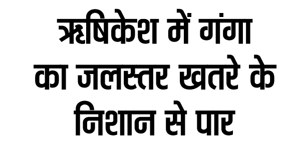

ऋषिकेश में तेज बारिश से गंगा और उसकी सहायक नदियां ऊफान पर आ गई है। गंगा घाट और तट जलमग्न हो गए हैं। गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा के पार पहुंच गया है। त्रिवेणी घाट पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। इसे देखते हुए प्रशासन की टीम तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट कर रही है। गंगा घाटों और तटों पर जल पुलिस के कर्मचारी तैनात किए गए। तटीय इलाकों में रहने वालों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए मुनादी की गई।

खेजडली धाम को भव्य बनाने के हरसंभव प्रयास होंगे - दिया कुमारी

जोधपुर, । उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जोधपुर के खेजड़ली शहीद मेले में शिरकत की। उन्होंने मां अमृता देवी शहीद स्मारक पहुंचकर 363 पर्यावरण के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री ने गुरु जम्भेश्वर भगवान के मंदिर में पूजा अर्चना की एवं प्रदेश के खुशहाली के लिए कामना की। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण एवं जीवरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों की पावन धरा को नमन करती हूं। उन्होंने कहा 'पेड़ है तो जल है,जल है तो कल है' इस विचार को हम आज समझ रहे है किंतु आज से लगभग 300 वर्ष पूर्व मां अमृता देवी सहित 363 लोगों ने शहादत देकर पर्यावरण संरक्षण एवं जीव रक्षा का

संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व पटल पर्यावरण संरक्षण एवं जीव रक्षा के साथ पृथ्वी को सुरक्षित बनाने के कृत संकल्पित होकर कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण में पर्यावरण का सर्वाधिक योगदान होगा। दिया कुमारी ने कहा गुरु जम्भेश्वर भगवान के आदर्शों पर चलकर बिश्नोई संप्रदाय पर्यावरण की रक्षा कर प्रकृति को बचाकर मानव सेवा के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप हम मां अमृता देवी का भव्य स्मारक बनाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने जोधपुर- खेजड़ली-जाडन फोर लेन सड़क मार्ग निर्माण की घोषणा की और कहा इस सड़क मार्ग का नाम 'शहीद अमृतादेवी बिश्नोई सड़क मार्ग होगा। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि मारवाड़ के लोगों के लिए खेजड़ी का वृक्ष किसी वरदान से कम नहीं है, हमें इसके संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता है। खेजड़ी से प्राप्त लघु वन उपज से किसानों को आर्थिक संबल भी मिलता है। उन्होंने खेजड़ली बलिदान एवं पर्यावरण संरक्षण के इतिहास से आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

ज्ञानवापी मामले में तहखाने की छत पर नमाज रोकने से अदालत का इनकार

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी की अदालत ने ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें यह मांग की गई थी कि व्यास जी तहखाने की छत पर मुस्लिमों के नमाज अता करने पर रोक लगाई जाए। हिंदू पक्षकारों ने 'कमजोर छत' को अपनी मांग की वजह बताते हुए तर्क दिया था कि छत किसी भी वक्त क्षतिग्रस्त हो सकती है। व्यास जी के तहखाने में हिंदू जहां पूजा-अर्चना करते हैं, वहीं मुस्लिम पक्ष उसकी छत पर नमाज अता करता है। ऐसे में यह जगह दोनों ही समुदायों के लिए आस्था के साथ-साथ कानूनी लड़ाई का भी अखाड़ा बन गया है।

हिंदू पक्ष ने अदालत में तर्क दिया कि अगर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग व्यास जी तहखाने की छत पर नमाज अता करेंगे, तो इस बात की प्रबल आशंका रहेगी कि छत ध्वस्त हो जाए, यह जानलेवा भी हो सकता है। लिहाजा अच्छा रहेगा कि मुस्लिम समुदाय के वहां नमाज पढ़ने पर रोक ही लगा दी जाए। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) हितेश अग्रवाल की अदालत द्वारा याचिका खारिज करने पर हिंदू पक्ष ने निराशा जाहिर की। उसने अदालत से कहा कि याचिका तो खारिज कर दी गई, लेकिन अगर कभी छत ध्वस्त हो गई और कोई जानलेवा हादसा हुआ, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? हिंदू पक्ष ने अब जिला अदालत में जाने का फैसला कर लिया है, जिससे स्पष्ट है कि अब इस मामले में कानूनी लड़ाई लंबी खिंच सकती है। कानपुर की आकांक्षा तिवारी, लखनऊ के दीपक प्रकाश शुक्ला, अमित कुमार और सुविद प्रवीण ने 16 दिसंबर 2023 को यह कहते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था कि व्यास जी का तहखाना बहुत पुराना और जर्जर हो चुका है। इसके पिलर भी कमजोर हैं। नमाजियों के यहां आने-जाने से गंभीर हादसा हो सकता है, जो कि जानलेवा भी साबित हो सकता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि यहां मुस्लिम समुदाय के लोगों के आने पर रोक लगाई जाए और उन्हें यहां नमाज अता करने से रोका जाए। हिंदू पक्ष की इस याचिका के विरोध में मुस्लिम पक्ष ने भी एक याचिका दाखिल कर दी थी। मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष द्वारा दी गई सभी दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया।

मंडी मस्जिद विवाद : गिराना पड़ेगा अवैध निर्माण, नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने सुनाया फैसला

एजेंसी

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी में जेल रोड मस्जिद मामले पर नगर निगम के आयुक्त कोर्ट ने अंतिम फैसला सुना दिया। एमसी मंडी आयुक्त एचएच राणा ने कहा कि मस्जिद के अवैध ढांचे को 30 दिन के भीतर पुराने स्वरूप में लाना होगा। आयुक्त कोर्ट ने माना कि मुस्लिम वेलफेयर कम्युनिटी को पर्याप्त समय देने के उपरांत जब अनुकूल परिणाम सामने नहीं आए तो एचपीटीसीपी अधिनियम 31 (1) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उल्लंघनकर्ताओं को विवादित स्थान को उसके मूलस्वरूप जैसा कि निर्माण से पहले का था, में 30 दिनों के भीतर लाने का आदेश पारित किया गया। इस दौरान दर्ज वार्तालाप में उल्लंघनकर्ताओं ने उक्त स्थान को उसके पूर्व स्थिति में लाने के लिए अपनी वचनबद्धता दोहराई। साथ ही पूरी प्रक्रिया को अपनाने के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। ऐसे में मुस्लिम वेलफेयर कम्युनिटी को बिना नक्शा पास करवाए किए अवैध निर्माण ढांचे को गिराना पड़ेगा। बता दें कि मामले को लेकर उल्लंघनकर्ताओं को गलतियों को सुधारने के लिए अक्तूबर 2023 से अक्तूबर 2024 का पर्याप्त समय दिया गया था। सुनवाई के दौरान मुस्लिम वेलफेयर कम्युनिटी की तरफ से प्रधान और दो वकील पेश हुए।

मामले में कब-कब क्या हुआ

अक्तूबर 2023 में धनश्याम

पुत्र टोडरमल ने निगम को पत्र लिखकर मस्जिद के अवैध निर्माण की जानकारी दी। निगम ने मौके पर पहुंच तथ्यों की जांच की तो पाया कि निर्माण कार्य किया जा रहा है। तब मस्जिद के पदाधिकारियों ने बताया था कि जून-जुलाई में हुई भारी बरसात के कारण मस्जिद का कुछ हिस्सा गिर गया था, जिसे ठीक कर रहे हैं। इस पर निगम ने निर्माण से पूर्व नक्शे की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए कहा लेकिन उन्होंने लंबे समय तक जमा नहीं करवाया।

अक्तूबर 2023 में ही मस्जिद पदाधिकारियों ने संशोधित नक्शा नगर निगम में जमा करवाया। जांच पर उक्त नक्शे में कई कमियां पाई गईं। इस पर निगम के अधिकारियों ने एचपीटीसीपी के तहत नक्शे को पुनः दुरुस्त कर जमा करने के लिए कहा। लेकिन मस्जिद की तरफ से किसी भी प्रकार की कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

2024 जून में निगम के अधिकारियों ने मौके पर निरीक्षण किया और पाया कि उक्त स्थान पर अवैध रूप से और बिना सूचना के दो मंजिला भवन का निर्माण कर दिया गया है। इस पर कड़ा संज्ञान लेते नगर निगम ने काम को तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया। लेकिन जब निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो निर्माण सामग्री जब्त कर ली।

2024 जुलाई में पुनः मामले की जांच आरंभ कर एक बार फिर भवन को एचपीटीसीपी नियमों के तहत लाने के लिए आदेश निगम ने दिए। इस दौरान भी मस्जिद के पदाधिकारियों ने इस विषय पर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। साथ ही अवैध निर्माण को दुरुस्त करने का भी कोई प्रयास नहीं किया था ।

करें खुद का आंकलन

क्या आप करियर में बदलाव के बारे में सोच रहे हैं एक सर्वे रिपोर्ट की मानें तो करीब 75 प्रतिशत से ज्यादा युवा मनचाही तरक्की न मिलने पर उसके बदलाव के बारे में सोचने लगते हैं, वहीं अधिकांश प्रोफेशनल्स ऐसे भी हैं, जो उसी जॉब में रहते हुए बेहतरी की उम्मीद करते हैं। उन्हें लगता है कि अपनी कोशिश और क्षमता की बदौलत वे सकारात्मक परिणाम दे पाने में सफल होंगे। यह सोचना बिल्कुल भी गलत नहीं है, लेकिन यह सब कुछ अपने आप पटरी पर नहीं आ पाता।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि हम ऐसा क्या करें कि हमारा करियर ट्रैक पर आ जाए और हम अपनी पिछली गलतियों को दोहराने से बच जाएं। इसके लिए सबसे पहले हमें खुद को यह भरोसा दिलाना होगा कि हमारे अंदर इतनी ऊर्जा और क्षमता है कि अपने करियर का मेकओवर करते हुए अपने लिए मनचाहा लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। यही है इंटरनल करियर ऑडिट।

रणनीति से मिलती है सफलता

जानकारियों के अभाव में हम ऐसी कई गलतियां कर बैठते हैं, जिनकी वजह से लक्ष्य से दूर होते चले जाते हैं। इसलिए हमें मन में यह गांठ बांधनी होगी कि सफलता कोई घटना नहीं है, जिसके परिणाम तत्काल सामने आ जाएंगे। इसके लिए पूरी प्लानिंग करनी होती है। इस समय करियर में तेजी से बदलाव हो रहा है और प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में हमें उन सभी जरूरी अवयवों (कंपोनेंट्स) को समझना होगा।

जिम्मेदारी भी आपकी

जिंदगी हमें आगे बढ़ने के कई अवसर देती है। कई बार हम उसके इशारे को समझते हुए अपने अंदर आमूलचूल बदलाव लाते हैं, जबकि कई बार हम उन इशारों को या तो समझ नहीं पाते या जानबूझ कर नजरअंदाज कर देते हैं। दरअसल ये सारी बातें जिम्मेदारी से जुड़ी होती हैं। असफलता या मनचाही सफलता हासिल न कर पाने के बाद समस्याओं का बहाना न बनाते हुए यह जिम्मेदारी लें कि आप जल्द उन कमियों को दूर करते हुए करियर को सही दिशा में ले जाने का सतत् प्रयास करेंगे।

इमेज मेकओवर भी जरूरी

करियर में रुकावट को खत्म करते हुए दोबारा आगे बढ़ने के लिए खुद से संकल्प लें, अपने आप को साबित करने के लिए लगातार कोशिश करें। इसी को बदलाव का सबसे उचित समय मानते हुए खुद से सवाल करें कि आप किस तरह से अपनी आदतों में नयापन ला सकते हैं। इस कड़ी में अपने बाल, चश्मे, मेकअप, कपड़े, जूते, बैठने व बातचीत का तरीका, मुस्कराहट आदि पर भी काम कर सकते हैं। आप जल्द ही महसूस करेंगे कि कई छोटी-मोटी दिक्कतें अपने आप दूर चली गईं और आप उसी करियर में खुद को मजबूत स्थिति में खड़ा पाएंगे।

विकल्पों की सूची

हर करियर का अपना दिशा-निर्देश और सीमाएं होती हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले हमें उन्हें समझना होगा, क्योंकि किसी भी सफलता की 80 प्रतिशत बुनियाद इस बात पर टिकी होती है कि हमारे अंदर कितनी क्षमता है और हम मन से क्या चाहते हैं। यह भी जानना जरूरी है कि हम करियर के किन-किन क्षेत्रों में बेहतर कार्य कर सकते हैं। अपने विकल्पों की सूची तैयार करें और उसमें जो कुछ भी अपने मुताबिक लगे, उसी दिशा में काम करने की कोशिश करें।

लक्ष्य तक पहुंचने का हो नजरिया

सफलता पाने का या खुद में बदलाव लाने का एक तरीका यह भी है कि हम अपने लिए जरूरी साक्ष्यों की तलाश करें। करियर की आपाधापी या जल्दबाजी के चक्कर में अकसर लोग ऐसे क्षेत्र में चले जाते हैं, जहां उनकी पसंद या मनमुताबिक काम नहीं होता या प्रमोशन पाने के लालच में वे ऐसे काम से खुद को लाद बैठते हैं, जो उनकी रुचि में आता ही नहीं है। इसका दुष्परिणाम यह होता है कि हम अपने लक्ष्य से भटकने लगते हैं। तीर तभी सही निशाने पर लगेगा, जब हमारा फोकस, डायरेक्शन और सकारात्मक ऊर्जा सही दिशा में काम करेंगे, अन्यथा हम खुद को असफल मानते हुए कोसते रहेंगे।

खुली आंखों से देखें सपने

हमें यह कतई नहीं भूलना होगा कि हम करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां हमें कुछ बदलाव करने की जरूरत है। हमें यह स्पष्ट करना होगा कि वे कौन से कदम उठाने हैं, जो करियर में आगे की ओर ले जाएंगे। इसमें जरा भी देरी और लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। जब आप सकारात्मक प्रयास करेंगे तो तमाम ऐसे रास्ते निकलेंगे, जो आपको लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद करेंगे।

नकारात्मकता से बचें

मैं कभी प्रमोशन नहीं पा सकता या मैं कभी मैनेजर नहीं बन पाऊंगा आदि कई तरह की नकारात्मक बातें हैं, जो मनमुताबिक अप्रेजल न होने या तरक्की की राह बाधित होने पर सामने आती हैं। निश्चित तौर पर ये बातें किसी भी प्रोफेशनल के आगे बढ़ने में बाधक हैं। दरअसल मनचाहा प्रमोशन न पाने या अप्रेजल ठीक से न होने पर नकारात्मक पहलू तेजी से मन-मस्तिष्क में पैठ बनाते हैं। ये रह-रह कर शब्दों के जरिए हमारे अंदर से निकलते रहते हैं। इसे किसी भी सूरत में उचित नहीं कहा जा सकता।

स्पष्टता हो

बतौर प्रोफेशनल आप अपने मजबूत क्षेत्रों में खुद को पहचानें। पूर्व में कुछ अच्छा किया है तो उसे भी सामने लाएं। साथ ही यह भी जाहिर करें कि आप किन क्षेत्रों में कुछ अच्छा करना चाहते हैं। आपको किसी तरह की ट्रेनिंग की जरूरत है तो उसे भी अपने बॉस से निस्संकोच कहें, लेकिन एक बात यह भी स्पष्ट होनी चाहिए कि जिन क्षेत्रों में आप कुछ करना चाहते हैं, उन्हें लेकर आपके पास एक प्लान होना चाहिए, ताकि आपके बॉस व संस्थान को भी लगे कि आप अपनी तरक्की के प्रति संजीदा हैं और संस्थान के प्रति प्रतिबद्ध।

कैसे बनें चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट

आर्थिक उदारीकरण के चलते कॉर्पोरेट क्षेत्र में करियर की संभावनाएं उज्जवल हुई हैं। इन क्षेत्रों में दक्ष युवाओं की मांग बढ़ने लगी है। कई कोर्स हैं जिनसे युवा इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। ऐसा ही एक कोर्स है चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट। कॉर्पोरेट सेक्टर में चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए) मांग बहुत बढ़ गई है। इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट ऑफ इंडिया (आईसीएफएआई) द्वारा सीएफए कोर्स का संचालन किया जाता है। यह कोर्स चार भागों में विभक्त है- 1. फाउंडेशन, 2. प्रिलिम्स, 3. इंटरमीडिएट. 4. फाइनल। यह दो वर्षीय कोर्स डिस्टेंस लर्निंग एजुकेशन सेंटर के जरिए किया जा सकता है। इस कोर्स के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक है। देशभर में इसके कुल 90 स्टडी सेंटर हैं। इसका नामांकन वर्ष में चार बार जनवरी, अप्रैल, जुलाई व अक्टूबर में होता है।

हिन्दी के रोजगारपरक पाठ्यक्रम

हिन्दी भाषा के पांच मुख्य रूप हैं। इन पांचों का समानान्तर विकास करने से हिन्दी की सर्वांगीण अभिवृद्धि होगी। समय की मांग है कि इन रूपों से सम्बद्ध रूपों को व्यवहारिक प्रशिक्षण (उपाधि, डिप्लोमा या प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम) के रूप में ढाल दिया जाय। प्रमुख पाठ्यक्रम हैं-

1. अनुवाद: यह सम्प्रति सर्वाधिक रोजगारपरक है। इसका एक समग्र उपाधि पाठ्यक्रम (एमए अनुवाद) कई विश्वविद्यालयों में चल रहा है। अनुवाद के कुछ आंशिक पाठ्यक्रम भी सम्भावित हैं, जैसे- वेटिंग (पुनर्शिक्षण)- जिसमें अनुवाद के भाषिक स्तर को सुधारने का प्रशिक्षण दिया जाता है। रूपान्तरण (ट्रान्सफार्मेशन)- जिसके अन्तर्गत कहानी, कविता-जैसी विधाओं का नाटक रूपान्तरण करने या पटकथा बनाने का अभ्यास कराया जाता है। लिप्यन्तरण (ट्रान्सक्रिप्शन)- हिन्दी के अनेक ग्रन्थ फारसी-गुरुमुखी आदि लिपियों में लिखे गये है। उनको देवनागरी लिपि में लिखना अत्यावश्यक है। यह स्वरोजगारपरक कार्य भी है।

2. शब्दावली निर्माण: अनुवाद के लिए वैज्ञानिक तथा तकनीकी परिभाषिक शब्दावली का संज्ञान प्राप्त करना और उसके निर्माण की प्रक्रिया को समझना अनिवार्य है। इसके विशेषज्ञों की खपत वैज्ञानिक तकनीकी पारिभाषित शब्दावली आयोग, नयी दिल्ली में निरन्तर सम्भावित है।

3. कोश विज्ञान: इसके अन्तर्गत शब्दकोश (द्विभाषी, त्रिभाषी, बहुभाषी) समानान्तर कोश, व्युत्पत्ति कोश, लोकोक्ति-मुहावरा कोश, संदर्भ कोश, पात्र-चरित्र कोश, इतिहास-पुराण कोश, उद्धरण-सूक्ति कोश, विचार कोश, विश्वज्ञान कोश आदि के निर्माण की प्रविधि सिखाई जाती है।

4. सम्पादन कला: इसके मुख्य तीन प्रकार हैं- समाचार-सम्पादन (अखबार, रेडियो एवं टीवी हेतु), पत्रिका (मासिक, त्रैमासिक, षटमासिक) सम्पादन, ग्रन्थ-सम्पादन (सामूहिक लेखन), मीडिया-लेखन- जन संचार-माध्यमों के अनुरूप आदि।

5. वाचन कला: मंच पर कविता या कहानी पढ़नी हो या मीडिया में कमेंट्री, कंपेयरिंग, उद्घोषणा और एंकरिंग करनी हो- इस प्रशिक्षण की उपयोगिता असंदिग्ध है।

6. उच्चारण विज्ञान: कम्प्यूटर में डिक्टाफोन तथा यूनीकोड के माध्यम से %टेक्स्ट टू स्पीच' की सुविधा सुलभ हो गई है। इसमें यदि शुद्ध उच्चारण नहीं करेंगे, तो पाठ विकृत हो जायगा। अत- यह प्रशिक्षण अनिवार्य होता जा रहा है। इसमें वाचिक अभिनय भी समाविष्ट है।

7. कम्प्यूटरीकरण: इसके अन्तर्गत वेब पोर्टल, ई-मेल, एसएमएस सर्च इंजन, शब्द संसाधन, डाटा प्रविष्टि स्पेलचेक, भण्डारण आदि भाषिक कार्यक्रम प्रशिक्षणसाध्य हैं।

8. सर्जनात्मक प्रशिक्षण: काव्य-कथा, नाटक-समीक्षा आदि सभी गद्य-पद्य विधाएं प्रशिक्षण सापेक्ष हैं। ब्लागिंग, ट्विटरिंग आदि भी सृजन-प्रशिक्षण के विषय हैं।

9. वैचारिक लेखन: ज्ञानविज्ञानपरक, परीक्षोपयोगी संन्दर्भ सामग्री का हिन्दी में अधिकाधिक लेखन अभीष्ट है। इसका प्रशिक्षण कार्यशालाओं में दिया जा सकता है।

10. राष्ट्रभाषा प्रशिक्षण: इसमें हिन्दी अधिकारियों तथा अनुवाद अधिकारियों के टिप्पण, मसौदा, लेखन, पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली, राजभाषा, परिनियमावली, अनुवाद आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

11. सम्भाषण कला: इसके द्वारा वक्तव्य देते हुए आरोह-अवरोह %वाल्यूम' आरपीएम यति, गति पाज आदि का विधान सिखाया जाता है।

12. पाण्डुलिपि-विज्ञान एवं पाठ-सम्पादन- इस विद्या द्वारा प्राचीन ग्रंथों हस्तलेखों तथा पुरालिपियों के पठन, अर्थापन और सम्पादन का प्रशिक्षण दिया जाता है।

13. विज्ञापन एवं प्रचार साहित्य लेखन: सम्प्रति पैम्पलेट, बुकलेट, लीफलैट, पोस्टर, बैनर, होर्डिंग, स्टिकर आदि में उपयुक्त नारा (स्लोगन), संदेश और प्रोक्ति प्रस्तुत करना अत्यंत लाभप्रद है। इसमें कापीराइटिंग का अभ्यास करके विज्ञापन एजेन्सी तथा जनसम्पर्क-कार्यालयों में रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

14. समारोह-प्रबंधन- हिन्दी भाषा-साहित्य से संबंधित समारोहों की समूची व्यवस्था करना %इवेण्ट मैनेजमेण्ट' का एक उद्योग बन गया है। यह स्वरोजगार का अच्छा निमित्त है।

15. प्रकाशन- हिन्दी-कृतियों का मुद्रण, प्रकाशन, वितरण, सर्वथा लाभप्रद उद्योग हैं। इसमें सम्पादक, प्रूफ रीडर, बिक्री एजेण्ट आदि कई पदों की गुंजाइश है।

16. हिन्दी भाषा-शिक्षण- अनेक विदेशी बन्धु ज्ञानलाभ या बाजार के उद्देश्य से बोलचाल की हिन्दी के लघु प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। हिन्दी में यों भी हजारों अध्यापकों की जरूरत है। निकट भविष्य में शोध-निर्देशक भी वैज्ञानिक होंगे और शोध-कार्य भी प्रायोजित (वित्तपोषित) हो जायंगे। इनसे रोजगार बढ़ेगा।

17. टंकण- इसमें नौकरी की सम्भावना बराबर विद्यमान रहती है।

18. हिन्दी-सुलेख- यह भी एक बाजारोपयोगी कला है। इसके सहारे नये-नये फाण्ट का विकास भी सम्भावित है।

19. सूचना-सन्दर्भ-केन्द्र का संचालन- हिन्दी इण्टरनेट के सहारे शोध-विषयों, संदर्भ-ग्रंथों, पत्र-पत्रिकाओं, संस्थाओं एवं हिन्दी जगत की समूची गतिविधियों की जानकारी देने वाले 'काल सेण्टर्स' भुगतान लेकर सूचनाएं देने का कार्य शुरू कर दें, तो यह कार्य स्वार्थ-परमार्थ दोनों दृष्टियों से सराहनीय सिद्ध होगा।

उपयुक्त पाठ्यक्रमों में अनेक प्रशिक्षण हिन्दी-जगत में चल रहे हैं।

आत्मविश्वास सफल जीवन का मूलमंत्र

सफलता के शिखर पर पहुंचने की चाह किसे नहीं होती? अधिकांश लोग इसके लिए प्रयास भी करते हैं लेकिन कामयाबी किसी-किसी को ही मिल पाती है। जो लोग मंजिल पर नहीं पहुंच पाते, वे इसके लिए अपने भाग्य को कोसते हैं और इसे नियति मानकर बैठ जाते हैं लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम है कि जीवन में सफलता पाने के लिए अपने भीतर कुछ विशिष्ट गुण पैदा करने पड़ते हैं जिन्हें हम सफलता के सूत्र भी कह सकते हैं। यहां कुछ ऐसे ही सूत्रों की चर्चा कर रहे हैं जिन्हें आत्मसात् करके आप अपने कार्य क्षेत्र में सफल हो सकते हैं।

आत्मविश्वास

प्रत्येक व्यक्ति निरन्तर विकास और सफलताओं के ख्वाब संजोता है लेकिन जब ख्वाब टूटने लगते हैं तो वह निराश व तनाव को अपने ऊपर हावी कर लेता है। उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि आज के प्रतिस्पर्द्धा वाले युग में कोई भी कार्य कठिन ज़रूर हो सकता है परन्तु असंभव नहीं। ज़रूरत है तो बस आत्मविश्वास की। ऐसी धारणा है कि मनुष्य की आधी क्षमता शरीर और कौशल के साथ जुड़ी होती है, और शेष क्षमता आत्मविश्वास के सहारे टिकी रहती है, परन्तु सभी इसका उपयोग नहीं कर पाते, जो करते हैं सफलता एक न एक दिन उनके कदम चूमती है। आत्मविश्वास से ही मनुष्य के भीतर की क्षमता जाग्रत होती है। कई लोगों में योग्यता व क्षमता तो होती है लेकिन आत्मविश्वास नहीं होता, इसलिए सफलता भी इनसे दूर रहती है।मनोवैज्ञानिक आत्मविश्वास को प्रेरणा का ही एक आयाम मानते हैं, जितनी अधिक प्रेरणा होगी, उतना ही अधिक आत्मविश्वास और सफलता की संभावना होगी। आत्मविश्वास बढ़ाने के कई तरीके हो सकते हैं। अपने अतीत की सफल घटनाओं को याद करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। अपना कोई आदर्श भी बनाया जा सकता है। अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहते हुए लगातार परिश्रम से अपने आत्मविश्वास को जगाया जा सकता है। इसी के बल पर अपनी संकल्प शक्ति को भी मज़बूत किया जा सकता है। आत्मविश्वासी बनकर आप व्यक्तिगत सफलता तो पाएंगे ही, समाज में भी आप को सम्मान मिलेगा।

क्षमताओं व शक्तियों का पूरा उपयोग करें

जीवन का लक्ष्य हमारे सामर्थ्य, इच्छाशक्ति और योग्यता पर आधारित होना चाहिए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए सबसे पहले यह ज़रूरी है कि आप यह तय करें कि आप किस रास्ते पर चलना चाहते हैं। उसके बाद यह सोचें कि किन साधनों से आप उस रास्ते पर चलते हुए अपनी मंजिल तक पहुंच सकते हैं। जैसे-जैसे आप रास्ते पर आगे बढ़ते जाएंगे, आपके साधन भी बढ़ते जाएंगे। अपने लक्ष्य को सकारात्मक तरीके से निर्मित करना चाहिए न कि नकारात्मक भाव से। लक्ष्य का उद्देश्य आपको गतिशील बनाए रखने के लिए प्रेरित करने के लिए होना चाहिए। लक्ष्य हासिल करने के लिए आपको अपनी क्षमताओं का भी पता होना चाहिए। ऐसे बहुत से लोग हैं जो अपने जीवन में बहुत आगे बढ़ सकते थे लेकिन उन्होंने अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल ठीक ढंग से नहीं किया और अपने लक्ष्य को सीमित दायरे में ही रखा।

अदम्य इच्छाशक्ति

लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह ज़रूरी है अदम्य इच्छाशक्ति का होना। इच्छाशक्ति ही मनुष्य को उसके लक्ष्य तक लेकर जाती है। चाहे रास्ता कितना ही लंबा क्यों न हो, चाहे कितना ही त्याग क्यों न करना पड़े, इच्छाशक्ति ऐसी ऊर्जा या ताकत है जो मनुष्य को उसके उद्देश्य तक अवश्य पहुंचाती है। जीवन में गंभीर चुनौतियां क्यों न हों, यदि व्यक्ति में चुनौतियों का सामना करने की इच्छाशक्ति है तो कुछ भी असंभव नहीं है। प्रबल इच्छाशक्ति रखने वाला कोई भी व्यक्ति कार्य कुशल बन सकता है। इच्छाशक्ति सफलता की कुंजी है, इसलिए अपने भीतर इसे पैदा करें। इच्छाशक्ति के बल पर ही साहसी, परिश्रमी एवं धुन के पक्के लोग विश्व कीर्तिमान रचते हैं।

भाग्य के भरोसे बैठे रहना ठीक नहीं

बिना दिशा निश्चित किए यदि समुद्र में एक जलयान को छोड़ दिया जाए तो इसका क्या परिणाम होगा, आप स्वयं अंदाज़ लगा सकते हैं। इधर-उधर डोलता हुआ जलयान या तो समुद्री चट्टानों से या फिर तट से टकराकर समुद्र में डूब जाएगा, लेकिन जब उसी जलयान की दिशा निश्चित होगी तो समुद्र को चीरते हुए वह अपनी मंजिल तक पहुंच जाएगा। यही उदाहरण हमारे जीवन पर भी लागू होता है। बिना अपना लक्ष्य तय किये हम अपनी मंजिल पर नहीं पहुंच सकते। भाग्य के भरोसे बैठे रहना ठीक नहीं।

समय का करें सदुपयोग

जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के साथ चलने व उसका सदुपयोग करने वाला व्यक्ति ही जीवन में कामयाबी के शिखर पर पहुंच सकता है। योजनाबद्ध तरीके से शुरू किया गया कार्य समय सेपूरा होता है और अपेक्षित परिणाम देता है, इसलिए समय के महत्व को समझें।

सिटी एंड टाउन प्लानर बनकर संवारें अपना करियर

अक्सर युवा ऐसे करियर विकल्प की तलाश में रहते हैं, जहां उन्हें एक अच्छे वेतन के साथ सम्मानित नौकरी भी मिल सके। हम आपको बता रहे हैं ऐसा ही करियर विकल्प। सिटी एंड टाउन प्लानर वर्तमान समय का एक बेहतरीन करियर विकल्प है। सिटी और टाउन प्लानर वह टीम होती है जो एक शहर को खूबसूरत बनाने के लिए एक प्लान तैयार करती है व उसके आधार पर पूरे शहर का विकास किया जाता है। वर्तमान में कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में तेजी आई है, जिससे इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। क्या करना होता है सिटी प्लानर को = शहर की उन बिंदुओं पर फोकस करना जिनको विकास की आवश्यकता है व एक बेहतरीन प्लान तैयार करना। सर्वे करना, साइट पर जाना। जिस समुदाय विशेष के डेवलपमेंट के बारे में प्लान बना रहे हैं उसके मुखिया से मिलना और उनकी सलाह-मशविरे से एक बेहतर मैप तैयार करना, उस जगह की पर्यावरणीय परिस्थितियों के बारे में जानते हुए प्लान तैयार करना इसके बाद फाइनल प्लान प्लानिंग कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करना। यह जॉब प्रोफाइल सिविल इंजीनियर और आर्किटेक्ट के थोड़ा बहुत मिलती- जुलती है।

इन क्षेत्रों में हैं अवसर: आर्किटेक्चर फर्म, इंजीनियरिंग फर्म्स, कंस्ट्रक्शन फर्म्स, लैंड स्केप आर्किटेक्ट्स फर्म्स, लैंड रिडेवेलपमेंट लीगल फर्म्स, एनवारमेंट ग्रुप व एनजीओ स्कूल ऑफ प्लानिंग में आप के लिए बेहतर संभावनाए उपलब्ध हैं। साथ ही इस फील्ड में पैकेज भी बढ़िया है।

यह करनी होगी पढ़ाई: 12वीं (फिजिक्स, कैमेस्ट्री, मैथ्स), ग्रेजुएशन, बीटेक आर्किटेक्चर/ बीटेक प्लानिंग/ बीटेक सिविल, पोस्ट ग्रेजुएशन एम.टेक प्लानिंग। इसके बाद आप सिटी एंड टाउन प्लानर की जॉब के लिए एप्लाई कर सकते हैं।

कोर्स के चर्चित संस्थान: स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, चेन्नई, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, हैदराबाद।

प्राइवेट के साथ सरकारी संगठनों में जॉब के अवसर:

हुडको, नगर निगम, नगर विकास प्राधिकरणों में, राज्य टाउन प्लानिंग संगठन, राज्य परिवहन निगमों में, टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड।

दूसरों की सेहत और अपना कैरियर बनाइए

बढ़ते कॉर्पोरेट कल्चर और तेज रफ्तार होती जिंदगी में लोग अपनी सेहत के प्रति बहुत ही सजग हो गए हैं। बीमारियों के बढ़ते खतरे से वे अपनी सेहत की चिंता पहले से अधिक करने लगे हैं। इसके लिए वे फिटनेस सेंटरों का सहारा लेते हैं। कॉर्पोरेट कंपनियां भी मान चुकी हैं कि कर्मचारियों की सेहत का ध्यान रखा जाना बहुत जरूरी है, इसलिए कई बड़ी कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए नियमित चेकअप कैम्प लगवाती हैं। इसके अलावा उनके लिए जिम और खाने के लिए अन्य पौष्टिक खानों की कोई कमी नहीं आने दी जाती। कई कंपनियों में एक फिज़िकल ट्रेनर भी होता है। लोगों के बढ़ते रुझान से फिटनेस सेंटरों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। फिटनेस सेंटरों के बढ़ने से फिटनेस ट्रेनरों, फिटनेस इंस्ट्रक्टर की मांग भी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इस क्षेत्र में भी युवाओं के लिए करियर अवसर उपलब्ध हैं। रोजगार के अवसर- खेल और बॉडी बिल्डिंग में रुचि रखने वाले युवा इसके साथ कम्प्यूटर, तकनीकी और किताबी ज्ञान हासिल कर बेहतर करियर बना सकते हैं। फिटनेस के क्षेत्र में अब पहले से ज्यादा अवसर उपलब्ध हैं। कई सारी कॉम्पिटिन्स भी होने लगी है, जिनमें जीत हासिल कर बेहतर करियर बनाया जा सकता है। देश के सभी शहरों में नेशनल लेवल के जिमों की संख्या बढ़ रही है। इस क्षेत्र में युवाओं को आकर्षक वेतन तो मिलता ही है। साथ दूसरों को फिटनेस की ट्रेनिंग के साथ स्वयं का शरीर भी स्वस्थ और स्फूर्तिवान रहता है। इसके फिटनेस सेंटरों में फिटनेस मैनेजर एक बहुत ही अच्छा पद होता है। इसके अलावा आजकल बड़ी-बड़ी फिल्मी हस्तियां भी अपना पर्सनल फिटनेस ट्रे नर रखती हैं। जो युवा स्वयं को फिट रखने के साथ ही दूसरों को फिट रखना चाहते हैं, उनके लिए यह एक अच्छा करियर क्षेत्र है। इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कोई विशेष योग्यता की आवश्यकता तो नहीं है, लेकिन एक्सरसाइज साइंस या फिजिकल एजुकेशन में बैचलर या मास्टर डिग्री धारियों को सेंटर्स प्राथमिकता देते हैं। पुणे स्थित सिम्बायोसिस इंस्टिट् यूट ऑफ हेल्थ साइंस और मुंबई की गोल्ड् स जिम यूनिवर्सिटी से फिटनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता है। ग्रेज्युएट या पोस्ट ग्रेज्युएट युवा जो शारीरिक रूप से फिट हैं उनके लिए यह असीम संभावनाओं वाला क्षेत्र हो सकता है। अनुभव, समग्र जानकारी का होना, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल ऐसी बातें हैं जिनसे आप इस क्षेत्र में एक सफल करियर बना सकते हैं। तो हो जाइए तैयार दूसरों की सेहत और अपना करियर बनाने के लिए।

फिटनेस संबंधी कोर्स आप इन संस्थानों से कर सकते है

इंदिरा गांधी इंस्टीट् यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोटर्स साइंस, दिल्ली।

लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन।

साई, एनएस साउथ सेंटर, यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु।

साई, एनएस ईस्टन सेंटर, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता।

ऑल इंडिया पुलिस कुश्ती प्रतियोगिता में बनारसी बाला पूजा यादव ने जीता गोल्ड मेडल

एजेंसी

वाराणसी। 73वीं ऑल इंडिया पुलिस कुश्ती प्रतियोगिता में वाराणसी की महिला पहलवान पूजा यादव ने 62 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीत कर जिले का मान बढ़ाया है। 9 से 12 सितम्बर के बीच प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एस. एस. बी. की ओर से आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में बनारस की दो महिला पहलवानों ने भागीदारी की। इसमें 62 किग्रा भार वर्ग में पूजा यादव ने आई.टी.बी.पी का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल जीता। वहीं, 55 किग्रा भार वर्ग में बनारस की मानसी यादव ने उत्तर प्रदेश पुलिस का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता है। ये जानकारी दोनों पहलवानों के कोच रविंद्र यादव (उत्तर प्रदेश पुलिस कुश्ती प्रशिक्षक) ने दी। गोल्ड मेडल जीतने वाली पूजा यादव लोहता भट्टी की रहने वाली है। मानसी यादव बड़ी पियरी वाराणसी की रहने वाली है। दोनों अंतरराष्ट्रीय पहलवानों ने अभ्यास की शुरूआत सिगरा स्टेडियम से ही शुरू की थी। दोनों खिलाड़ियों के पदक जीतने पर उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ एवं वाराणसी कुश्ती संघ ने बधाई दी है।

किश्तवाड़ के पटनजी में दोस्ताना वॉलीबॉल मैच आयोजित

किश्तवाड़। वॉलीबॉल पारंपरिक रूप से चेनाब क्षेत्र का एक लोकप्रिय खेल रहा है और हर उम्र के लोग इसे जुनून के साथ खेलते हैं। चेनाब घाटी में उपलब्ध मैदानों और सड़कों पर युवाओं को यह खेल खेलते देखना आम बात है। क्षेत्र के युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने और आत्मविश्वास को मजबूत करने का अवसर प्रदान करने के लिए भारतीय सेना ने पटनजी में एक दोस्ताना वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया। मैच के लिए स्थानीय युवाओं द्वारा दिखाई गई प्रतिक्रिया और भागीदारी क्षेत्र की सेना और आवाम के बीच मौजूद उच्च भावना और सौहार्द को दर्शाती है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के युवाओं को मुख्यधारा की गतिविधियों में शामिल करने के लिए भारतीय सेना के ईमानदार प्रयासों की सराहना की और अनुरोध किया कि भविष्य में भी इस तरह के कई और लोकप्रिय खेल आयोजन आयोजित किए जाएं। मैच में कुल 20 स्थानीय युवाओं ने भाग लिया।

लेवर कप 2024 से हटे राफेल नडाल, टीम यूरोप के लिए प्रतिस्थापन की घोषणा अभी बाकी

नई दिल्ली। लेवर कप के 2024 संस्करण में राफेल नडाल शामिल नहीं होंगे, 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन ने टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की। नडाल ने एक बयान में कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत निराशा हो रही है कि मैं अगले सप्ताह बर्लिन में लेवर कप में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊंगा। यह एक टीम प्रतियोगिता है और वास्तव में टीम यूरोप का समर्थन करने के लिए, मुझे वह करने की ज़रूरत है जो उनके लिए सबसे अच्छा है और इस समय अन्य खिलाड़ी भी हैं जो टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकते हैं।उन्होंने कहा, मेरे पास लेवर कप खेलने की बहुत सारी शानदार, भावनात्मक यादें हैं और मैं वास्तव में अपने साथियों के साथ और कप्तान के रूप में ब्योर्न के अंतिम वर्ष में रहने के लिए उत्सुक था। मैं टीम यूरोप को शुभकामनाएं देता हूं और दूर से ही उनका उत्साहवर्धन करूंगा।

अफगानिस्तान- न्यूजीलैंड टेस्ट रद्द होने पर दोनों टीमों के कोचों ने जताई निराशा

ग्रेटर नोएडा। यहां लगातार हो रहे बारिश के कारण अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। जिसके बाद दोनों टीमों के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और गैरी स्टीड ने निराशा व्यक्त की है। अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने कहा, व्यक्तिगत रूप से, मैं निराश था। हम न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने के लिए बहुत उत्साहित थे और खुद को उस चुनौती के सामने रखा। खिलाड़ियों ने वास्तव में कड़ी मेहनत की है, लेकिन साल के इस समय में टेस्ट मैच खेलने की कोशिश करना हमेशा मुश्किल होता है। 2018 में लाल गेंद से पदार्पण करने के बाद से यह अफगानिस्तान का 10वां टेस्ट माना जा रहा था। हालांकि, शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम, जो अपने पहले टेस्ट की मेजबानी कर रहा था, सुविधाओं और बुनियादी जल निकासी की कमी के कारण सवालों के घेरे में आ गया। धूप होने के बावजूद पहले कुछ दिनों तक कोई खेल नहीं होने के कारण आलोचना झेलने के बाद, स्टेडियम के अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से कवर मंगवाए, जबकि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने जमीन को वापस आकार में लाने के लिए सुपर सॉपर्स भेजा, लेकिन भारी बारिश के कारण आयोजन स्थल के कुछ हिस्सों में जलभराव हो गया, जिससे मैदानकर्मियों के लिए चीजें तैयार करना संभव नहीं हो सका।

लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया

एजेंसी

कार्डिफ। अनुभवी लियाम लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड ने कार्डिफ में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 1-1 की बराबरी कर ली है।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क (50) के पहले अर्धशतक और जोश इंग्लिस के 26 गेंदों पर 42 रनों की तेज पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मैथ्यू शॉर्ट ने 28 और कप्तान ट्रेविस हेड ने 31 रन बनाए। अंत में आरोन हार्डी ने 9 गेंदों में 20 रन की तेज पारी खेली। इंग्लैंड के लिए लिविंगस्टोन और ब्रीडन कार्स ने 2-2 और सैम करन, आदिल राशिद ने 1-1 विकेट लिया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम एक समय 79 रनों पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी, लेकिन यहां से लिविंगस्टोन (47 गेंदों पर 87 रन) और जैकब बेथेल (24 गेंदों पर 44 रन) के बीच केवल 47 गेंदों पर 90 रनों की साझेदारी ने उन्हें वापस मैच में ला दिया और इंग्लैंड ने 1ओवर शेष रहते 194 रन बनाकर 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इंग्लिश कप्तान फिलिप शॉर्ट ने भी 39 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू शॉर्ट ने 5 विकेट लिए, जबकि सीन एबॉट ने 2 विकेट झटके। दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम टी-20 मैच रविवार को खेला जाएगा।

डायमंड लीग फाइनल 2024: पुरुषों की 3000 स्टीपलचेज में नौवें स्थान पर रहे अविनाश साबले

एजेंसी

नई दिल्ली। अविनाश साबले शनिवार को ब्रुसेल्स के किंग बौडॉइन स्टेडियम में डायमंड लीग 2024 फाइनल में 3000 मीटर पुरुषों की स्टीपलचेज़ में 8:17.09 के समय के साथ नौवें स्थान पर रहे।केन्या के अमोस सेरेम फिनिश लाइन (8:06.90) को पार करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जबकि पसंदीदा मोरक्को के सौफियान एल बक्काली 8:08:60 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ट्यूनीशिया के मोहम्मद अमीन झिनाउई 8:09.68 का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहे। 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले, दो बैठकों में तीन अंकों के साथ समग्र डायमंड लीग स्टैंडिंग में 14वें स्थान पर रहे। हालाँकि, उनसे उच्च रैंक वाले चार एथलीट - इथियोपिया के लामेचा गिरमा (घायल), न्यूजीलैंड के जियोर्डी बीमिश, जापान के रयुजी मुरा और यूएसए की हिलेरी बोर - हट गए, जिससे सेबल को सीजन फाइनल के शीर्ष 12 में भाग लेने की अनुमति मिली। 29 वर्षीय खिलाड़ी 7 जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में 8:09.91 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ छठे स्थान पर रहे थे। वह 25 अगस्त को सिलेसिया चरण में 8:29.96 के समय के साथ 14वें स्थान पर थे।

इंटर मियामी के लिए वापसी को तैयार लियोनेल मेसी

एजेंसी

वाशिंगटन। लियोनेल मेसी चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक बाहर रहने के बाद इस सप्ताह के अंत में इंटर मियामी के लिए एक्शन में लौटने के लिए तैयार हैं। 37 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के दौरान टखने की चोट के बाद से नहीं खेला है। हालांकि वह पूर्ण प्रशिक्षण पर लौट आए हैं और फिलाडेल्फिया के खिलाफ इंटर मियामी के घरेलू मुकाबले के लिए उनका खेलना तय है। इंटर मियामी के प्रबंधक गेरार्डो मार्टिनो ने संवाददाताओं से कहा, हां, वह ठीक हैं। उन्होंने गुरुवार को प्रशिक्षण लिया और वह मैच के लिए हमारी योजनाओं में है। आज प्रशिक्षण के बाद हम उसके लिए रणनीति के बारे में सोचेंगे, लेकिन वह उपलब्ध हैं। मेसी के नाम इस सीजन में 12 मेजर लीग सॉकर मैचों में 12 गोल और 13 सहायता हैं।

मार्टिनो आठ बार के बैलन डी' ओर विजेता की मैच फिटनेस की कमी से चिंतित नहीं थे, उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति मात्र से फ्लोरिडा टीम को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मार्टिनो ने कहा, अपनी टीम के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का वापस स्वागत करना, जो पहले से ही अच्छे प्रदर्शन पर थी, हम सभी को बहुत खुशी हो रही है। इंटर मियामी वर्तमान में 27 मैचों में 59 अंकों के साथ मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से आठ अंक आगे है।

बांग्लादेश संभावित रूप से अक्टूबर में दो टेस्ट मैचों के लिए करेगा दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी

एजेंसी

ढाका। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज क्रमशः ढाका और चट्टोग्राम में खेले जाने की संभावना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने उक्त जानकारी दी।

बीसीबी अधिकारी ने क्रिकबज से बातचीत में जोर देकर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रृंखला जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है, इस तथ्य के बावजूद कि देश में राजनीतिक स्थिति के कारण संदेह पैदा हो गया था, तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी।

उम्मीद है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) अपने आगामी दौरे के संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए) के साथ बैठेगा। हालाँकि, यह समझा जाता है कि दौरे को लेकर कोई सुरक्षा चिंताएँ नहीं हैं। एक अतिरिक्त कारक जो श्रृंखला होने के पक्ष में हो सकता है वह यह है कि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने बांग्लादेश का दौरा करने के खिलाफ यात्रा सलाह जारी नहीं की है।बीसीबी ने श्रृंखला के लिए एक मसौदा यात्रा कार्यक्रम तैयार किया था और उसके अनुसार, पर्यटक 16 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचेंगे।दक्षिण अफ्रीका 21 अक्टूबर से ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट खेलेगा, जबकि श्रृंखला का समापन दूसरा टेस्ट 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चट्टोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में खेला जाएगा। 3 नवंबर.

बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, हमें उम्मीद है कि दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगा और हम आने वाले दिनों में इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे। हाल ही में राजनीतिक अशांति के कारण आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था, जबकि न्यूजीलैंड ए टीम का बांग्लादेश दौरा भी पुनर्निर्धारित किया गया था।

आईएसएल: अपने पहले मुकाबले में ईस्ट बंगाल से भिड़ेगा बेंगलुरू एफसी

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरू एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सीजन 2024-25 में अपना पहला मैच ईस्ट बंगाल एफसी से खेलेगी। यह मुकाबला यहां श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेला जाएगा।

बेंगलुरू का मजबूत ओपनिंग मैच रिकॉर्ड है, क्योंकि टीम अब तक अपना पहला मैच केवल एक बार हारी है। उन्हें वो हार पिछले सीजन में मिली थी जब वे केरला ब्लास्टर्स एफसी से 1-2 से हारे थे। वहीं, ईस्ट बंगाल एफसी ब्लूज के खिलाफ लगातार गोल कर रही है, उसने अपने पिछले चार मुकाबलों में से प्रत्येक में गोल दागे हैं और तीन जीत हासिल की है। लेकिन यह भी तथ्य है कि रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड अच्छी शुरुआत नहीं करती है। उसने कभी भी अपना पहला आईएसएल मैच नहीं जीता है और वो इसे बदलना चाहेगी।

बेंगलुरू एफसी के हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने पिछले सीजन के मध्य में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनकी देखरेख में ब्लूज ने चार क्लीन शीट रखी थी, लेकिन पिछले सत्र में 10वें स्थान पर रहे थे। लिहाजा ब्लूज को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। कोच ने कहा, जिन खिलाड़ियों को हम चाहते थे, उनको अनुबंधित किया गया। खेल निदेशक और मालिकों ने अपना काम कर दिया है और अब हमारी बारी है। प्रशिक्षण, फिटनेस और रणनीति के मामले में हमारा प्री-सीजन बढ़िया रहा।

कार्लेस कुआड्राट पिछले सीजन में ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े थे और उनकी देखरेख में, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड डूरंड कप के फाइनल में पहुंची और सुपर कप जीती, जिससे उसे एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। हालांकि, आईएसएल में टीम की स्थिति सीजन से 2022-23 नहीं बदली है, क्योंकि वो सात क्लीन-शीट रखने के बावजूद नौवें स्थान पर रही। कार्लेस ने कहा, हम एक टीम बना रहे हैं और पिछले सीजन से बेहतर

> **बेंगलुरू का मजबूत ओपनिंग मैच रिकॉर्ड है, क्योंकि टीम अब तक अपना पहला मैच केवल एक बार हारी है। उन्हें वो हार पिछले सीजन में मिली थी जब वे केरला ब्लास्टर्स एफसी से 1-2 से हारे थे।**

प्रदर्शन करने के लिए हमने नए खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे कि हम अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। साथ ही, हमने युवाओं को अवसर दिए हैं। कुछ ने डेब्यू सीजन में गोल करने में सहायता की थी या फिर गोल किए थे। इस बार वे लीग के लिए अधिक तैयार हैं।

एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग की धमाकेदार शुरुआत, हरयाणवी हंटर्स ने बेंगलुरु बैशर्स को 2 विकेट से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की पहली सोशल इन्फ्लुएंसर-चालित टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट, एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग (ईसीएल), के उद्घाटन मैच में हरयाणवी हंटर्स, जिनकी अगुवाई करिश्माई एल्विश यादव कर रहे थे, ने बेंगलुरु बैशर्स, जिसकी कप्तानी सोशल मीडिया सुपरस्टार फुकरा इंसान (अभिषेक मल्हान) कर रहे थे, को 2 विकेट से हरा दिया।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस मुकाबले में बेंगलुरु बैशर्स के कप्तान अभिषेक मल्हान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु बैशर्स ने 7 विकेट खोकर 178 रन बनाए, जिसमें तनुश सेठी ने 23 गेंदों में 74 रन की धमाकेदार पारी खेली। हरयाणवी हंटर्स के महिंदर तंवर ने 21 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि कप्तान अभिषेक मल्हान ने 8 गेंदों में 17 रन बनाए। जवाब में, हरयाणवी हंटर्स के ओपनर और कप्तान एल्विश यादव ने 2 गेंदों में 6 रन बनाए, लेकिन विकेटकीपर पटेल के शानदार कैच पर आउट हो गए। के. चौधरी ने 20 गेंदों में 58 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि ए. चौधरी ने 11 गेंदों में 34 रन बनाए।

बेंगलुरु बैशर्स के गगन सांगवान ने आठवें ओवर में एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग की पहली हैट्रिक ली। मैच अंतिम ओवर तक खिंचा, जिसमें हरयाणवी हंटर्स को 6 गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी। चौथी गेंद पर आर. मेहरा ने शानदार शॉट खेलते हुए टीम को 2 विकेट से जीत दिलाई।

एंटरटेनर्स क्रिकेट लीग का उद्देश्य भारत की क्रिकेट के प्रति दीवानगी को देश के सबसे लोकप्रिय डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स से जोड़ना है और स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट का एक नया जॉनर बनाना है।

यूएस सॉकर मेन्स नेशनल टीम के कोच नियुक्त हुए चेल्सी के पूर्व प्रबंधक मौरिसियो पोचेतीनो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भारत भर के सेवानिवृत्त खिलाड़ियों से नए लॉन्च किए गए सेवानिवृत्त खिलाड़ी सशक्तिकरण प्रशिक्षण (रीसेट) कार्यक्रम के लिए आवेदन करने और देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय रूप से योगदान करने का आह्वान किया है। इस पहल की शुरुआत डॉ. मंडाविया ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर की थी। सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. मंडाविया ने कहा, रीसेट कार्यक्रम हमारे सेवानिवृत्त एथलीटों को पहचानने और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। हम सभी सेवानिवृत्त खिलाड़ियों से नए कौशल विकसित करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह करते हैं और आह्वान करते हैं कि खेल समुदाय में लगे रहें और देश की खेल विरासत में योगदान देना जारी रखें। सेवानिवृत्त एथलीटों को उनके करियर के

विकास में समर्थन देने के लिए डिज़ाइन किया गया रीसेट कार्यक्रम का उद्देश्य पीढ़ियों के बीच के अंतर को पाटना है, जिससे सेवानिवृत्त एथलीटों के कौशल और अनुभव से युवा महत्वाकांक्षी खेल प्रतिभाओं को लाभ मिल सके। डॉ. मंडाविया ने सेवानिवृत्त एथलीटों को पूरी तरह से समर्थन देने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, उनसे विशेष रूप से नामित पोर्टल के माध्यम से आवेदन करके कार्यक्रम का उपयोग करने का आग्रह किया। 20-50 वर्ष की आयु के सेवानिवृत्त एथलीटों के लिए खुला, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लिया है, या राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर मान्यता हासिल की है, रीसेट कार्यक्रम लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एलएनआईपीई) के सहयोग से लागू किया जाएगा। इसमें स्व-गति से ऑनलाइन शिक्षण, ऑन-ग्राउंड प्रशिक्षण और इंटर्नशिप शामिल होगी, जिसमें सफल समापन पर प्लेसमेंट सहायता और उद्यमशीलता मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। सेवानिवृत्त एथलीटों को उनके करियर के विकास में समर्थन देने के लिए डिज़ाइन किया गया रीसेट कार्यक्रम का उद्देश्य पीढ़ियों के बीच के अंतर को पाटना है, जिससे सेवानिवृत्त एथलीटों के कौशल और अनुभव से युवा महत्वाकांक्षी खेल प्रतिभाओं को लाभ मिल सके। डॉ. मंडाविया ने सेवानिवृत्त एथलीटों को पूरी तरह से समर्थन देने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, उनसे विशेष रूप से नामित पोर्टल के माध्यम से आवेदन करके कार्यक्रम का उपयोग करने का आग्रह किया।

20-50 वर्ष की आयु के सेवानिवृत्त एथलीटों के लिए खुला, (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लिया है, या राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर मान्यता हासिल की है) रीसेट कार्यक्रम लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एलएनआईपीई) के सहयोग से लागू किया जाएगा। इसमें स्व-गति से ऑनलाइन शिक्षण, ऑन-ग्राउंड प्रशिक्षण और इंटर्नशिप शामिल होगी, जिसमें सफल समापन पर प्लेसमेंट सहायता और उद्यमशीलता मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। रीसेट कार्यक्रम के लिए आवेदन पोर्टल https://lnipe.edu.in/resetprogram/ पर खुले हैं, और पाठ्यक्रम उचित मूल्यांकन के बाद शुरू होगा। इस पहल का उद्देश्य सेवानिवृत्त एथलीटों के अमूल्य अनुभव का उपयोग करना, भविष्य के चैंपियनों का पोषण करना और भारत में खेलों के विकास में योगदान देना है।

ऊना पहुंचने पर निषाद का गर्मजोशी से स्वागत

एजेंसी

ऊना। पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाने वाले स्टार पैरा एथलीट निषाद कुमार का गृह जिला ऊना पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। जिला प्रशासन की ओर से जिला खेल एवं युवा सेवाएं अधिकारी उत्तम डोड ने इंदिरा गांधी खेल स्टेडियम परिसर में उनका स्वागत किया।

निषाद कुमार के साथ उनके पिता रशपाल सिंह, माता पुष्पा देवी, बहन रमा देवी और कोच नदीम अहमद भी मौजूद थे। 25 वर्षीय निषाद कुमार ऊना जिले की अंब तहसील के ग्राम पंचायत अंदौरा के बदाऊं गांव के रहने वाले हैं।

निषाद ने इस अवसर पर कहा कि उन्हें प्रदेश को लगातार दूसरी बार पैरालंपिक में रजत पदक दिलाने की खुशी है। उन्होंने लोगों के साथ और दुआओं के लिए सभी का आभार जताया। निषाद ने कहा कि उन्होंने तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। आगे भी वे पूरी मेहनत के साथ तैयारी जारी रखेंगे। उल्लेखनीय है कि निषाद कुमार ने हाल ही में पेरिस में आयोजित पैरालंपिक खेलों में ऊंची कूद (टी-47) स्पर्धा में रजत पदक जीता है। यह उनकी लगातार दूसरी पैरालंपिक स्पर्धा में रजत पदक

जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि है। 2021 के टोक्यो पैरालंपिक में भी उन्होंने इसी स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया था। बता दें, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने फिर से बधाई देते हुए कहा 'निषाद कुमार ने हिमाचल प्रदेश और देश का नाम ऊंचा किया है। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए हमेशा तत्पर है और खिलाड़ियों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें। वहीं, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने निषाद कुमार को पुनः बधाई दी और उनकी सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा 'निषाद की यह जीत हमें सिखाती है कि अगर मन में दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास हो, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। निषाद ने अपने प्रदर्शन से पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता युवाओं को कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।'

उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने निषाद कुमार की इस अद्वितीय उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, 'निषाद ने अपने प्रदर्शन से हर ऊनावासी का सिर गर्व से ऊंचा किया है। उनकी उपलब्धि युवाओं को कड़ी मेहनत और समर्पण के महत्व को समझने में मदद करेगी और उन्हें अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी: पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबले के लिए तैयार भारतीय हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के अपने आखिरी ग्रुप चरण मैच में चीन के हुलुनबुइर में मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा।

जहां शीर्ष ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारत टेबल टॉपर के रूप में मैच में उतरेगा, वहीं अम्माद बट के नेतृत्व वाला पाकिस्तान अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम के रूप में भारत से भिड़ेगा। गत चैंपियन ने टूर्नामेंट को पसंदीदा के रूप में खेला है और प्रत्येक मैच जीता है। भारत ने पहले मैच में मेजबान चीन को 3-0 से हराया, दूसरे मैच में जापान को 5-1 से हराया, तीसरे मैच में मलेशिया को 8-1 से हराया और पिछले मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की। भारत टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाली पहली टीम थी।

दूसरी ओर, पाकिस्तान इस अभियान में लचीला रहा है। हॉकी के दिग्गज ताहिर ज़मान के सतर्क मार्गदर्शन में खेल रही टीम ने मलेशिया और कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला, जापान को 2-1 से और चीन को 5-1 से हराकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, मैं अपने जूनियर दिनों से ही पाकिस्तान टीम के कुछ खिलाड़ियों के साथ खेल रहा हूं और हमारा उनके साथ एक विशेष रिश्ता है। वे मेरे भाई जैसे हैं. बेशक, मैदान पर हम मैच के बारे में वैसे ही सोचेंगे जैसे हम किसी अन्य प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। हरमनप्रीत ने कहा, विश्व हॉकी में, दोनों टीमों के बीच की प्रतिद्वंद्विता अद्वितीय है और मुझे यकीन है कि दुनिया भर के प्रशंसक भारत-पाकिस्तान मैच का इंतजार कर रहे होंगे। पाकिस्तान के कप्तान अम्माद ने कहा, भारत ने टूर्नामेंट में अब तक सच्चे प्रबल दावेदार की तरह खेला है। हमने जो मैच खेले हैं उनसे हमें प्रेरणा मिलेगी और मुझे कहना होगा कि हमने हर एक गेम में सुधार किया है, बिना कार्ड गंवाए और अनुशासित हॉकी खेली है। हम कल भारत के खिलाफ भी ऐसा ही करने को उत्सुक हैं।

आलिया भट्ट

के आसपास भी नहीं भटक पा रही हैं दीपिका पादुकोण-कटरीना कैफ! ये है वो बड़ी वजह

12 साल पहले इंडस्ट्री में कदम रखने वाली **Alia Bhatt** अब पुरानी आलिया नहीं रही हैं. अब आलिया भट्ट इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस होने के साथ-साथ डायरेक्टर्स और मेकर्स का भरोसा भी जीत चुकी हैं. आलम ये है कि मेकर्स महज आलिया के दम पर 100-100 करोड़ का दांव तो यूं ही खेल जा रहे हैं. वहीं एक्ट्रेस भी बदले में उनके भरोसे पर खरी उतरकर दिखाती हैं. आलिया की फिल्में जबरदस्त रिजल्ट दे रही हैं. नेशनल अवॉर्ड विनर आलिया भट्ट महज 31 साल की उम्र में इंडस्ट्रीके बड़े-बड़े खिताब अपने नाम कर चुकी हैं. आलिया ने बीते कुछ सालों में जो कमाल करके दिखाया है, वो तो दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ भी अभी तक नहीं कर पाई हैं.आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' का हाल ही में टीजर ट्रेलर रिलीज किया गया है. फिल्म का ये टीजर ही काफी है ये बताने के लिए कि आलिया अब बिना हीरो वाली फिल्मों को सुपरहिट बना सकती हैं. आलिया को 'जिगरा' में एक्शन करते हुए, ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए और बड़ी-बड़ी मुश्किलों का सामना करते हुए देखा जाएगा. 'जिगरा' के टीजर ने लोगों की आंखों को नम तो किया, लेकिन आलिया के जोश और हौसले ने उन्हें खुश कर दिया. इस फिल्म को रिलीज से पहले ही हिट माना जा रहा है. इन सब बातों के बाद आप सोच रहे होंगे कि इससे दीपिका और कटरीना का क्या लेना देना है.

आलिया के सामने नहीं टिक पाई दीपिका-कटरीना!

दरअसल आलिया भट्ट ने अपने दम पर अब तक 'राजी', 'हाईवे', 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी फिल्मों को सुपरहिट बनाया है. वहीं आने वाले वक्त में वो 'जिगरा' और **YRF** स्पाई यूनिवर्स की 'एल्फा' में भी यही धमाका करती हुई नजर आएंगी. लेकिन अब तक दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ ने ये कारनामा करके नहीं दिखाया है. दीपिका-कटरीना ने अपने दम पर कोई भी ब्लॉकबस्टर या सुपरहिट फिल्में सिनेमाघरों में नहीं परोसी हैं.

दीपिका पादुकोण का फिल्मी ग्राफ

साल 2007 में अपने करियर की शुरुआत करने वाली दीपिका पादुकोण का दर्शकों ने दिल खोलकर स्वागत किया था. हालांकि इसकी एक बड़ी वजह शाहरुख खान भी थे. दीपिका ने शाहरुख की फिल्म 'ओम शांति ओम' से इंडस्ट्री में कदम रखा. दीपिका ने अपने 17 साल के अब तक के करियर में तीन 1000-1000 करोड़ी फिल्में दी हैं. लेकिन उन्होंने एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर फिल्म नहीं दी है. उन्होंने 'छपाक' के जरिए ये कोशिश की थी, लेकिन ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई. 1000-1000 करोड़ वाली फिल्मों में भी शाहरुख खान, प्रभास और जॉन अब्राहम जैसे स्टार्स लीड रोल में थे. ऐसे में दीपिका इस मामले में आलिया से मात खा जाती हैं.

कटरीना कैफ का फिल्मी ग्राफ

देखा जाए तो इंडस्ट्री में कटरीना कैफ, दीपिका-आलिया की सीनियर भी हैं. कटरीना ने साल 2003 में अपने कदम बॉलीवुड की दुनिया में रखे थे. हालांकि उनकी पहली ही फिल्म 'बूम' बुरी तरह से पिट गई थी.

दीपिका-रणवीर

की बेटी से देर रात मिलने पहुंचे शाहरुख खान, खूब लुटाया प्यार

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपनी जिंदगी के नए फेज में आ चुके हैं. ये कपल एक बेटी के माता-पिता बन चुके हैं. दीपिका की डिलीवरी की खबर का जहां हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा था, वहीं शादी के 6 साल बाद 8 सितंबर को ये अनाउंस किया गया कि दीपिका-रणवीर माता-पिता बन गए हैं. इंडस्ट्री के तमाम स्टार्स इस कपल को बधाई देते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि अभी तक दीपिका अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर नहीं आई हैं. ऐसे में उनसे मिलने के लिए सुपरस्टार शाहरुख खान ही मुंबई के एसएन रिलायंस अस्पताल पहुंच गए.सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शाहरुख खान की कार और सिक्योरिटी को अस्पताल के अंदर जाते हुए देखा जा सकता है. आधी रात को शाहरुख ने दीपिका पादुकोण और उनकी बेटी से मुलाकात की. दीपिका और शाहरुख को-स्टार्स होने के साथ-साथ एक-दूसरे के क्लोज फ्रेंड्स भी हैं. दोनों एक-दूसरे के लिए हमेशा आगे खड़े हुए नजर आते हैं. शाहरुख और दीपिका इंडस्ट्री की बेस्ट ऑन स्क्रीन जोड़ी भी हैं.

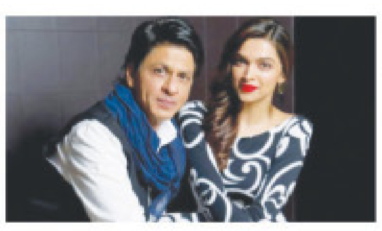

दीपिका से मिलने अस्पताल पहुंचे शाहरुख

मिली जानकारी के अनुसार शाहरुख खान इंतजार कर रहे थे कि कब दीपिका डिस्चार्ज होकर घर पहुंचे, लेकिन कई दिन गुजर जाने के बाद वो खुद ही अस्पताल पहुंच गए, माना जा रहा है कि शाहरुख ने दीपिका की नन्ही परी पर खूब प्यार लुटाया है, उनका हाल जाना और आशिर्वाद भी दिया है. वायरल वीडियो में हाई सिक्योरिटी के साथ शाहरुख ने अस्पताल में एंट्री की. शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण ने एक साथ मिलकर दो 1000-1000 करोड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज की हैं.

'स्त्री 2' के मेकर्स ने टिकट खरीदने पर दिया ये गजब का ऑफर

साल 2024 में अब तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'स्त्री 2' को लोग काफी पसंद कर रहे हैं. 15 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी. भारत में इसने 539.35 करोड़ रुपये की कमाई की है. ऐसे में फिल्म ने पठान (513 करोड़ रुपये) और गदर 2 (515 करोड़ रुपये) के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. लोग इसके हर किरदार पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं. फैन्स के प्यार को देखते हुए मेकर्स ने भी फिल्म की टिकट खरीदने पर गजब का ऑफर दिया है.मेकर्स ने जो लोग अभी तक सिनेमाघरों में जाकर फिल्म नहीं देख पाए हैं, उनके लिए शुक्रवार, 13 सितंबर को बाय वन गेट वन फ्री ऑफर की घोषणा की है. उन्होंने पोस्ट करके जानकारी दी कि जो लोग 13 सितंबर को फिल्म देखने जाते हैं, उन्हें एक टिकट पर एक मुफ्त टिकट मिलेगी. मैडॉक फिल्म्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट शेयर किया गया है, जिसमें फिल्म के इस खास ऑफर के बारे में बताया गया है.

पोस्ट के कैप्शन में लिखी है ये बात

इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'शुक्रवार को सभी चाहने वालों के लिए, ऐसा ऑफर फिर नहीं मिलेगा, तो अपनी टिकट बुक करो.' कैप्शन में आगे लिखा, बुकमाई शो पर STREE2 कोड लगाकर आपको ये ऑफर मिल सकता है. लिमिटेड टिकट हैं. ऐसे में फटाफट अपनी टिकट बुक करें. फ्राइडे को थिएटर बुला रहा हैज्एक टिकट पर एक टिकट फ्रीज्.अकेले मत आना.

फिल्म बनने में नहीं लगेंगे छह साल

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव लीड रोल में हैं. इसके अलावा पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी शामिल हैं. तमन्ना भाटिया, वरुण धवन और अक्षय कुमार ने इसमें कैमियो किया है. फिल्म का पहला पार्ट 2018 आया था, जिसे भी लोगों ने बहुत प्यार दिया. फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 129.83 करोड़ रुपये था. 'स्त्री 2' अपने पहले पार्ट के छह साल बाद आई है. हालांकि मेकर्स ने ऐसा इशारा किया है कि इसका तीसरा पार्ट जल्द ही आएगा और इसकी तरह 6 साल नहीं लगेंगे.

कपाड़िया बिजनेस की बागडोर संभालेगा अनुज, अंकुश-बरखा को देगा धोखा देने की सजा

टीवी सीरियल 'अनुपमा' के अपडेट्स पर दर्शक अपनी नजरें जमाए रहते हैं. शो के मेकर्स ने जो दांव खेला था, वो उनके हक में गया है. बीते दिनों जहां वनराज शाह का किरदार निभाने वाले सुधांशु पांडे ने शो छोड़कर मेकर्स को करारा झटका दिया था. वहीं मेकर्स ने भी अनुपमा और अनुज का ट्रैक खत्म करने का मन बना लिया था. लेकिन देर सवेर ही सही मेकर्स को ये बात समझ आ गई और उन्होंने अनुपमा-अनुज के दम पर कहानी को आगे बढ़ाने का प्लान बनाया. अनुपना की जान को खतरे में दिखाया और अब इसका रिजल्ट है **TRP** रेटिंग. टीआरपी रिपोर्ट आ गई है 'अनुपमा' ने एक बार फिर से सबको पीछे छोड़ते हुए नंबर 1 की कुर्सी पर कब्जा कर लिया है.इसी के साथ शो की कहानी की बात करें, तो अनुपमा और आध्या को वापस अपनी जिंदगी में पाने के बाद अब अनुज एक बार फिर से अनुज कपाड़िया बनना चाहता है. मुश्किल घड़ी में अनुज ने अपना सारा बिजनेस अपने भैया-भाभी को सौंप दिया था या यूं कहें उन दोनों ने बिजनेस हथिया लिया था. अनुज की लाचारी का उनके भैया-भाभी ने खूब फायदा उठाया. इतना ही नहीं उन्होंने कपाड़िया बिजनेस को डुबा भी दिया. लंबे वक्त बाद अनुपमा के कहने पर अनुज अपनी कंपनी पहुंचे हैं.

अंकुश-बरखा को सबक सिखाएगा अनुज

अनुज कंपनी में जाकर देखते हैं कि उनके भैया अंकुश और भाभी बरखा ने पूरा बिजनेस बर्बाद कर दिया है. सालों से जो लोग अनुज के लिए काम कर रहे थे, उन्हें भी निकालना शुरू कर दिया है. कंपनी में काम करने वाले लोग अनुज को लंबे वक्त बाद देख काफी खुश होते हैं. उन्हें अनुज में कंपनी को बचाने की उम्मीद नजर आती है. सभी एक-एक करके अंकुश और बरखा के कारनामों का चिट्ठा अनुज के सामने खोलना शुरू कर देते हैं. अनुज सबकी बात सुनने के बाद गुस्से से लाल हो जाता है. अब अंकुश-बरखा की साजिशों की अनुज उन्हें क्या सजा देता है, ये आगे पता चलेगा.

सागर-मीनू के सच से अंजान है अनुपमा

वहीं दूसरी तरफ अनुपमा इस बात से अंजान है कि सागर और डॉली के बेटी एक-दूसरे से प्यार करते हैं. वहीं डॉली को लगता है कि अनुपना जानकर ये सब कर रही है.

इतना ही नहीं शाह परिवार में तोषू का आतंक देखने को मिल रहा है. वो घर की गद्दी संभालने के लालच में एक के बाद एक गलत फैसले ले रहा है. तोषू अब काव्या की बेटी पर तंस कसता हुआ नजर आएगा. ऐसे में उम्मीद ये भी की जा रही है कि शो में अब काव्या की एंट्री भी हो सकती है, जो आकर तोषू का दिमाग ठिकाने लगा सकती है.